● वर्ष-4
● अंक-154
रायपुर, गुरुवार
06 फरवरी 2025
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» चाइल्ड काउंसलर बनकर संवारें....

दिल्ली चुनाव के लिए वोटिंग खत्म, 8 फरवरी को आएंगे नतीजे

एग्जिट पोल में आप हुई साफ! दिल्ली के लोगों पर चला मोदी का मैजिक

नईदिल्ली। दिल्ली में 70 सीटों के लिए हुए मतदान संपन्न हो चुके हैं। हालांकि शाम 6ः00 तक मतदान केंद्रों के भीतर जा चुके वोटर्स को मत डालने की अनुमति दी गई। दिल्ली चुनाव के नतीजे 8 फरवरी को आएंगे। दिल्ली में आज सुबह 7ः00 से मतदान शुरू हुए थे। दिल्ली में शाम पांच बजे तक 57.70 प्रतिशत मतदान हुए थे। आम आदमी पार्टी (आप) अपनी शासन व्यवस्था और कल्याणकारी योजनाओं के दम पर तीसरी बार लगातार जीत की उम्मीद कर रही है, वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस वापसी की उम्मीद कर रही हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, केंद्रीय मंत्री एस. जयशंकर और हरदीप सिंह पुरी, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल शुरुआती मतदाताओं में शामिल थे। 'आप' ने अपने शासन मॉडल पर ध्यान केंद्रित किया और अरविंद केजरीवाल तथा मुख्यमंत्री आतिशी ने पूरे शहर में रैलियां कीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा जैसे दिग्गजों के नेतृत्व में भाजपा ने भ्रष्टाचार के आरोपों और कानून-व्यवस्था के मुद्दों को लेकर 'आप' पर निशाना साधा। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने भी जोरदार प्रचार किया और विभिन्न मुद्दों पर 'आप' और भाजपा दोनों पर हमला बोला। चुनाव प्रचार के दौरान ''शीश महल'' विवाद, यमुना के पानी की गुणवत्ता, शासन, कानून-व्यवस्था, महिला कल्याण और मतदाता सूची से छेड़छाड़ के आरोप जैसे मुद्दों को जोरदार ढंग से उठाया गया। चुनाव पूर्व वादों में मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने का मुद्दा भी हावी रहा। 'आप' ने छात्रों के लिए मुफ्त बस यात्रा, ऑटो और टैक्सी चालकों के लिए बीमा और मंदिर के पुजारियों तथा गुरुद्वारों के ग्रंथियों को 18,000 रुपये की वित्तीय सहायता देने का वादा किया है। दूसरी ओर, भाजपा ने गर्भवती महिलाओं के लिए 21,000 रुपये की वित्तीय सहायता और 500 रुपये में सब्सिडी वाले रसोई गैस सिलेंडर देने का वादा किया है, जबकि कांग्रेस ने 8,500 रुपये का मासिक बेरोजगारी भत्ता देने की प्रतिबद्धता जताई है। आठ फरवरी को आने वाले चुनाव परिणामों से साफ होगा कि क्या 'आप' अपनी सरकार बरकरार रख पाती है, भाजपा अपनी हार का सिलसिला तोड़ पाती है या कांग्रेस कोई चौंकाने वाला नतीजा दे पाती है।

बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि अभी जो एग्जिट पोल मैंने देखे, मुझे ऐसा लग रहा है कि हमारे सटीक पोल (नतीजे) एग्जिट पोल से बेहतर होंगे। हमने लोगों के बीच जो प्रतिक्रिया देखी, उससे पता चलता है कि बीजेपी (दिल्ली में) सत्ता में आ रही है। यह बीजेपी की घर वापसी है। मैं दिल्ली के लोगों को धन्यवाद देता हूं। नई दिल्ली विधानसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार प्रवेश वर्मा ने कहा कि यह तय है कि 8 फरवरी को कमल खिलेगा। हम दिल्ली में सुशासन, स्वच्छ यमुना और रोजगार देंगे। अरविंद केजरीवाल को भरोसा है कि वह हार रहे हैं।

'आपदा' जा रही है और बीजेपी आ रही है: वीरेंद्र सचदेवा

एग्जिट पोल में बीजेपी को बड़ी जीत मिलने के अनुमान लगाया जा रहा है, जिसके बाद पार्टी की प्रतिक्रिया सामने आई है. दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, मैं दिल्ली की जनता को बधाई देना चाहता हूं, दिल्ली की जनता ने आज बीजेपी को इतना प्यार और आशीर्वाद दिया है. दिल्ली में 'आपदा' जा रहा है और बीजेपी आ रही है. अगर कोई फर्जी वोटिंग करेगा तो पकड़ा जाएगा. हम पहले दिन से ही इस बारे में कह रहे हैं और यह अच्छी बात है कि वे पकड़े गए. दिल्ली की जनता भ्रष्टाचार मुक्त सरकार चाहती है और विकास चाहती है.एग्जिट पोल पर ग्रेटर कैलाश विधानसभा से आप उम्मीदवार सौरभ भारद्वाज ने कहा, हमने दिल्ली के 3 चुनाव लड़े हैं और यह चौथा विधानसभा चुनाव है जो हम लड़ रहे हैं. 2013, 2015 के एग्जिट पोल में दिखाया गया था कि हम हारेंगे और 2020 में एग्जिट पोल में दिखाया गया कि हमें कम नंबर मिलेंगे. उसी तरह, 2025 में भी दिखाया जा रहा है कि हमें कम सीटें मिलेंगी. मुझे लगता है कि एग्जिट पोल ने हमेशा दिखाया है कि आप को कम वोट मिलेंगे।

पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थियों ने पहली बार किया मतदान

नईदिल्ली। दिल्ली के मजनू का टीला में एक मतदान केंद्र पर रेशमा ने बुधवार को गर्व की भावना के साथ इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का बटन दबाया और उनके चेहरे पर मुस्कान फैल गई। 50 वर्षीय महिला ने अपने जीवन में पहली बार सिर्फ एक उम्मीदवार चुनने के लिए नहीं, बल्कि अपने परिवार के भविष्य के लिए वोट डाला। रेशमा उन 186 पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थियों में से एक हैं, जिन्होंने वर्षों की अनिश्चितता के बाद, दिल्ली विधानसभा चुनावों में पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जो राज्यविहीनता से नागरिकता तक की उनकी यात्रा में एक शक्तिशाली क्षण था।इन सभी को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के तहत भारतीय नागरिकता मिल गई। पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी समुदाय के अध्यक्ष धर्मवीर सोलंकी ने उम्मीद जताई कि उनका संघर्ष कम होगा। उन्होंने कहा, अब, हमें लगातार अपना स्थान नहीं बदलना पड़ेगा। हमें अंततः स्थायी घर और आजीविका का एक स्थिर साधन मिलेगा। सोलंकी ने कहा कि हमारे समुदाय के लोग इतने उत्साहित थे कि वे शरणार्थियों के पुनर्वास कॉलोनी मजनू का टीला में मतदान केंद्र के बाहर कतार में खड़े थे।

मुख्यमंत्री साय ने बनाई चाय

रायगढ़। रायगढ़ नगर निगम के महापौर पद के भाजपा प्रत्याशी जीवर्धन चौहान की चाय दुकान इन दिनों देशभर में चर्चा का विषय बन गई है. महापौर प्रत्याशी के दुकान में वित्त मंत्री ओपी चौधरी अचानक पहुंचकर चाय बनाए थे और आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी उनके दुकान पहुंचे. जहां उन्होंने चाय बनाई और चाय का आनंद लिया. मुख्यमंत्री ने महापौर प्रत्याशी जीवर्धन चौहान और वित्त मंत्री ओपी चौधरी को भी अपने हाथों से चाय पिलाई.

रायगढ़ के मिनी माता चौक स्थित इस चाय दुकान में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रोड शो के दौरान पहुंचे थे, जहां वे गाड़ी से उतरकर अपने आपको भाजपा प्रत्याशी जीवर्धन महापौर की चाय दुकान में जाने से नहीं रोक पाए और दुकान पर स्वयं चाय बनाने लगे. इसके बाद उन्होंने मंत्री और महापौर प्रत्याशी को चाय पिलाई. साथी ही मुख्यमंत्री ने लोगों को भी चाय वितरण किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि एक साधारण से कार्यकर्ता की मेहनत का उचित सम्मान, यह भाजपा में ही संभव है।

राजधानी में आज से शुरू होगा क्रिकेट का महासंग्राम

आयोजक समिति ने सीएम विष्णुदेव साय से की मुलाकात, विशेष जर्सी भेंट कर दिया आमंत्रण

आगामी लीजेंड-90 क्रिकेट लीग के आयोजन को लेकर आयोजक समिति के सदस्यों ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात की। इस दौरान लीजेंड-90 लीग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तरुणेश सिंह परिहार ने मुख्यमंत्री को छत्तीसगढ़ वॉरियर्स टीम की 21 नंबर की जर्सी भेंट की, जो उनकी जन्मतिथि के अनुसार थी। साथ ही, उन्हें इस अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट लीग में शामिल होने के लिए विशेष आमंत्रण दिया गया।

लीग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तरुणेश सिंह परिहार ने मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री को लीजेंड-90 लीग से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह लीग पहले श्रीलंका सहित कई देशों में आयोजित हो चुकी है और इस वर्ष भारत को इस मेगा इवेंट की मेजबानी का अवसर मिला है।

बता दें कि लीजेंड-90 लीग का आयोजन 6 फरवरी 2025 से 18 फरवरी 2025 तक रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होगा। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में क्रिस गेल, डेविड वॉर्नर, हरभजन सिंह, शिखर धवन, युवराज सिंह, सुरेश रैना, मैथ्यू वेड, मोइन अली, एरोन फिंच, तिसारा परेरा, रॉबिन उथप्पा, दिनेश कार्तिक, शॉन मार्श, मार्टिन गप्टिल, केदार जाधव, बेन डंक, शाकिब अल हसन और डेनियल क्रिश्चियन जैसे दिग्गज खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

गौरतलब है कि इस ब्लॉकबस्टर टूर्नामेंट की शुरुआत छत्तीसगढ़ वॉरियर्स और दिल्ली रॉयल्स के बीच मुकाबले से होगी। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन इस मुकाबले में शामिल होंगे। 7 फरवरी से टूर्नामेंट में हर दिन 2 मैच खेले जाएंगे। 17 फरवरी को क्वालिफायर मैच होंगे, वहीं 18 फरवरी को फाइनल खेला जाएगा। 7 फरवरी को राजस्थान किंग्स और दुबई जायंट्स के बीच पहला मैच होगा, वहीं गुजरात सैंप आर्मी और बिग बॉयज के बीच दूसरा मैच खेला जाएगा। टूर्नामेंट की खास बात यह है कि इसमें 90 बॉल (15 ओवर) की एक पारी होगी। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान आयोजन समिति के अन्य सदस्य बलविंदर सिंह, राहुल भदौरिया (संचालक स्पोर्ट्स मिंट), सदन घोष (संचालक यारों), गौरव बत्रा और राजीव सोनी भी उपस्थित रहे।

प्रमुख समाचार

मुफ्त राशन ले रहे अपात्र लोगों की छंटनी की हो रही तैयारी

नई दिल्ली। सरकार 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' (पीएमजीकेएवाई) के तहत ऐसे लोगों के पहचान की तैयारी कर रही है, जो अपात्र होते हुए योजना का लाभ रहे हैं। खबर है कि ऐसे लोगों की पहचान के लिए अब आयकर विभाग की मदद ली जाएगी। एक कार्यालय आदेश में कहा गया है कि आयकर विभाग पीएमजीकेएवाई के तहत अपात्र लोगों को लाभार्थियों की सूची से हटाने के लिए अपने आंकड़ों को खाद्य मंत्रालय के साथ साझा करेगा। पीएमजीकेएवाई के तहत उन गरीब परिवारों को मुफ्त राशन दिया जाता है जो आयकर का भुगतान नहीं करते हैं। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में पीएमजीकेएवाई के लिए 2.03 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जो चालू वित्त वर्ष के 1.97 लाख करोड़ रुपये के संशोधित अनुमान से अधिक है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) को देश में कोविड-19 महामारी से हुए आर्थिक गतिरोधों के कारण गरीबों और जरूरतमंदों को होने वाली मुश्किलें कम करने के विशिष्ट उद्देश्य से शुरू किया गया था। हालांकि, सरकार ने पीएमजीकेएवाई के तहत मुफ्त खाद्यान्न वितरण की अवधि एक जनवरी, 2024 से पांच साल के लिए बढ़ा दी है।

महाकुंभ जाने की तैयारी में कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार

नई दिल्ली। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेले में जाने की अपनी योजना पर आलोचना का जवाब देते हुए कहा कि किसी को भी उनकी व्यक्तिगत मान्यताओं और भक्ति पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं है। शिवकुमार कर्नाटक में विपक्ष के नेता आर अशोक की टिप्पणियों का जवाब दे रहे थे, जिन्होंने कुंभ मेले में जाने की उनकी योजना पर सवाल उठाया था और इसे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के हालिया बयान से जोड़ने का प्रयास किया था। शिवकुमार ने कहा कि वह, विपक्ष के नेता, सोचते हैं कि मेरे खिलाफ टिप्पणी करके उन्हें अपनी पार्टी में सम्मान मिलेगा। किसी को भी कुछ भी कहने दें- यह हमारे धर्म और कर्म, हमारी प्रथाओं, परंपराओं और मान्यताओं का मामला है। पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि गंगा, कावेरी, कृष्णा, ब्रह्मपुत्र, अर्कावती और वृषभावती जैसी नदियां किसी की नहीं हैं. उन्होंने कहा, पानी का कोई रंग, स्वाद या आकार नहीं होता है और हर किसी को पानी की जरूरत होती है। लोग कुछ भी कहते हैं- मुझे नहीं पता कि उनका मुद्दा क्या है।

कर्नाटक की जातीय जनगणना रिपोर्ट जारी क्यों नहीं : सम्राट

पटना । उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार विधान मंडल में पारित सर्वसम्मत प्रस्ताव के अनुसार जो जातीय सर्वेक्षण हुआ, उस पर सवाल उठा कर राहुल गाँधी बिहार का अपमान कर रहे हैं। चौधरी ने कहा संविधान की फर्जी कॉपी लेकर घूमने से संविधान की रक्षा नहीं होती। वे बतायें कि कांग्रेस ने अपने 60 साल के राज में जातीय जनगणना क्यों नहीं करायी? उन्होंने कहा कि राहुल गाँधी को बिहार के जातीय सर्वेक्षण पर टिप्पणी करने से पहले बताना चाहिए कि कर्नाटक सरकार ने 2016 में 160 करोड़ रुपये खर्च कर जो जातीय जनगणना करायी, वह 8 साल बाद भी जारी क्यों नहीं हुई? कांग्रेस हिमाचल प्रदेश में कब जातीय जनगणना करायेगी? तेलंगाना में जो जातीय सर्वेक्षण हुआ, उसे कांग्रेस लागू क्यों नहीं कर पायी? संविधान की दुहाई देने वाले राहुल गांधी खुद संविधान के लिए खतरा बन गए हैं। उन्हें बिहार की जातीय जनगणना ही नहीं, देश के चुनाव आयोग, ईवीएम, संसद और विधान सभाओं के फैसले तक फर्जी लगते हैं। उन्होंने कहा राहुल गांधी, सोनिया गांधी और उनकी पार्टी ने सत्ता में रहते हुए ही नहीं, विपक्ष में आने पर भी संवैधानिक संस्थाओं का अपमान जारी रखा।

भारत से बातचीत के लिए गिड़गिड़ाए शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने एक बार फिर कश्मीर राग अलापा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को कहा कि पाकिस्तान भारत के साथ कश्मीर सहित सभी मुद्दों को बातचीत के जरिए हल करना चाहता है। उन्होंने कहा कि उनका देश कश्मीरी लोगों को अपना अटूट समर्थन देता रहेगा। शरीफ ने कश्मीर एकजुटता दिवस के मौके पर मुजफ्फराबाद में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की विधानसभा में एक सत्र को संबोधित यह टिप्पणी की। शरीफ ने कहा कि हम कश्मीर सहित सभी मुद्दों को बातचीत के जरिए हल करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, %भारत को पांच अगस्त 2019 की मानसिकता से बाहर आना चाहिए और संयुक्त राष्ट्र से किए गए वादों को पूरा करना चाहिए और संवाद शुरू करना चाहिए।% उनका इशारा जम्मू-कश्मीर को विशेष स्थिति को समाप्त करने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशो में बांटने के लिए संविधान के अनुच्छेद 370 को हटाने की ओर था। शरीफ ने कहा, पाकिस्तान और भारत के लिए आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता संवाद है, जैसा कि 1999 में लाहौर घोषणा में जिक्र किया गया था। यह सहमति

पाक के लिए जासूसी कर रहा था सेना का जवान

अमृतसर (पंजाब)। भारतीय सेना का जवान देश के साथ गद्दारी कर रहा था। जवान ने चंद पैसों के लालच में आकर ऐसी खुफिया जानकारी आईएसआई को भेज दी जिससे देश के लिए खतरा पैदा हो सकता है। हालांकि इस मामले में सैन्य कर्मी अकेला शामिल नहीं है उसके साथ तीन और लोग हैं, जिनमें एक और सेना का ही जवान है और दो प्राइवेट पर्सन हैं। अमृतसर पुलिस ने पाकिस्तान की एजेंसी आईएसआई के लिए गुप्तचर बनकर काम कर रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों में एक भारतीय सेना का जवान शामिल है। पकड़े गए आरोपियों में अमृतपाल सिंह उर्फ अमृत निवासी चौहला साहिब, राजबीर सिंह निवासी पट्टी, मंदीप सिंह निवासी पट्टी और माधव शर्मा निवासी राजस्थान है। इनमें से आरोपी राजबीर सिंह और अमृतपाल सिंह भारतीय सेना के जवान हैं। आरोपी अमृतपाल को तो गिरफ्तार कर लिया है।

11 एग्जिट पोल्स के नतीजे आए, इनमें 9 में भाजपा को बहुमत के आसार

नई दिल्ली । दिल्ली में बुधवार को मतदान के साथ ही चुनाव संपन्न हो गए। यहां विधानसभा की 70 सीटों पर कराए गए एक चरण में 5 बजे तक 57.7 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। विधानसभा चुनावों के खत्म होने के बाद अलग-अलग सर्वे एजेंसियां कुछ ही देर में दिल्ली के लिए एग्जिट पोल के आंकड़े जारी कर दिए हैं।

दिल्ली के विधानसभा चुनाव में कई पोलिंग एजेंसियों ने एग्जिट पोल्स जारी कर दिए हैं। इनमें से अब तक जिन सात एग्जिट पोल्स का एलान हुआ है, उन सभी में भाजपा को बहुमत मिलता दिख रहा है। मैट्रिज के एग्जिट पोल के मुताबिक, आप को 32-37 सीटें मिल सकती हैं। वहीं भाजपा को 35-40 सीट मिल सकती हैं। उधर कांग्रेस को 0-1 सीट मिलने की संभावना जताई गई है। जेवीसी के एग्जिट पोल के मुताबिक, आप को 22 से 31 सीटें मिलती दिखाई गई हैं। भाजपा को 39-45 सीटें और कांग्रेस को 0-2 सीटें मिल सकती हैं। यानी भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल कर सकती है।

चाणक्य के एग्जिट पोल के मुताबिक, भाजपा को 39 से 44 सीटें मिल सकती हैं। यानी भाजपा खुद बहुमत हासिल कर सकती है। वहीं आप को 25-28 सीटें मिलने की संभावना है। कांग्रेस को 2-3 सीटें मिलने की संभावना है।पी-मार्क पोलिंग एजेंसी के आंकड़ों की मानें तो भाजपा आसानी से बहुमत के आंकड़े को पार कर सकती है। पार्टी यहां 39-49 सीटें पा सकती है। दूसरी तरफ आप को 21 से 31 सीटें मिलती दिख रही हैं। कांग्रेस को इसमें 0-1 सीट मिल सकती है।

वी-प्रीसाइड पहला एग्जिट पोल है, जिसमें आम आदमी पार्टी की सरकार बचती दिख रही है। वी प्रीसाइड ने आप को 46-52 सीटें दी हैं। वहीं, भाजपा को 18-23 सीट जीतते दिखाया है। इस एग्जिट पोल में भी कांग्रेस को 0-1 सीट मिलने की संभावना जताई गई।

सीटें 70 — दिल्ली का एग्जिट पोल-2

एजेंसी	भाजपा+	आप
मैट्रिज	35-40	32-37
जेवीसी	39-45	22-31
चाणक्य स्ट्रैटेजीज़	39-44	25-28
पीपल्स पल्स	51-60	10-19
पीपल्स इनसाइट	40-44	25-29
पोल डायरी	42-50	18-25
पी-मार्क	39-49	21-31
वी-प्रीसाइड	18-23	46-52
माइंड ब्रिंक	21-25	44-49
डीवी-रिसर्च	36-44	26-34

इसके अलावा माइंड ब्रिक ने आप को 44-49 सीट के अनुमान के साथ सरकार बचाते दिखाया है। भाजपा को 21-25 सीट और कांग्रेस को 0-1 सीट का अनुमान लगाया गया है। डीवी रिसर्च ने भाजपा के 36-44 सीट जीतकर सरकार में आने की संभावना जताई है। इस एग्जिट पोल में आप को 26-34 सीटें मिलती दिखाई गई हैं। वहीं कांग्रेस का खाता नहीं खुलने का अनुमान है।

एसएस के एग्जिट पोल में भाजपा 38-41 सीटों का अनुमान लगाया गया है। इसमें आप को 27-30 सीटें और कांग्रेस को 1-3 सीटें मिलती दिखाई गई हैं।

दिल्ली के लिए समीकरण

दिल्ली में विधानसभा की 70 सीटें हैं। इनके लिए 699 उम्मीदवार मैदान में हैं। यहां 5 फरवरी 2025 को सभी सीटों पर एक ही चरण में मतदान कराया गया। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

वहीं, कांग्रेस के संदीप दीक्षित और भाजपा के प्रवेश वर्मा भी इसी सीट से उम्मीदवार हैं। दूसरी तरफ मौजूदा मुख्यमंत्री आतिशी मर्लेना पिछली बार की तरह ही इस बार भी कालकाजी सीट से चुनाव लड़ रही हैं। इसी सीट पर भाजपा से उन्हें रमेश बिधूड़ी टक्कर दे रहे हैं।

क्या रहे थे असल नतीजे?

2015 के विधानसभा चुनावों में छह सर्वे एजेंसियों के एग्जिट पोल में आम आदमी पार्टी को सीधा बहुमत मिलता दिखाया गया। हालांकि, किसी भी एग्जिट पोल में आप की प्रचंड जीत की संभावना नहीं दर्शाई गई थी। केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी को तब पोल ऑफ पोल्स में 45 सीटें मिलती दिख रही थीं। वहीं भाजपा को 24 और कांग्रेस को सिर्फ एक सीट का अनुमान लगाया गया था।

आप को तब सबसे ज्यादा 53 सीटें मिलने का अनुमान एक्सिस माय इंडिया के एग्जिट पोल में लगाया गया था। वहीं, सबसे कम 35 सीटें मिलने का अनुमान इंडिया टीवी-सी वोटर के सर्वे में लगा था। हालांकि, नतीजों ने चुनावी विश्लेषकों को चौंका दिया। आप ने इस चुनाव में 67 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया। वहीं भाजपा महज तीन सीटों पर सिमट गई। एग्जिट पोल के नतीजे कांग्रेस के लिए काफी हद तक सही साबित हुए, जिसे एक भी सीट नसीब नहीं हुई।

2020 में असल नतीजे क्या रहे?

दिल्ली में 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को 62 सीटें मिलीं, जबकि भाजपा को आठ और कांग्रेस एक बार फिर कोई सीट हासिल नहीं कर पाई। यानी नतीजों में एग्जिट पोल्स की छाप एक बार फिर देखने को मिली। आठ सर्वे एजेंसियों ने एग्जिट पोल्स जारी किए। सभी एग्जिट पोल्स में आम आदमी पार्टी को बहुमत दिखाया गया और वही हुआ। दिल्ली के एग्जिट पोल्स के हिसाब से असल नतीजों के सबसे करीब एक्सिस माई इंडिया रहा, जिसने पार्टी को 59-68 सीटों का अनुमान लगाया। वहीं, सबसे कम 44 सीटें इप्सोस के पोल में दी गईं। दूसरी तरफ भाजपा को इस एग्जिट पोल में औसतन 15 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया। हालांकि, पार्टी को 8 सीटें ही हासिल हुईं। वहीं कांग्रेस को अधिकतर सर्वे एजेंसियों ने 0 या 1 सीट ही दी।

अनुभवी और दिग्गज नेता मधुसूदन यादव को महापौर बनाने जनता उत्साहित : साव

राजनांदगांव। उप मुख्यमंत्री अरुण साव राजनांदगांव के बजरंगपुर नवागांव में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में महापौर प्रत्याशी मधुसूदन यादव के साथ शामिल हुए। इस दौरान समर्पित कार्यकर्ता साथियों से नगर निगम राजनांदगांव में कमल खिलाने के लिए आह्वान किया। वहीं नंदई चौक में चुनावी सभा को संबोधित किया। साव ने कहा कि विष्णु देव साय सरकार ने एक साल में विकास के अनेक कार्य किए हैं। इस कारण चुनाव में भाजपा को लेकर लोगों में उत्साह और कार्यकर्ताओं में ऊर्जा है। यहां भाजपा के प्रति एकतरफा माहौल है।

श्री साव ने कहा कि, साय सरकार ने मोदी की एक एक गारंटी पूरी की है। आज माता-बहनों को महतारी वंदन की 12वीं किस्त जारी की है। जबकि पिछले पांच साल में भूपेश बघेल की सरकार ने जनता के साथ वादाखिलाफी किया है। पांच साल राजनांदगांव शहर की दुर्दशा की है। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस सरकार ने जनता का अधिकार छीनने का काम किया। वहीं साय सरकार ने महापौर चुनने का अधिकार वापस दिया। इसलिए शहर को संवारने के लिए महापौर प्रत्याशी मधुसूदन यादव और पार्षद प्रत्याशियों को प्रचंड मतों से जिताना है। एक साल में राजनांदगांव के विकास के लिए हमारी सरकार ने

186 करोड़ रुपए दिए हैं। कांग्रेस ने इससे आधा भी नहीं दिया है। श्री साव ने कहा कि, अटल विश्वास पत्र में गरीबों को नजूल जमीन के स्वामित्व का अधिकार और प्रधानमंत्री आवास देने का वादा किया है।

कार्यकर्ता सम्मेलन को पूर्व सांसद अभिषेक सिंह ने संबोधित कर कहा कि, शहर के विकास के संकल्प लेकर को लेकर जाना है, अनुभवी नेता को चुनना है। महापौर प्रत्याशी मधुसूदन यादव ने कहा कि, भाजपा सरकार में विकास की चिंता नहीं करनी है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, सुमित भाटिया, खेमलाल साहू, सावन वर्मा, कमलेश बंधे, सौरभ कोठारी, हंसराम ठेके, ऋषि, खूबचंद पारख, राजेंद्र गोलछा, सौरभ, प्रशांत गुप्ता, देवतुल्य कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिकगण उपस्थित रहे।

क्या गरीबों को चुनाव लड़ने का अधिकार नहीं : विक्रम मंडावी

बीजापुर। कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी ने बीजापुर में प्रेस क्लब भवन में प्रेस वार्ता कर पूर्व मंत्री महेश गागड़ा के बयान पर प्रतिक्रिया दी। विधायक विक्रम मंडावी ने पूर्व मंत्री महेश गागड़ा से पूछते हुए कहा कि चुनावों में विक्रम मंडावी लोगों को कैसे भयादोहन कर रहे हैं। इसके बारे में भाजपा नेता प्रमाणिक तथ्यों के साथ जनता को बताएं। विधायक ने प्रेस वार्ता में आगे कहा कि भाजपा नेता महेश गागड़ा और भाजपा के जिला अध्यक्ष के पास ऐसा कोई प्रमाण नहीं है ये लोग सिर्फ चुनावों में हार के डर से बचने के लिए घटिया राजनीति कर रहे हैं।

कांग्रेस विधायक ने प्रेस वार्ता में कहा कि पूर्व मंत्री महेश गागड़ा के द्वारा यह कहना कि वर्तमान में जो पंचायत चुनाव हो रहे हैं, उसमें गंगालूर क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य के अभ्यर्थी सोमलू हेमला को भी नक्सली से जोड़कर नक्सली पर्चा दिखाते हुए सोमलू हेमला को नक्सल समर्थक कहा जा रहा है। जो कि चुनावों को प्रभावित करने के लिए सरासर झूठ, भ्रम और अफवाह फैलाने का काम महेश गागड़ा और भाजपा जिला अध्यक्ष घासीराम नाग कर रहे हैं।

विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि हम लोग डॉक्टर बाबा साहब भीम राव अंबेडकर के संविधान को मानने वाले लोग हैं। देश के संविधान और लोकतंत्र पर हम विश्वास करते हैं। लेकिन एक ग़रीब व्यक्ति जिसके घर को साजिस करके तोड़ा गया वो व्यक्ति लोकतंत्र के महान पर्व में चुनाव लड़ रहा है। उन्होंने प्रेस वार्ता में कहा कि जब घर तोड़ा गया था, तब यही भाजपा के जिला अध्यक्ष घासीराम

नाग सहित तमाम भाजपा के नेता और कार्यकर्ताओं ने गंगालूर पहुंचकर सोमलू हेमला को न्याय दिलवाने की मांग करते हुए गंगालूर में धरना प्रदर्शन कर चक्का जाम किया गया और फिर वही सोमलू हेमला न्याय की मांग करते हुए चुनाव लड़ने का फ़ैसला करता है तो अब सोमलू हेमला भाजपा नेता महेश गागड़ा, जिला अध्यक्ष घासीराम और तमाम भाजपा नेताओं की नज़रों में नक्सली समर्थक हो जाता है।

विधायक ने भाजपा नेताओं से सवाल पूछते हुए कहा कि लोकतंत्र में विश्वास रखते हुए क्या एक ग़रीब, पीड़ित व्यक्ति चुनाव नहीं लड़ सकता? क्या ग़रीबों को चुनाव लड़ने का अधिकार नहीं है? विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि भाजपा कभी ग़रीब, शोषित, वंचित व्यक्तियों के साथ खड़ी नहीं रही ये सच्चाई आज लोगों के बीच दिख गया। विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता में कहा कि पूर्व मंत्री महेश गागड़ा के द्वारा यह कहना कि कांग्रेस में अपराधी व्यक्ति चुनाव लड़ रहे है ? इस पर विधायक विक्रम मंडावी ने कहा महेश गागड़ा और भाजपा नेताओं को बताना चाहिए कि वे कौन कौन व्यक्ति है जो कांग्रेस से चुनाव लड़ रहे है उनका नाम वे सार्वजनिक करें। लोकतंत्र में सबको चुनाव लड़ने का अधिकार है यदि उसे माननीय न्यायालय ने दोष मुक्त कर दिया हो।

विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता में महेश गागड़ा को नसीहत देते हुए कहा कि वे पहले अपने पार्टी को देखे और फिर अपने आप को देखें। महेश गागड़ा खुद 302 के प्रकरण में जेल गए। प्रेस वार्ता में विधायक ने कहा बीजापुर के एक हिस्ट्रीशीटर, जिलाबदर जिसे लोग ब्लैक मैलर भी कहते हैं उनके साथ महेश गागड़ा का क्या संबंध है जो कि पूर्व मंत्री महेश गागड़ा के साथ सार्वजनिक तौर पर हर जगह उनके साथ घूमते रहता है। आगे कहा कि भाजपा और भाजपा के नेता महेश गागड़ा और उनके नेता सिर्फ और सिर्फ चुनावी हार और लोगों को बदनाम करने की नियत से किया गया काम है और कुछ नहीं। प्रेस वार्ता के दौरान जेसीसी (जे) के संभागीय उपाध्यक्ष विजय झड़ी, सीपीआई के जिला सचिव कमलेश झाड़ी, जिला पंचायत गंगालूर के अभ्यर्थी सोमलू हेमला और मंगू हेमला मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री ने नगर पंचायत भिंभौरी, कुसमी और बेरला में की चुनावी जनसभा

बेमेतरा। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने बेमेतरा जिले के तीन नगर पंचायत भिंभौरी, कुसमी और बेरला में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। यहां उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने जन आशीर्वाद मांगा। श्री साव ने कहा कि, भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में जनता और कार्यकर्ताओं में उत्साह दिख रहा है। तीनों नगर पंचायतों में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ जीत दर्ज करेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने भिंभौरी में लोगों को संबोधित कर जनता से अध्यक्ष पद प्रत्याशी श्री संदीप परगनिहा जी एवं 15 पार्षद प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। वहीं नगर पंचायत कुसमी में भाजपा प्रत्याशी संतोष कुमार साव के समर्थन में आमसभा कर लोगों से विकास कार्यों के लिए पार्टी को मौका देने का आग्रह किया। भाजपा ने कुसमी को नगर पंचायत बनाया है, और भाजपा ही संवारने का काम करेगी।

नगर पंचायत बेरला के आमसभा में श्री साव ने विकसित बेरला बनाने के लिए भाजपा उम्मीदवार श्री विशाल राज देशलहरा जी और 15 वार्डों में पार्षद प्रत्याशियों को विजय श्री दिलाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि, विशाल

जी एक सामान्य कार्यकर्ता है, भाजपा ने आपकी सेवा के लिए उम्मीदवार बनाया है। वे घासीदास बाबा के संदेश मनखे मनखे एक समान को लेकर सबके लिए काम करेंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने तीनों आमसभा में कहा कि, भाजपा की डबल इंजन सरकार ने एक साल में मोदी जी की एक एक गारंटी को पूरा किया है। किसानों को दो साल का बकाया बोनस दिया, 3100 में धान खरीदी की, 18 लाख पीएम आवास, 5500 रुपए में तेंदूपत्ता खरीदी, महतारी वंदन के यह 12 किस्त जारी हो चुकी है। कृषक उन्नति योजना के 800 रुपए प्रति क्विंटल की राशि जल्द जारी करेंगे। श्री साव ने कहा कि, अब नगरीय निकायों में ट्रिपल इंजन लाने की बारी आई है। विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प के लिए नगरीय निकायों का विकास होना आवश्यक है, इसलिए सभी निकायों में भाजपा की जीत जरूरी है। जनता के उत्साह से इस बार भी भाजपा की जीत तय है।

आमसभा में विधायक दीपेश साहू, योगेश तिवारी, अजय साहू, यशवंत वर्मा, राजेंद्र शर्मा, होरीलाल सिन्हा, ओम प्रकाश यदु, महेश साहू, सूर्य कुमार साहू, डोमेंद्र सिंह राजपूत, नथमल कोठारी,रोहित माहेश्वरी, तीनों नगर पंचायत के पार्षद प्रत्याशी, देवतुल्य कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बागबाहरा, सरायपाली व नपं तुमगांव में पार्टी से बगावत कर चुनाव लड़ रहे बागी 6 साल के लिए निष्कासित

महासमुंद। भारतीय जनता पार्टी ने महासमुंद नगर पालिका सहित जिले के बागबाहरा, सरायपाली व नपं तुमगांव में पार्टी से बगावत कर अध्यक्ष व पार्षद चुनाव लड़ रहे 2 अध्यक्ष सहित 27 बागियों को 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। उक्त निलंबन आदेश कल भाजपा प्रदेश महामंत्री जगदीश रामू रोहरा ने जारी किया है।

महासमुंद में भाजपा के बागी अध्यक्ष प्रत्याशी प्रकाश चंद्राकर, तुमगांव नपं अध्यक्ष प्रत्याशी बलरामकांत साहू सहित पार्टी से बगावत कर पार्षद चुनाव लड़ रहे 27 बागियों का निष्कासन आदेश जारी किया है। इनमें महासमुंद के पार्षद प्रत्याशी लीलिमा साहू, राहुल चंद्राकर, नूतन कुर्रे, नोहर साहू, शांता गोपाल चंद्राकर, विक्की महानंद, ईश्वरी संजय भोई, धनेंद्र चंद्राकर, नीरज चंद्राकर, प्रीति सोनी, बड़े मुन्ना देवार, विक्रम सिंह ठाकुर, विपिन शर्मा, कौशलेंद्र वैष्णव, घनाराम साहू, रामेश्वरी गोपी कन्नौजे, बागबाहरा नपा के पार्षद प्रत्याशी आशीष देवांगन, कुंवर सिंह मोंगरे, सरायपाली के बिहारी चौहान, खीरचंद बारी, नेतेश प्रधान, बंशी गोपाल चंद्रा, केकती चंदू जायसवाल, आशीष गोस्वामी, रश्मि साहू, राजकुमारी सिदार, राखी चौहान शामिल हैं।

विस्फोटक के साथ 1 लाख के दो इनामी नक्सली गिरफ्तार

सुकमा। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत जवान जब सर्च ऑपरेशन के दौरान केरलापाल थाना से सुरक्षाबलों का संयुक्त बल सिरसेट्टी और गडगड़पारा इलाके की ओर सर्चिंग अभियान पर रवान हुए थे। अभियान के दौरान 2 संदिग्धों मुचाकी देवा और मुचाकी जोगा को सुरक्षाबलों ने घेराबंदी कर पकड़ लिया, इनकी तलाशी में उनके कब्जे से एक टिफिन बम दो डेटोनेटर और कॉर्डेक्स वायर बरामद किया गया।

पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार दोनों नक्सलियों ने यह स्वीकार किया कि वे नक्सली संगठन से जुड़े हुए हैं, गश्त पर निकली पुलिस पार्टी को निशाना बनाने के लिए बम लगाने की उनकी योजना थी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तार 1 लाख रुपये का इनामी नक्सली मुचाकी जोगा प्रतिबंधित नक्सली संगठन गोगुंडा पंचायत के तहत चेतना नाट्य मंडली (सीएनएम) का कमांडर के रूप में सक्रिय रहा, जबकि मुचाकी देवा मिलिशिया सदस्य के रूप में सक्रिय रहा। इनके कब्जे से 3 किलोग्राम वजनी एक टिफिन इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), दो डेटोनेटर और कॉर्डेक्स वायर (बमों में इस्तेमाल होने वाला) जब्त किया गया। गिरफ्तार दोनों नक्सलियों के विरूद्ध केरलापाल थाना में कार्यवाही उपरांत आज बुधवार को न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल कर दिया गया है।

नक्सलियों ने धारदार हथियार से एक ग्रामीण की गला रेतकर हत्या कर दी

दंतेवाड़ा। अरनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ककाड़ी निवासी एक ग्रामीण हडमा हेमला की मंगलवार रात नक्सलियों ने धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर शव को गांव के पास फेंक दिया। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने शव देखकर घटना की सूचना अरनपुर पुलिस दी, पुलिस मौके पर पंहुचकर पंचनामा कार्यवाही के उपरांत शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दंतेवाड़ा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राज कुमार वर्मन ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि नक्सलियों ने दंतेवाड़ा जिले के अरनपुर क्षेत्र के ग्राम ककाड़ी में एक ग्रामीण हडमा हेमला की हत्या कर दी है। उल्लेखनिय है कि एक दिन पहले मंगलवार को बीजापुर जिले के बासागुड़ा थाना क्षेत्र में नक्सलियों ने दो ग्रामीणों को मौत के घाट उतार दिया था। मृतकों की पहचान राजू कारम और मुन्ना माडवी के रूप में हुई। नक्सलियों ने दोनों पर मुखबिरी करने का आरोप लगाया था। पुलिस के अनुसार सुरक्षाबलों के द्वारा लगातार नक्सलियों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई से कमजोर पड़ चुके अपने संगठन का मनोबल बनाये रखने तथा अपनी मौजूदगी का अहसास करवाते हुए अपने दहशत के साम्राज्य के वजूद को बनाये रखने के लिए निर्दोष ग्रामीणों की हत्या के वारदात को अंजाम देने में लगे हुए हैं।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

आबकारी विभाग ने 20.50 लाख रुपए की शराब जब्त की

कबीरधाम। कबीरधाम जिला आबकारी विभाग ने आबकारी एक्ट के मामले में मंगलवार देर रात को एक बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने 20.50 लाख रुपये की 493 पेटी शराब को जब्त किया है। इसे छत्तीसगढ़ में होने वाले आगामी चुनाव में खपाए जाने का शक है। इस कार्रवाई के संबंध में आबकारी वृत्त प्रभारी बोड़ला अभिनव कुमार रायजादा ने बताया कि आबकारी जांच चौकी चिल्फी के पास मुखबिर से प्राप्त मौखिक सूचना पर वाहनों की जांच की जा रही थी, तभी एमपी की ओर से ट्रक क्रमांक एमपी-09- जीएच- 5531 की जांच की गई। इस ट्रक में 20.50 लाख रुपये की 493 पेटी शराब जब्त की गई। इस मामले में ट्रक चालक राजेश जामरे पिता मोमलाल जामरे निवासी इंदौर (एमपी) के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम वर्ष 1915 यथा संशोधित की धारा 34 (1) क, 34 (2), 36, 59 (क) के तहत प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया है। वहीं, स्थानीय चुनाव व आगामी होली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए आबकारी विभाग जिला कबीरधाम की कार्रवाई जारी रहेगी

परिवार के साथ प्रयागराज गए ट्रांसपोर्टर के घर में चोरी

रायगढ़। खरसिया क्षेत्र के वार्ड नं-9 कमलाकर गली निवासी रमन झा ने खरसिया चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस को दी तहरीर में उन्होंने बताया कि वह ट्रांसपोर्टिंग का काम करता है। पीड़ित ने बताया कि 31 जनवरी की रात साढ़े 11 बजे समस्त परिवार प्रयागराज गए हुए थे, जहां से कल सुबह अपने घर पहुंचने पर उसने देखा कि उपर वाले कमरे का ताला टूटा हुआ था। अनहोनी घटना की आशंका को देखते हुए जब अंदर जाकर देखा तो आलमारी का लॉक भी टूटा हुआ था। चोरों के द्वारा सूने मकान को निशाना बनाते हुए आलमारी में रखे सोने का दो मंगलसूत्र कीमत 40 हजार, सोने का कान का लटकन कीमत 30 हजार, दो सोने की अंगूठी कीमत 13 हजार, एक सोने का ब्रेसलेट कीमत 2 हजार, सोने का चूड़ी एक जोड़ी कीमत करीब 10 हजार। कुल 95 हजार के सोने के जेवरातों की चोरी की घटना को अज्ञात चोरों ने अंजाम दिया गया है। पीड़ित ने बताया कि आसपास पतासाजी करने पर पड़ोसियों ने बताया कि तीन फरवरी की शाम 6-7 बजे उनके घर का दरवाजा बंद था।

रायगढ़ में बर्ड फ्लू नियंत्रण निर्देशों का उल्लंघन

रायगढ़। रायगढ़ शहर में बर्ड फ्लू नियंत्रण के तहत जारी प्रतिबंधात्मक आदेशों का उल्लंघन करने पर नगर निगम कि ओर से आमंत्रण होटल, जानकी होटल, पंजाब होटल सहित कुल 8 होटलों पर 65 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। नगर निगम आयुक्त बृजेश सिंह क्षत्रिय ने बताया कि जांच दल ने औचक निरीक्षण किया है। इस दौरान इन होटलों में पोल्ट्री पदार्थ पकाते हुए पाया गया, जिसे तुरंत बंद कराया गया। साथ ही सभी होटल प्रबंधनों को बर्ड फ्लू से संबंधित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने की सख्त हिदायत दी गई। इसके अलावा चक्रधर नगर पोल्ट्री फार्म में कार्यरत सभी अधिकारी-कर्मचारियों के संक्रमण वायरल टेस्ट किए गए, जिनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है। स्वास्थ्य विभाग ने इंफेक्टेड जोन में डोर टू डोर संपर्क अभियान चलाकर लोगों को सर्दी-बुखार जैसी कोई भी समस्या होने पर तुरंत उपचार लेने की सलाह दी है। नगर निगम की टीम ने पोल्ट्री बाजारों की लगातार जांच कर रही है, ताकि कोई भी होटल या विक्रेता प्रतिबंधों का उल्लंघन न करें।

पानी मांगने पहुंचा किसान तो नशेड़ी ग्रामीण ने कर दी पिटाई

रायगढ़। रायगढ़ जिले में एक किसान को शराब के नशे में धुत ग्रामीण से एक बाल्टी पानी मांगना महंगा पड़ गया। शराबी ग्रामीण ने गाली-गलौज कर उसकी बेतहाशा पिटाई कर दी। पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस ने अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में ले लिया है। जानकारी के मुताबिक, धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बीजापतरा निवासी रमेश्वर राठिया ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपने खेत में मूंगफली लगाई हैं, जिसके कारण पत्नी और बच्चों के साथ वह खेत में काम करता है। कल भी रोजाना की भांति वह अपने परिवार के साथ खेत में था। इसी दौरान शाम को जाते समय बच्चे को शौच लगने पर उसे शौच कराने टिकरा में बैठा दिया था और मौके पर पानी नहीं था, इसलिए वह पास ही स्थित शिवरतन के घर पानी लेने पहुंचा। पीड़ित ने बताया कि जब वह शिवरतन के घर पहुंचा था, उस समय शिवरतन शराब के नशे में धुत था। इस दौरान उससे एक बाल्टी पानी मांगने पर अश्लील गाली-गलौज करते हुए लात-घुसों से जोरदार पिटाई कर दी।

रायगढ़ में हार्ट अटैक आने से दो साल के भालू की मौत

रायगढ़। रायगढ़ वन मंडल के जंगलों में विचरण करने वाले एक भालू का खेत में संदिग्ध अवस्था में शव मिलने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक रायगढ़ वन मंडल के अंतर्गत आने वाले ग्राम देवगांव में कल दोपहर एक खेत में भालू का शव मिलने से आसपास क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। इस मामले की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, मृत भालू की उम्र करीब दो साल के आसपास है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हार्ट अटैक आने से नर भालू की मौत होने की बात कही जा रही है।बहरहाल रायगढ़ जिले के जंगलों में विचरण करने वाले हाथियों की एक के बाद एक मौत के बाद अब एक नर भालू की मौत हो जाने से वन विभाग में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

धमतरी में बागियों को कांग्रेस-भाजपा ने किया निष्कासित

धमतरी। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर भाजपा कांग्रेस जीत के लिए एड़ी चोटी एक कर प्रचार में जुटे हैं। वहीं टिकट नहीं मिलने से नाराज कार्यकर्ताओं को लेकर भी दोनों ही दल सख्त रवैया अपना रहे हैं। 4 फरवरी की देर शाम भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने नगर निगम धमतरी के विभिन्न वार्डों के पार्टी के दिशा निर्देश को दरकिनार कर भाजपा के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने वालों के साथ ही मगरलोड और आमदी नगर पंचायत के बागियों को 6 वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया है।

बीजेपी प्रदेश महामंत्री का आदेश जारी- भारतीय जनता पार्टी प्रदेश महामंत्री रामू रोहरा ने आदेश जारी करते हुए कहा कि नगरीय निकाय चुनाव 2025 के दौरान पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के विरूद्ध चुनाव लड़ने के आरोप और अनुशासन भंग करने

के मामले में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव ने कार्यकर्ताओं को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से 6 वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया है।

धमतरी नगर निगम, बीजेपी का एक्शन- वार्ड क्रमांक 6 बठेना वार्ड से गौतम ध्रुव, वार्ड क्रमांक 7 औद्योगिक वार्ड से रामेश्वर वर्मा, वार्ड क्रमांक 9 मकेश्वर वार्ड से रीना सोनवानी, वार्ड क्रमांक 11 आमापारा से सुरेश गुप्ता, वार्ड क्रमांक 13 साल्हेवार पारा से धर्मिन जोगी, वार्ड क्रमांक 22 रामपुर वार्ड से प्रकाश सिन्हा, वार्ड क्रमांक 24 सदर दक्षिण से बसंती बाई साहू, वार्ड क्रमांक 25 बांसपारा से सुनीता यादव, वार्ड क्रमांक 28 बनियापारा से राजकुमार फुटान, वार्ड क्रमांक 40 सुभाष नगर से पूर्णिमा देवांगन।

नगर पंचायत आमदी में बीजेपी का एक्शन- वार्ड क्रमांक 3 से प्रेम साहू, लाल जी साहू।

नगर पंचायत मगरलोड में बीजेपी का एक्शन- वार्ड क्रमांक 2 से बेदम चौहान, वार्ड क्रमांक 3 से यशवंत कोसले, वार्ड क्रमांक 4 से राजू राव, वार्ड क्रमांक 6 से अशोक साहू, वार्ड क्रमांक 12 से योगेश्वर पटेल, वार्ड क्रमांक 13 से वैष्णो शरण साहू।

वहीं कांग्रेस ने भी अपने कार्यकर्ताओं पर निष्कासन की कार्यवाही की है।कांग्रेस से बगावत कर निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले 6 वर्षों के लिए कांग्रेस पार्टी के प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया गया है। नगरीय निकाय चुनाव में पार्टी निर्णय के विरुद्ध जाकर नगर निगम एवं नगर पंचायत चुनाव में विभिन्न वार्डों से निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले कांग्रेसी नेताओं को जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शरद लोहाना ने इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से 6 वर्षों के लिए निष्कासित किया है।

कांग्रेस ने सुंदरगंज वार्ड से जावेद खत्री, नवागांव वार्ड से साहिल अहमद, साल्हेवार पारा वार्ड से मंजूलता गायकवाड, कोष्टापारा वार्ड से पवन यादव, मराठापारा वार्ड से दुष्यंत घोरपडे, पोस्ट ऑफिस वार्ड से संजीदा बेगम, जोधापुर वार्ड से रामेश्वरी बसंत सिन्हा, रिसाईपारा पश्चिमी वार्ड से पवन लिखी, टिकरापारा वार्ड से मदन नेवारे और नगर पंचायत कुरुद से योगेश चंद्राकर को निष्कासित किया है।

भाजपा जिला प्रभारी मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया बड़ा दावा, कहा- सौ फीसदी जीत तय

गौरेला पेंड्रा मरवाही। नगरीय निकाय चुनाव में प्रभारी मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल भाजपा की जीत का दावा किया है। मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि पूरे प्रदेश में भाजपा का माहौल है। इस बार नगर निगम, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों में बीजेपी की जीत सुनिश्चित है।

प्रभारी मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि भाजपा सरकार के बीते एक वर्ष के सुशासन और सभी वर्गों के विकास के कारण जनता का झुकाव भारतीय जनता पार्टी की ओर बढ़ा है। उन्होंने दावा किया कि हम 100त्न निकाय चुनाव जीत रहे हैं। वहीं, कांग्रेस द्वारा जारी घोषणा पत्र पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा, कांग्रेस को तो घोषणा पत्र लाना ही नहीं चाहिए, क्योंकि उनकी सरकार न राज्य में है, न केंद्र में। ऐसे में बिना संसाधनों के वे वादे को पूरा कैसे करेंगे? यह जनता के साथ छलावा है।

कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया

देते हुए जायसवाल ने कहा कि, कांग्रेस को तो बस बहाना चाहिए। वे अभी से अपनी हार का ठीकरा फोड़ने के लिए जमीन तैयार कर रहे हैं। निकाय चुनावों में उनकी हार निश्चित है, इसलिए पहले से ही हार के लिए माहौल बना रहे हैं। गौरेला और पेंड्रा नगर पालिका चुनाव को लेकर चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दल चुनावी सभाओं और रैलियों के जरिए मतदाताओं को लुभाने में जुटे हैं। अब देखना होगा कि जनता किस पार्टी पर भरोसा जताती है और परिणाम किसके पक्ष में आते हैं।

संक्षिप्त समाचार

गृहमंत्री शाह आज चंद्रगिरी तीर्थ में विश्व शांति महायज्ञ में होंगे शामिल

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छह फरवरी को छत्तीसगढ़ दौरा में रहेंगे। इस दौरान वे चंद्रगिरी तीर्थ में आयोजित विश्व शांति महायज्ञ में समेत कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। केंद्रीय गृह मंत्री शाह गुरुवार को दिल्ली से रायपुर एयरपोर्ट दोपहर 12:25 बजे पहुंचेंगे। इसके बाद वे हेलीकॉप्टर से प्रज्ञागिरी डोगरगढ़ हैलीपैड आएंगे। वहां से सड़क मार्ग से चंद्रगिरी तीर्थ के लिए रवाना होंगे। केंद्रीय मंत्री शाह चंद्रगिरी तीर्थ में दोपहर 1:10 बजे पधारेंगे। जहां वे विभिन्न कार्यक्रम के तहत आचार्य गुरुवर विद्यासागर महामुनिराज के प्रथम समाधि स्मृति महोत्सव व श्री 1008 सिद्धचक्र विधान विश्व शांति महायज्ञ में शामिल होंगे। इसके बाद दोपहर 2:10 बजे से 2:40 बजे तक अमित शाह विद्यायतन समाधि स्मारक चन्द्रगिरी तीर्थ डोंगरगढ़ में आयोजित विनयांजलि समारोह में शामिल होंगे। इसके बाद गृह मंत्री शाह सड़क मार्ग से दोपहर 2:50 बजे छोटी बमलेश्वरी माता मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे। फिर वे प्रज्ञागिरी डोगरगढ़ से अपराह्न 3:45 बजे पर माना रायपुर एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे, जहां अमित शाह दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

निर्वाचन कार्यों में लापरवाही बरतने वाले पटवारी पर गिरी गाज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में निर्वाचन कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों पर लगातार गाज गिर रही है। ऐसे ही एक मामला सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले सामने आया है, जहां चुनाव के कार्यों में लापरवाही बरतने और अनुपस्थित रहने पर कलेक्टर ने एक्शन लिया है। मामले में कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। सारंगढ़-बिलाईगढ़ कलेक्टर धर्मेश साहू ने निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने और बिना अनुमति ड्यूटी से अनुपस्थित रहने के कारण पटवारी दुष्यंत कुमार कुर्रे (पहन 20, तहसील बरमकेला) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। पटवारी दुष्यंत कुमार कुर्रे को निर्वाचन कार्य के लिए ड्यूटी लगाई गई थी। निर्वाचन संबंधी महत्वपूर्ण कार्यों में लापरवाही बरतने के कारण यह कार्रवाई की गई है। निलंबन अवधि के दौरान पटवारी दुष्यंत कुमार कुर्रे का मुख्यालय कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा), सारंगढ़ निर्धारित किया गया है।

तीन भाजपा नेता पार्टी से निलंबित

बिलासपुर। भारतीय जनता पार्टी ने रतनपुर नगरपालिक चुनाव 2025 के दौरान पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल तीन नेताओं को प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया है। प्रदेश भाजपा कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार, इन नेताओं पर पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के विरोध में कार्य करने और अनुशासनहीनता का आरोप है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के निर्देश पर बसंत यादव (मंडल उपाध्यक्ष), संतोष कश्यप (मंडल मंत्री) और बलराम ठाकुर (भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के पदाधिकारी) को पार्टी से निष्कासित किया गया है। प्रदेश महामंत्री एवं मुख्यालय प्रभारी जगदीश राम रोहड़ा के हस्ताक्षर से जारी निलंबन आदेश में कहा गया है कि यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

अनुशासनहीनता मामले में पीसीसी ने कारण बताओ नोटिस जारी किया

बिलासपुर। अनुशासनहीनता के मामले में प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) ने त्रिलोक श्रीवास को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। आरोप है कि उन्होंने बिलासपुर नगर निगम के वार्ड नंबर 68 में पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ निर्दलीय उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार किया और पोस्टर लगाए। इस संबंध में तीन दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है, अन्यथा उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। वार्ड क्रमांक 68 की कांग्रेस प्रत्याशी प्रीति मनीष गढ़वाल ने पीसीसी और जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) को लिखित शिकायत दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि त्रिलोक श्रीवास ने अपने भाई की पत्नी योगिता आनंद श्रीवास को निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में खड़ा कर कांग्रेस प्रत्याशी के खिलाफ प्रचार किया।

स्थानीय अवकाश इस दिन रहेगा,सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किया आदेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने सभी सरकारी कार्यालयों और संस्थाओं के लिए स्थानीय अवकाश की घोषणा की है। इसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी कर छुट्टियों की जानकारी दी है। जारी आदेश के अनुसार, गणेश चतुर्थी पर 27 अगस्त, महाष्टमी पर 30 सितंबर, दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा के दिन 21 अक्टूबर को स्थानीय अवकाश रहेगा। यह अवकाश बैंक, कोषालय और उप-कोषालय कार्यालयों के लिए लागू नहीं होगा।

लखमा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज, फिलहाल जेल में ही रहेंगे

रायपुर। कांग्रेस शासन काल में हुए 2100 करोड़ के शराब घोटाला मामले में करीब महीने भर से रायपुर जेल में बंद पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को अभी जेल में ही रहना होगा। ईडी की विशेष कोर्ट ने कवासी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। कवासी ने, ईओडब्लू की संभावित गिरफ्तारी से बचने यह याचिका लगाई थी। इस पर सुनवाई मंगलवार को होनी थी। लेकिन कवासी को पेश करने बल उपलब्ध न होने की जेल प्रशासन की सूचना पर सुनवाई बुधवार के लिए आगे बढाई गई। बुधवार को भोजनावकाश से पहले ही हुई सुनवाई में कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद याचिका खारिज कर दी।

कैपिटल रायपुर के रूप में पहचाना जायेगा नगर निगम : मीनल चौबे

विकसित, स्वच्छ, सुंदर रायपुर के लिए लोगों की प्राथमिकताओं पर होगा काम, महापौर चुने जाने के बाद जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का करेंगी पूरा प्रयास

रायपुर। विकसित रायपुर,स्वच्छ रायपुर,सुविधायुक्त रायपुर,सुंदर रायपुर से रायपुर नगर निगम को कैपिटल रायपुर के रूप में जाना-पहचाना जाए ये प्राथमिकता में हैं रायपुर नगर निगम से भाजपा महापौर प्रत्याशी श्रीमती मीनल चौबे का, मीडिया से रूबरू कार्यक्रम के दौरान संवाद करते हुए उन्होने सिलसिलेवार अपनी प्राथमिकताएं गिनाते हुए दो टूक कहा कि पहले क्या कुछ हुआ यह रायपुर की जनता जानती है। चूंकि रायपुर नगर निगम में काफी सालों से काम कर रहीं हूं इसलिए यहां कि समस्याओं से भली भांति अवगत हूं। संपत्तिकर, चौड़ीकरण जैसे विषयों पर कहा कि पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में सब कुछ स्पष्ट कर दिया है। पार्टी की नीतियों के मुताबिक वे काम करेंगी,राज्य व केन्द्र में भाजपा की सरकार है इसलिए पैसों की कहीं कोई कमी नहीं होगी। भाजपा ने नगरीय निकाय क्षेत्र के लिए अपना जो घोषणा पत्र जारी किया है उस पर अमल करना हमारी प्राथमिकता होगी। जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने

का पूरा प्रयास करूंगी, मीडिया से भी सुझाव व सहयोग की अपेक्षा उन्होने जतायी।

महापौर प्रत्याशी मीनल चौबे चुनावी व्यस्तता के बाद भी आज रायपुर प्रेस क्लब के रूबरू कार्यक्रम में उपस्थित थीं। अपनी बात रखते हुए उन्होने कहा कि रायपुर शहर बहुत बड़ा है और यहां पर जनता की हमेशा मांग रहती है कि उन्हें मूलभूत सुविधाएं जैसे पानी, सड़कों और नालियों की सफाई होती रहे, इसके लिए राज्य सरकार तो पैसा देती है कई विकास कार्यों के लिए केंद्र सरकार के द्वारा फंड उपलब्ध कराया जाता है। अगर मैं महापौर जीतकर आती हूं तो मेरी प्राथमिकता होगी कि रायुपर नगर निगम कैपिटल रायपुर के रुप में जाना और पहचाना जाए। यहां जनता चाहती है कि उन्हें चौड़ी सड़कें मिले, निचली बस्तियों में पानी भरने की जो समस्याएं है वो दूर हो लेकिन पिछले पांच सालों में यह नहीं हुआ। अगर मैं जीतकर आती हूं तो मेरी प्राथमिकता होगी कि जनता की मांगों को जल्द से जल्द पूरा करूं और उन्हें मूलभूत सुविधाएं निरंतर उपलब्ध होती रहे।

राज्य सरकार नगर निगम को शुद्ध पेयजल के लिए अच्छा खासा पैसा देती है, स्वच्छ भारत मिशन के तहत नालियों और सड़कों की साफ-सफाई के लिए पैसा आता है। और मेरी ही प्राथमिकता होगी कि नालियों की नियमित सफाई होती रहे और सड़कें हमेशा साफ-सुथरी हो। कांग्रेस के शासनकाल में यह कहा जा रहा था कि घरों से डोर टू डोर कचरा उठाया जा रहा है लेकिन हम हमेशा देखते थे कि गलियों में तो कचरा दिखता ही था लेकिन सड़कों पर भी भारी मात्रा में कचरा फेंकते हुए लोग दिखाई देते थे। कई जगहों पर रोजाना कचरों का अंबार लगा हुआ रहता था। इन सब के लिए अच्छा खासा फंड भी था लेकिन उसका उपयोग महापौर एजाज ढेबर नहीं कर पाए और न ही काम हुआ। इन सबको वे ध्यान में रखी हुई है और वे चाहती है कि एक सुंदर रायपुर शहर वे जनता को देना चाहती है। वे जानती है कि किस चीज के लिए पैसा आ रहा है और उसका कहां पर खर्चा हो रहा है और सही मायनों में कहां पर खर्च होना चाहिए। मैं हमेशा देखती थी कि जो रोड लाइटें हैं,कभी भी बंद हो जाती है सड़कों पर अंधेरा रहता था,वैसा अब दोबारा नहीं होगा। भाजपा ने नगरीय निकाय क्षेत्र के लिए अपना जो घोषणा पत्र जारी किया है उस पर अमल करना हमारी प्राथमिकता होगी।

बालको एवं वृद्धजनों के लिए बनेगा एक और आश्रय स्थल : डॉ. रमन

बाल आश्रम के शताब्दी वर्ष समारोह के अवसर पर नवीन भवन का लोकार्पण

रायपुर। बाल आश्रम के शताब्दी वर्ष समारोह के अवसर पर नवीन भवन का लोकार्पण बुधवार को हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डा.रमन सिंह ने इस बात पर प्रसन्नता जतायी जब उन्हे संस्था की ओर से अवगत कराया गया कि बच्चों व वृद्धजनों के लिए एक और आश्रय स्थल बनाया जायेगा। उन्होने कहा कि जो भी सहयोग उनसे बनेगा करेंगे बल्कि मुख्यमंत्री से भी आग्रह करेंगे सहयोग प्रदान करने।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रुप में उपस्थित विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसी एक - दो संस्था ही हैं जिसने अपनी स्थापना के 100 वर्ष सफलतापूर्वक पूरे किए हों । इस संस्था के संस्थापक सदस्यों महंत लक्ष्मी नारायण दास जी, माधवराव सप्रे जी, सेठ शिवदास डागा जी, सेठ बालकृष्ण नत्थानी जी इत्यादि ने इस संस्था की नींव रखी संस्था प्रारम्भ में आर्थिक रुप से सुदृंढ नहीं थी इसलिए छत्तीसगढ़ के पारम्पिक परम्परा छेर-छेरा का अनुगमन करते हुए दान इत्यादि एकत्र कर संस्था का

संचालन किया जाता था। इस संस्था में राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी एवं प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद जी के चरण पड़े हैं। यह संस्था मंदिर के समान पवित्र है और मैं तो यह कहूँगा कि यह मात्र एक संस्था नहीं है बल्कि एक आंदोलन है।

विशेष अतिथि सत्यनारायण शर्मा ने कहा कि यह संस्था निरंतर आगे बढ़ते हुए ऐसे बच्चों का पालन पोषण कर रही है जो माता-पिता विहिन है। संस्था में ऐसे बच्चों को आश्रय देकर उनका सर्वांगीण विकास किया जाता है। लोकार्पण कार्यक्रम में उपस्थित हुआ हूँ यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। विशेष अतिथि के रुप में उपस्थित राजेश्री महंत डॉ. रामसुंदर दास अपने उद्बोधन में कहा कि यह संस्था 100 वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई थी उस समय एक मजदूर परिवार में माता-पिता की सड़क दुघर्टना में मृत्यू हो गई थी जिनके बच्चों को आश्रय देने के लिए इस संस्था की स्थापना हुई थी। यह संस्था जिसका स्व. महंत लक्ष्मी नारायण दास जी ने एक छोटे से पौधे के रुप में बीजारोपण किया था वह आज एक विशालकाय वृक्ष के रुप में परिवर्तित हो चुकी है जिसकी छाया में सैकड़ों-हजारों बच्चें रह चुके हैं एवं अपना भविष्य सफल बना चुके हैं।

कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष श्री अजय तिवारी , श्री गोकुल दास डागा , श्री देवीचंद श्रीश्रीमाल, डॉ. श्री कमलेश्वर अग्रवाल , श्री मदन लाल तालेड़ा, श्री रुपचंद श्रीश्रीमाल, श्री नरेशचंद्र गुप्ता , श्री विजय दानी, डॉ. श्री सुरेश शुक्ला , श्री राजकिशोर नत्थानी, श्री गोवर्धनदास डागा , श्री निखिल अम्बिलकर , श्री हरिवल्लभ अग्रवाल आदि उपस्थित थे। संस्था के सदस्य नरेशचंद्र गुप्ता ने मुख्य अतिथि डॉ रमन सिंह को यह जानकारी दी कि निकट भविष्य में बाल आश्रम समिति के द्वारा एक ऐसी संस्था प्रारम्भ करने की योजना है जिसमें बालक एवं वृद्धजनों को संयुक्त रुप से आश्रय एंप संरक्षण प्रदान किया जा सके.बाल आश्रम, राष्ट्रीय विद्यालय एवं पी.जी.डागा कन्या महाविद्यालय द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह एवं शाल भेंट स्वरुप प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। डॉ रमन सिंह ने बाल आश्रम के बच्चों को भी अपना आर्शीवाद प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में बाल आश्रम समिति के सचिव राजकिशोर नत्थानी न आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।

सिंहदेव के नेतृत्व में चुनाव लड़ने के बयान पर महंत ने दी सफाई

कहा- त्वरित आ रही प्रतिक्रिया हास्यास्पद

कोरिया। टीएस सिंहदेव के नेतृत्व में अगला चुनाव लड़ने का बयान देकर प्रदेशभर में सिसायी हलचल पैदा करने के बाद अब नेता प्रतिपक्ष डॉ। चरण दास महंत बैकफुट पर नजर आ रहे हैं। महंत ने सफाई देते हुए कहा कि उनके (सिंहदेव) नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे कहने पर इतनी जल्दी में जो उल्टी-सीधी प्रतिक्रिया आई है, वह हास्यास्पद है।

नेता प्रतिपक्ष डॉ। चरण दास महंत ने मनेंद्रगढ़ में अपने प्रवास के दौरान पत्रकारों से चर्चा की। उन्होंने अपने बयान को लेकर स्पष्ट किया कि टीएस सिंहदेव कांग्रेस नेतृत्व का हिस्सा हैं, उसमें मैं भी हूं, भूपेश बघेल भी हैं, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज और ताम्रध्वज साहू भी हैं। हमने पिछला चुनाव सामूहिक नेतृत्व में लड़ा था।

डॉ. महंत ने कहा कि क्षेत्र के नगर निगम-नगर पालिका में टीएस सिंहदेव के ही नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं। जब विधानसभा-लोकसभा के चुनाव होंगे, जब प्रदेश स्तर का चुनाव होगा, तो टीएस सिंहदेव, जो प्रदेश नेतृत्व का हिस्सा हैं, उनके नेतृत्व में (भी) चुनाव होगा। मैने यह तो नहीं कहा कि मेरे नेतृत्व में चुनाव नहीं होगा, भूपेश बघेल के नेतृत्व में चुनाव नहीं होगा। मैने तो यह भी नहीं कहा कि मेरे नेतृत्व में चुनाव होगा।

निकाय चुनाव के लिए भाजपा का थीम सॉन्ग लॉन्च

रायपुर। नगरीय निकाय व त्रि-स्तरीय पंचायत चुनावों के लिए बुधवार भारतीय जनता पार्टी ने पांच थीम सॉंग लॉन्च किए गए। थीम सॉन्स न केवल भाजपा के मिशन व विजन को, बल्कि जनभावनाओं को भी व्यक्त करने वाले हैं। अपने सुमधुर बोल और कर्णप्रिय गायन व संगीत से भाजपा के पक्ष में यकीनन वातावरण को प्रभावोत्पादक बना रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा है कि प्रदेश में अब नगरीय निकाय और त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव होने जा रहे हैं। विधानसभा और लोकसभा चुनाव में इस प्रदेश की जनता ने भाजपा को भरपूर आशीर्वाद दिया। कांग्रेस की पिछली भूपेश सरकार के भ्रष्टाचार, अन्याय और अत्याचार के कारण प्रदेश की जनता ने भाजपा पर भरोसा जताया। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि आम जनता के लिए नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव इस मायने में ज्यादा महत्वपूर्ण होते हैं क्योंकि इन नगर व ग्राम सरकारों से उनका सीधा सरोकार होता है। श्री श्रीवास्तव बुधवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आहूत थीम सॉन्ग लॉन्चिंग कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

भाजपा विधायक अनुज शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि निकाय चुनाव-प्रचार के लिए जिन गीतों को तैयार समर्पित किया जा रहा है, उनमें सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन गीतों में

आपको छत्तीसगढ़ की जनता की भावना सुनाई देगी। उनके मन की जो बात है, वह इन गीतों के माध्यम से रखने का प्रयास किया गया है। इस थीम सॉन्ग के गीतकार, संगीतकार, गायक सभी स्थानीय कलाकार हैं। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी ने नगरीय निकाय चुनाव के लिए थीम सॉन्ग की लॉन्चिंग के कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए बताया कि भाजपा हमेशा इनोवेशन के लिए जानी जाती है। नए-नए प्रयोग कर जनता के बीच जाकर अपनी बात अलग-अलग माध्यमों से रखे जाने के लिए जानी जाती है। क्रिएशन और इनोवेशन के लिए भाजपा ऐसे बहुत-से कंटेंट लेकर जनता तक पहुँचेगी। यह थीम सॉन्ग भाजपा ने जनता की भावनाओं के अनुरूप प्रस्तुत किया है। प्रदेश के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स में यह गीत सुने जाएंगे।

इस थीम सॉन्ग लॉन्चिंग कार्यक्रम में प्रदेश कोषाध्यक्ष नंदन जैन, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार व भाजपा नरेटिव टीम के संयोजक पंकज झा, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अनुराग अग्रवाल, प्रदेश प्रवक्ता दीपक म्हस्के, सोशल मीडिया प्रदेश संयोजक सोमेश पांडेय व शशांक शर्मा भी उपस्थित थे।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने ईवीएम मशीन की लाइव डेमो का किया अवलोकन, स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने बस्तर जिले के प्रवास के दौरान जगदलपुर जिला प्रशासन की ओर से मतदाताओं को मतदान प्रणाली में प्रयुक्त की जाने वाली ईवीएम की लाइव डेमोंस्ट्रेशन का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने मतदाताओं से मशीन के उपयोग और महापौर, पार्षद प्रत्याशियों के लिए मतदान करने के संबंध में चर्चा किए। साथ ही डेमोट्रेशन कार्य में लगे अधिकारियों से मशीन की कार्यप्रणाली की जानकारी ली और मतदाताओं को जागरूक करने के लिए अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए।

राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने संजय बाजार के समीप स्वामी आत्मानंद स्कूल के मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान केंद्रों पर सुरक्षा, मूलभूत सुविधाओं और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मतदान केंद्र पर दिवाल लेखन की सराहना की, इसके साथ ही संगवारी बूथ, महिला मतदान केंद्र की व्यवस्था का भी संज्ञान लिया।

आगामी नगरीय निकाय चुनावों को लेकर राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने जगदलपुर के धरमपुरा स्थित मॉडल कालेज में बनाए गए स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया और मतदान सामग्री वितरण एवं मतगणना स्थल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को

कमिशनिंग की तिथि, सुरक्षा व्यवस्था, स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने नगरीय निकाय चुनाव हेतु ईवीएम मशीनों की कमिशनिंग प्रक्रिया तथा मशीनों के परिवहन की व्यवस्था का भी संज्ञान लिया। अधिकारियों ने बताया कि मशीनों की जांच के बाद स्ट्रांग रूम तक सुरक्षित पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। राज्य निर्वाचन आयुक्त सिंह ने कहा कि निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव संपन्न कराने के लिए हरसंभव कदम उठाए जाए। उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे पूरी तत्परता से कार्य करें और सभी आवश्यक तैयारियों को समय पर पूरा करें।

छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव : कांग्रेस ने जारी किया जन घोषणा पत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस ने आज बुधवार को घोषणा पत्र जारी किया है। रायपुर स्थित राजीव भवन में घोषणा पत्र जारी किया गया, जिसका नाम %जन घोषणा पत्र% रखा गया है। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, घोषणा पत्र समिति के अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, महापौर प्रत्याशी दीप्ति दुबे, समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

यहां देखें कांग्रेस का जन घोषणा पत्र

- तालाबों का संरक्षण और सौंदर्यीकरण की विषेश पहल की जाएगी।
- घाटों और तालाबों में महिलाओं के लिए चेजिंग रूम बनाए जाएंगे।
- शहरी व्यापारिक क्षेत्रों में महिला प्रसाधन की व्यवस्था।
- महिला सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस कंट्रोल रूम के साथ सामंजस्य कर सभी चौक-चौराहों और स्कूल-कॉलेज के समीप में सीसीटीवी कैमरा।
- सर्व-सुविधायुक्त ऑटो रिक्शा/ई-रिक्शा के लिए पार्किंग और चार्जिंग की व्यवस्था।
- श्रद्धांजली राशि योजना के बीपीएल कार्डधारियों को दो हजार रुपए से बढ़ाकर पांच हजार रुपए किया जाएगा।
- निगमों के अनियमित कर्मचारियों को नियमित करने की दिशा में प्रयास किया जाएगा।

- सम्पत्तिकर, समेकितकर और जल उपभोक्ता शुल्क का घर बैठे भुगतान की सुविधा दी जाएगी।
- आगामी छह माह में जहां-जहां ऑनलाइन भवन अनुज्ञा की सुविधा नहीं है, वहां सुविधा दी जाएगी।
- मकान आबंटन प्रक्रिया को और सरलीकृत एवं पारदर्शी करते हुए सभी आवासहिनों को पात्रतानुसार मकान दिया जाएगा।
- प्रत्येक वार्ड में कार्यरत सफाई कर्मी की जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाएगी।
- प्रत्येक निकाय में विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए सर्व-सुविधायुक्त नि:शुल्क लायब्रेरी खोला जाएगा।
- नगरीय निकाय कि ओर से आमजनों को दशगात्र, बेटी विवाह जैसे अन्य कार्यक्रमों में पानी टैंकर नि:शुल्क प्रदाय किया जाएगा।
- यूजर चार्ज का युक्ती-युक्तकरण किया जाएगा।
- शहर को धुल मुक्त बनाने आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।
- पौनी-पसारी योजना में महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी और स्थान को सर्व सुविधायुक्त बनाया जाएगा।
- चलित ठेले व्यवसायियों को संरक्षण दिया जाएगा एवं वार्डों के प्रमुख स्थानों पर वेंडिग-जोन चिन्हांकित कर व्यवसाय के लिए उचित स्थान दिया जाएगा।
- विकास कार्य में पारदर्शिता सामूहिक जिम्मेदारी एवं कसावट की दृष्टि से निकायों के अध्यक्षों के पूर्ववर्ती सरकार द्वारा दिए गए अधिकार वापस करते हुए प्रत्येक भुगतान में नगर निगम, नगर पालिका एवं नगर पंचायत अध्यक्षों के चेक हस्ताक्षर करने के अधिकार वापस दिलाने के लिए प्रयास किया जाएगा।
- कन्या विवाह के लिए सभी निकाय क्षेत्रों में सामुदायिक भवन नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।
- सामुदायिक भवन की ऑनलाइन बुकिंग सिस्टम लागू करेंगे।
- शासकीय भूमि पर काबिज भूमिहीन व्यक्तियों को भूमि धारण करने के लिए धारणा अधिकार दिया जाएगा।
- सभी को पात्रतानुसार वृध्दा, दिव्यांग एवं निराश्रित लोगों को पेंशन सुविधा प्राप्त हो सुनिश्चित किया जाएगा।
- सभी सरकारी स्कूल एवं आत्मानंद स्कूल में मेधावी छात्रों को प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया जाएगा।
- सभी वार्डों में सर्व-सुविधायुक्त आंगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण।
- स्कूली एवं महाविद्यालयीन छात्राओं को मुफ्त सेनेटरी नेपकीन देंगे।
- जन्म-मृत्यु एवं मैरिज सर्टीफिकेट को घर पहुंच सुविधा प्रदान की जाएगा।
- युवाओं को रोजगार देने के लिए सभी निकाय क्षेत्रो में यूथ हब बनाया जाएगा।
- महिला स्वसहायता समूहो को रोजगार देने विशेष पहल।
- सार्वजनिक स्थलों पर मुफ्त वाई-फाई सुविधा प्रदान करेंगे।
- कांग्रेस शासित सभी निकायों में जनता को उनके कार्यों के पूर्ण होने की समय सीमा निर्धारित कर सिटीजन चार्टर बनाया जाएगा।
- संपत्तिकर की राशि नियमित समयावधि पर पर भूगतान करने पर विषेश छूट प्रदान की जाएगी।
- सभी नगर निगमों में पत्रकारों के लिए हाईटेक रेस्ट रूम बनाया जाएगा।
- प्रत्येक वार्ड में सब्जी बाजार बनाया जाएगा।
- नगरों को आवारा पशुओं से मुक्ति दिलाया जाएगा।

अपने ही जांच आयोग से हुई कनाडा की किरकिरी?

राजेश बादल

कनाडा अपनी अपरिपक्व आंतरिक तथा विदेश नीति के कारण इन दिनों मुश्किल में है। उस पर चौतरफा वार हो रहे हैं और वह बचाव करने में असहाय दिखाई देता है। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो फिलवक्त कामचलाऊ प्रधानमंत्री के तौर पर काम कर रहे हैं। लेकिन वे अभी भी पूर्ण अधिकार संपन्न प्रधानमंत्री की तरह फैसले ले रहे हैं। यह एक लोकतांत्रिक देश के लिए मान्य सिद्धांतों के अनुकूल नहीं है। ट्रूडो का नैतिक आधार इसीलिए कमजोर है। पहले कार्यकाल में उन्होंने अवश्य ही कुछ बेहतर भूमिका निभाई थी। पर, दूसरे कार्यकाल में उन्होंने सिर्फ अपनी अलोकप्रियता के बीज बोए हैं। एक तरफ वे वैश्विक मंच पर लोकतांत्रिक संस्थाओं का सदस्य होते हुए भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घोषित आतंकवादी को अपनी संसद में श्रद्धांजलि देते हैं तो दूसरी तरफ संसार के सबसे बड़े लोकतंत्र की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या की झांकी कनाडा की सड़कों पर निकालने की इजाजत देते हैं। हत्या का समर्थन करने वालों को महिमामंडित करते हैं। अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री पियरे ट्रूडो की तरह ही वे खालिस्तान को समर्थन दे रहे हैं। यह सबूत है कि सियासत के बुनियादी उसूलों और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर उनकी समझ अभी परिपक्व नहीं है। इसका ताजा उदाहरण उनकी सरकार के बनाए जांच आयोग की एक रपट है। करीब सप्ताह भर पहले इस रपट के अंश सामने आए हैं। इसमें आयोग साफ कहता है कि कनाडा में चल रहे खालिस्तानी आंदोलन पर भारत की चिंताएं जायज हैं। रिपोर्ट यह भी कहती है कि कनाडा में खालिस्तानी उग्रवाद से उत्पन्न खतरे के बारे में भारतीय चिंता के कुछ आधार वैध और उचित हैं। कनाडा के भीतर से खालिस्तानी आतंकवादी भारत को निशाना बना कर खतरे से संबंधित गतिविधियों में लगे हुए हैं। वे भारत में उग्रवादी हरकतों को प्रोत्साहित करते हैं, उग्रवादी गतिविधियों का समन्वय करते हैं और भारत में हिंसा के लिए उकसाते हैं। वे खालिस्तानी गतिविधियों के लिए पैसा भेजते हैं और भारतीय नागरिकों को भड़काने का काम करते हैं। चूंकि वे कनाडा की नागरिकता हासिल कर चुके हैं इसलिए हिंदुस्तान के हाथ बंध जाते हैं। आयोग की यह रिपोर्ट 123 पन्नों की है और स्पष्ट कहती है कि खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में किसी भी विदेशी ताकत का हाथ होने के प्रमाण नहीं मिले हैं। अलबत्ता रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत खालिस्तान के लिए राजनीतिक प्रयास करने वालों और खालिस्तानी हिंसा करने वालों के बीच अंतर नहीं करता। यह एक अजीब सा तर्क है। देश के टुकड़े करने की साजिश करने वालों को राजनीतिक कैसे माना जा सकता है? ऐसे में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो का बयान उनके अपने देश में ही उपहास का बिंदु बन जाता है। ट्रूडो ने तो यहां तक कहा था कि भारतीय एजेंटों ने ही निज्जर को मारा है। कनाडा के पास इसके पुख्ता सबूत हैं। इसके बाद ट्रूडो के हुक्म पर भारतीय दूतावास ने छह भारतीय राजनयिकों को निष्कासित कर दिया था। जवाबी कार्रवाई में भारत ने भी वैश्विक परंपरा के मुताबिक ऐसा ही किया। पंजाब पुलिस के अनुसार अभी भी कनाडा में खालिस्तानी उग्रवादी लखबीर सिंह उर्फ लांडा, सतनाम सिंह उर्फ सत्ता नौशेरा, सतविंदर सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ तथा लॉरेंस बिश्नोई, हैप्पी पासिया और बीकेआई चीफ हरविंदर सिंह रिंदा के हैंडलर सक्रिय हैं। इन्हें भारत अपने यहां लाकर उनके खिलाफ कार्रवाई करना चाहता है। मगर कनाडा सरकार सहयोग नहीं कर रही है। उल्टे अपने आयोग की रिपोर्ट पर सफाई देती है कि उस आयोग को तो निज्जर संबंधी मामलों की जांच का अधिकार ही नहीं था। भारत में कनाडा के उच्चायोग ने गुरुवार को अधिकृत रूप से एक बयान में यह बात कही। जाहिर है कि जांच आयोग की इस रिपोर्ट ने ट्रूडो की छवि को धक्का पहुंचाया है। आजादी के बाद पहली बार कनाडा के साथ भारतीय संबंध इतने खराब दौर से गुजरे हैं। हालांकि आयोग की इस रिपोर्ट का एक हिस्सा विचित्र बात करता है। वह कहता है कि कनाडा के चुनावों में अनेक देश हस्तक्षेप किया करते हैं।

राहुल की देश-विरोधी बचकानी राजनीति

ललित गर्ग

एक बार फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नीचा दिखाने के इरादे से ऐसा बयान दिया है जो भारत की साख को आघात लगाने वाला है बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता को ध्वस्त करने वाला है। राहुल गांधी किस तरह गैर जिम्मेदाराना बयान देने में माहिर हो गए हैं, यह इस कथन से फिर सिद्ध हुआ कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर इसलिए बार-बार अमेरिका जा रहे थे, ताकि भारतीय प्रधानमंत्री को डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में बुलाया जाए। राहुल गांधी मोदी-विरोध में कुछ भी बोले, यह राजनीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन वे मोदी विरोध के चलते देश-विरोध में जिस तरह के अनाप-शनाप दावे करते हुए गलत बयान देते हैं, वह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता एवं बचकानेपन को ही दर्शाता है। आखिर कब राहुल एक जिम्मेदार एवं विवेकवान प्रतिपक्ष के नेता बनेंगे?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राजनीति से हटकर भी गहरे व्यक्तिगत आत्मीय मित्रवत संबंध है, इसलिये उनका शपथ ग्रहण समारोह में बुलाने पर किसी तरह का संदेह नहीं हो सकता। लेकिन इस बात को लेकर राहुल के बयान पर हैरानी होना स्वाभाविक है। यही कारण है कि लोकसभा में संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने राहुल गांधी की इस विचित्र बात पर आपत्ति जताई, बल्कि विदेश मंत्री जयशंकर ने भी नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि वह ऐसी बात कहकर भारत की छवि खराब करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी के झूठ का उद्देश्य राजनीतिक हो सकता है, लेकिन ऐसे झूठे, भ्रामक एवं गुमराह करने वाले बयान से भारत की छवि को गहरा नुकसान हुआ है। यह तय है कि विदेशी मंत्री के प्रतिवाद का राहुल गांधी की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। ऐसी मिथ्या बातें करके वे प्रधानमंत्री पर हमला करने का कोई अवसर नहीं चुकते। वह प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी को कोई महत्व नहीं देते। आखिर यह किसी से छिपा नहीं कि वह उनके खिलाफ तू-तड़ाक वाली अशालीन एवं अमर्यादित भाषा का उपयोग करते रहे हैं। विडंबना यह है कि इस आदत का परित्याग वह नेता प्रतिपक्ष का

पद हासिल करने के बाद भी नहीं कर पा रहे हैं। समस्या केवल यह नहीं कि वह प्रधानमंत्री पद की गरिमा की परवाह नहीं करते। समस्या यह भी है कि वह प्राय: ऐसी बचकानी बातें कर जाते हैं, जो राष्ट्रीय हितों के प्रतिकूल होती हैं या दूसरे देशों से संबंधों पर बुरा असर डालती हैं।

राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं और उन्होंने अन्य सांसदों की ही तरह देश की अखंडता और एकता की रक्षा करने की शपथ ली थी, लेकिन उनके द्वारा समय-समय पर दिये गये वक्तव्य एवं टिप्पणियां पूरी तरह से राष्ट्र विरोधी है। ऐसा लगता है कि राहुल गांधी भारत विरोधी अलगाववादी समूह के नेता बनने की राह पर अग्रसर हैं और उनका इरादा भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव को नष्ट करना और देश को गृहयुद्ध की ओर धकेलना है। इस तरह राहुल गांधी द्वारा देश में विभाजन के बीज बोने के प्रयास निंदनीय ही नहीं, घोर चिन्तनीय है। सत्ता के लालच में कांग्रेस एवं उनके नेता देश की अखंडता के साथ समझौता और आम आदमी के भरोसे को तोड़ने से बाज नहीं आ रहे हैं। राहुल के बयानों से ऐसा प्रतीत होता है कि उनकी लड़ाई सिर्फ भाजपा और आरएसएस से नहीं, बल्कि भारत से है।

राहुल गांधी अक्सर भारत राष्ट्र अर्थात भारत के संविधान यानी आंबेडकर के संविधान के खिलाफ विषवमन करते दिखाई देते हैं। गांधी परिवार की 'मुंह में राम और बगल में छुरी' वाली कहावत जनता के सामने बार-बार आती रही है। आंबेडकर के अस्तित्व को नकार कर भारत के संविधान को बदलने के बाद गांधी परिवार देश का विभाजन, दुश्मन देश के नेताओं एवं शक्तियों के सपनों का टुकड़ों वाला भारत चाहता है। आखिर राहुल गांधी और कांग्रेसी किस बात के लिए संविधान की प्रति लेकर चलते हैं? इस तरह एक गैर जिम्मेदार और बचकाने नेता का लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष होना क्या देश का दुर्भाग्य नहीं है? राहुल गांधी को गंभीर आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है।

राहुल गांधी अपने आधे-अधूरे, तथ्यहीन एवं विध्वंसात्मक बयानों को लेकर निरन्तर चर्चा में रहते हैं। उनके बयान हास्यास्पद होने के साथ उद्देश्यहीन एवं उच्छृंखल भी होते हैं। राहुल ने पहले भी बातों-बातों में यह कहा था कि चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। वह देश के प्रमुख विपक्षी दल के नेता हैं। सरकार की नीतियों से नाराज होना, सरकार के कदमों पर सवाल उठाना उनके लिए जरूरी है। राजनीतिक रूप से यह उनका कर्तव्य भी है। लेकिन चीन के साथ उनकी सहानुभूति अनेक प्रश्नों को खड़ा करती है। ऐसे ही सवालों में आज तक इस सवाल का जवाब भी नहीं मिला कि आखिर राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी दूतावास से चंदा लेने की जरूरत क्यों पड़ी? वह यह नहीं बताते कि 2008 में अपनी बीजिंग यात्रा के दौरान सोनिया गांधी और उन्होंने कम्युनिस्ट पार्टी से समझौता क्यों किया था? इतना ही नहीं, जब राहुल गांधी राफेल विमान सौदे में कथित दलाली खोज लाए थे, तो यहां तक कह गए थे कि खुद फ्रांस के राष्ट्रपति ने उन्हें बताया था कि दोनों देशों में ऐसा कोई समझौता नहीं, जो राफेल विमान की कीमत बताने से रोकता हो। उनके इस झूठ का खंडन फ्रांस की सरकार को करना पड़ा था। डोकलाम विवाद के समय वह भारतीय विदेश मंत्रालय को सूचित किए बिना किस तरह चीनी राजदूत से मुलाकात करने चले गए थे। जब इस मुलाकात की बात सार्वजनिक हो गई तो उन्होंने यह विचित्र दावा किया कि वह वस्तुस्थिति जानने के लिए चीनी राजदूत से मिले थे। क्या इससे अधिक गैरजिम्मेदाराना हरकत और कोई हो सकती है?

राहुल गांधी के गैरजिम्मेदाराना बयानों से यही पता चलता है कि उन्हें न तो प्रधानमंत्री की बातों पर यकीन है, न रक्षा मंत्री की और न ही विदेश मंत्री की। यह भी स्पष्ट है कि उन्हें शीर्ष सैन्य अधिकारियों पर भी भरोसा नहीं। ध्यान रहे, वह सर्जिकल और एयर स्ट्राइक पर भी बतूके सवाल खड़े कर चुके हैं। उनकी कार्यशैली एवं बयानबाजी में अभी भी बचकानापन एवं गैरजिम्मेदाराना भाव ही झलकता है। लगता है कांग्रेस के शीर्ष नेता एवं प्रतिपक्ष के नेता होने के कारण वे अहंकार के शिखर पर चढ़ बैठे हैं, निश्चित ही राहुल के विष-बुझे बयान इसी राजनीतिक अहंकार से उपजे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत के सबसे बड़े दुश्मन राष्ट्र की वे तरफदारी करते एवं चीन के एजेंडे को बल देते नजर आते हैं। उनका यह रवैया नया नहीं, लेकिन यह देश के लिये घातक है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाए जाने के मोदी सरकार के फैसले की राहुल गांधी की अनावश्यक आलोचना को पाकिस्तान ने अपने पक्ष में भुनाने का काम किया था। अब भी वह सीमा विवाद पर चीन की बातों को अहमियत देते हैं और भारत सरकार की जानकारी पर यकीन नहीं करते। जनता यह गहराई से देख रही है कि राहुल किस तरह गलवान में हमारे सैनिकों की वीरता-शौर्य-बलिदान पर सवाल उठाते रहे हैं, भारत की बढ़ती साख, सुरक्षा एवं विकास की तस्वीर को बट्टा लगा रहे है। यह समझ आता है कि वह घरेलू मुद्दों पर सरकार को घेरें और उसकी आलोचना करें, लेकिन कम से कम ऐसी निराधार और मनगढ़ंत बातें तो न करें, जिससे प्रधानमंत्री पद का उपहास उड़े, देश हित आहत हो।

उल्लेखनीय बात यह है कि निन्दक एवं आलोचक कांग्रेस को सब कुछ गलत ही गलत दिखाई दे रहा है। मोदी एवं भाजपा में कहीं आहट भी हो जाती है तो कांग्रेस में भूकम्प-सा आ जाता है। मजे की बात तो यह है कि इन कांग्रेसी नेताओं को मोदी सरकार की एक भी विशेषता दिखाई नहीं देती, कितने ही कीर्तिमान स्थापित हुए हो, कितने ही आयाम उद्घाटित हुए हो, कितना ही देश को दुश्मनों से बचाया हो, कितनी ही सीमाओं एवं भारत भूमि की रक्षा की हो, कितना ही आतंकवाद पर नियंत्रण बनाया हो, कितनी ही देश के तरक्की की नई इबारतें लिखी गयी हो, समूची दुनिया भारत की प्रशंसा कर रही हो, लेकिन इन राहुल एवं कांग्रेसी नेताओं को सब काला ही काला दिखाई दे रहा है। कमियों को देखने के लिये सहस्राक्ष बनने वाले राहुल अच्छाई को देखने के लिये एकाक्ष भी नहीं बन सके हैं?

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदों में अष्टादश पुराणों के नाम

(गतांक से आगे...)

उरु नगर के सात दरवाजे ऊपर की ओर थे और दो दरवाजे नीचे की तरफ। रानी जो कुछ चाहती पुरंजन वही किया करता था।

किसी समय दुरंजन एक बड़ा धनुष हाथ में ले शीघ्रगामी रथ पर चढ़कर पञ्चप्रस्थ नामक वन में गया। इस रथ में पांच घोड़े जुते थे । इसके दण्डों में दो पहिये, एक धुरी, तीन ध्वजदण्ड, पांच बन्धन एक रस्सी, एक सारथी, एक रथी के बैठने का स्थान और दो युग-बन्धन के स्थान हैं। उसमें पांच विषय प्रक्षिप्त होते हैं। इसके सात आवरणवस्त्र हैं और पांच प्रकार की गति है। राजा, स्वर्ण का कवच पहिन अक्षय तर्कस कमर में बाँध इस स्वर्ण-भूषित रथ पर चढ़कर वन को गया । ग्यारह प्रकार की सेना इसके साथ थी। अभिमानपूर्वक धनुर्वाण तानकर उसने शिकार खेला, अनन्तर भूखा प्यासा थककर वापिस घर लौट आया । समय पाकर ऐसे राजा के घर में पुरंजनी में ग्यारह सौ पुत्र और एक सौ दस कन्याएं उत्पन्न हुई, जो सभी सन्तान माता पिता के कुल की कीर्ति को बढ़ाने वाली थीं। इस प्रकार उसकी आयु का बहुतसा भाग बीत गया। अत्र वह काल आ पहुँचा जो कि स्त्रीजितों के लिये अत्यन्त अप्रिय है। चण्डवेग नामक गन्धर्वोंका राजा तीन सौ साठ गन्धर्वो को और उतनी ही आधी काली आधी गोरी बलवती गन्धर्वायों को साथ लेकर पुरंजन के नगर पर आक्रमण करने लगा। उस समय नगर के रक्षक प्रजागर ने गन्धों के साथ घमासान युद्ध आरम्भ कर दिया। एक ओर 720 गन्धर्व सेना थी, दूसरी तरफ अकेला प्रजागर। (लगातार सौ वर्ष तक युद्ध होता रहा) इतने में गन्धर्वराज काल की एक लड़की थी, जिसने कि अपने वर के लिये समस्त संसार को छान डाला था, परन्तु किसी ने भी उसे पसन्द नहीं किया था, यत: संसार में उसका नाम दुर्भागिन पड़ गया था।

क्रमश: ...

कवि प्रदीप

पंकज शुक्ला

यह नाम सुनते ही हमारे ख्याल में एक साथ कई गीत बज उठते हैं। 'ऐ मेरे वतन के लोगों', 'दूर हटो ऐ दुनिया वालो, हिंदुस्तान हमारा है', 'चल चल रे नौजवान', 'हम लाए हैं तूफान से कश्ती निकाल कर', 'दूसरा का दुखड़ा दूर करने वाले', 'टूट गई है माला'। एक के बाद एक बेहद लोकप्रिय गीतों की शृंखला याद हो आती हैं। ऐसे भी गीत जो टैग लाइन बन गए हैं। जैसे फेरी वाला जब ऊंची आवाज में कहता है, चने जोर गरम बाबू मैं लाया मजेदार, तब उसे कहां याद रहता है कि इन पंक्तियों को कवि प्रदीप ने लिखा है। हमारे समय में मानवता के पतन से दु:खी हो कर जब हम कहते हैं कि कितना बदल गया इंसान तब बरबस कवि प्रदीप याद हो आते हैं। वहीं प्रदीप जिनके लिखे गीत को गा कर इंदिरा गांधी अपने बचपन की 'वानर सेना' में जोश भरती थी। प्रदीप का लिखा 'आओ बच्चों तुम्हें दिखाएं झांकी हिंदुस्तान की' बाल सभाओं में सबसे ज्यादा गाए जाने वाले गीतों में से एक है। बरसों तक इन्हीं के

भजनों से जाने कितने घरों में सुबह रोशन हुआ करती थी। कवि प्रदीप का एक परिचय देशभक्ति का संचार करने वाले गीत हैं तो दूसरा परिचय वे भजन हैं जिन्होंने हमें समय के पहले सचेत किया।

आज उन्हीं कवि प्रदीप की जयंती है। 6 फरवरी 1915 में मध्य प्रदेश के उज्जैन के बड़नगर में एक बालक का जन्म हुआ जिसे नाम मिला रामचंद्र नारायणजी द्विवेदी। घर में रामचंद्र को रामू कहा जाता था। बड़े भाई कृष्ण वल्लभ द्विवेदी अनुवादक, लेखक, कवि थे। उनकी विद्वता का असर छोटे भाई रामू पर भी हुआ। बड़े भाई गद्य के मनीषी थे तो छोटे भाई रामचंद्र ने काव्य को चुना। प्रदीप के नाम से लेखन शुरू किया और शुरुआती लेखन से ही श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। 15-16 बरस की उम्र में ही स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हुए। अंग्रेजों की लाठियां खाईं। महीनों अस्पताल में भर्ती रहे। यहीं से देशभक्ति के गीतों का लेखन शुरू हुआ।

सुधीर निगम द्वारा लिखी गई जीवनी में कवि प्रदीप के जीवन के बारे में विस्तार से बताया गया है। इसके अनुसार अहमदाबाद में काव्य पाठ के बाद एक परिचित के साथ मुंबई जाना हुआ और संयोग ऐसा बना कि कवि प्रदीप प्रख्यात फिल्मकार हिमांशु राय से उनके दफ्तर में मिले। उस समय वहां देविका रानी, अशोक कुमार, लीला चिटनिस, निर्देशक फ्रेंज आस्टिन, शषधर मुकर्जी और अमिय चक्रवर्ती जैसी हस्तियां मौजूद थीं। हिमांशु राय ने प्रदीप से एक गीत सुनाने के लिए कहा। यह फिल्मों में उनकी प्रवेश परीक्षा थी। प्रदीप ने गाया-

तुम हो कहो, कौन
अब तो खुलो, प्राण, मुंदकर रहो यों न!

प्रदीप का काव्य और स्वर जादू कर गया। हिमांशु राय ने फिल्म निर्माण कंपनी बाम्बे टॉकीज में गीतकार की नौकरी की पेशकश कर दी। मासिक वेतन पर मामला अटक गया। लोग हैरत में थे कि किशोर प्रदीप कैसे दिग्गज हिमांशु राय को इंकार कर रहे हैं। असल में प्रदीप को दो डर थे। एक तो यह कि वे हिमांशु राय के मन का चाहा लिख पाएंगे या नहीं और दूसरा, उन्हें लग रहा था कि वेतन के रूप में 60-70 रुपए मिलेंगे। मगर हिमांशु राय ने 200 रुपए वेतन तय किया तो वे हैरान रह गए।

आम आदमी की उम्मीदों को नया संबल देने वाला बजट

जयसिंह रावत

भारत सरकार ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नेतृत्व में 2025-26 का बजट प्रस्तुत किया है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने और आम नागरिकों की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाने का वादा करता है। इस बजट में सरकार ने हर वर्ग, खासतौर पर गरीब, युवाओं और महिलाओं के लिए कई योजनाओं की घोषणा की है, जो उनकी उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद करेंगे। इस बजट में कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, और सामाजिक कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया है। आइए जानते हैं इस बजट में क्या खास है और यह आम आदमी के लिए कैसे फायदेमंद हो सकता है।

सरकार ने किसानों के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं का प्रस्ताव किया है। कृषि क्षेत्र में अंडरएम्प्लॉयमेंट (कम रोजगार के अवसर) को संबोधित करने के लिए, वित्त मंत्री ने यह घोषणा की है कि 1.7 करोड़ किसान विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित होंगे। इसके तहत, एक राष्ट्रीय मिशन शुरू किया जाएगा जो उच्च उपज देने वाले बीजों के विकास पर केंद्रित होगा। साथ ही, कपास उत्पादन बढ़ाने के लिए एक 5 वर्षीय कार्यक्रम की शुरुआत की जाएगी। इसके अतिरिक्त, किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा ?5 लाख तक बढ़ा दी गई है, जिससे 7.7 करोड़ किसानों को ज्यादा वित्तीय सहायता मिलेगी।

बजट में अन्य क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय घोषणाएं की गई हैं। जैसे कि, भारत पोस्ट को एक बड़ा सार्वजनिक लॉजिस्टिक संगठन बनाने का प्रस्ताव है, जिससे देशभर में परिवहन और वितरण नेटवर्क को मजबूत किया जा सके। इसके अलावा, सरकार ने 50,000 अटल टिंकरिंग लैब्स स्थापित करने का लक्ष्य रखा है, जो 5 वर्षों में सरकारी स्कूलों में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, और गणित शिक्षा को बढ़ावा देंगी। इससे बच्चों को तकनीकी कौशल में बेहतर शिक्षा मिल सकेगी और वे भविष्य के लिए तैयार हो सकेंगे।

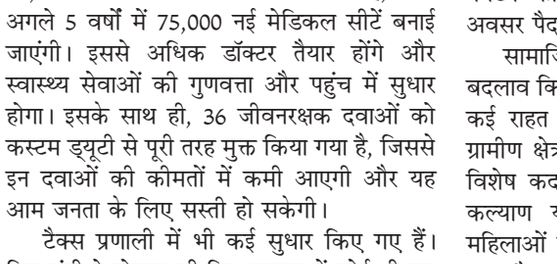

स्वास्थ्य क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। सरकार ने मेडिकल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 10,000 अतिरिक्त सीटों की घोषणा की है, और अगले 5 वर्षों में 75,000 नई मेडिकल सीटें बनाई जाएंगी। इससे अधिक डॉक्टर तैयार होंगे और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार होगा। इसके साथ ही, 36 जीवनरक्षक दवाओं को कस्टम ड्यूटी से पूरी तरह मुक्त किया गया है, जिससे इन दवाओं की कीमतों में कमी आएगी और यह आम जनता के लिए सस्ती हो सकेगी।

टैक्स प्रणाली में भी कई सुधार किए गए हैं। वित्त मंत्री ने घोषणा की कि आयकर में कोई भी कर ?12 लाख तक की आय पर नहीं लिया जाएगा। साथ ही, आयकर की दरों में बदलाव किया गया है। अब ?18 लाख तक की आय पर ?70,000 का कर लाभ मिलेगा और ?24 लाख तक की आय पर 30: टैक्स दर लागू होगी। यह बदलाव विशेष रूप से मध्यम वर्ग के लिए राहत की बात है, क्योंकि इससे उनकी कर का बोझ कम होगा। इसके अलावा, नए आयकर विधेयक में कई सुधारों की घोषणा की गई है, जिनसे करदाताओं के लिए प्रक्रिया को और सरल बनाया जाएगा।

बजट में छोटे और मझोले उद्योगों के लिए भी विशेष घोषणाएं की गई हैं। टर्म लोन के रूप में ?20 करोड़ तक की राशि दी जाएगी, जिससे उनके व्यवसाय को विस्तार मिलेगा और उन्हें अतिरिक्त पूंजी प्राप्त होगी। इसके अलावा, सरकार ने स्टार्टअप्स के लिए भी पांच साल तक कंपनी के पंजीकरण के लाभ को बढ़ाने का प्रस्ताव किया है, जिससे नए व्यवसायों को बढ़ावा मिलेगा।

परिवहन और उड्डयन क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की गई हैं। सरकार ने न्च्छ योजना के तहत 120 नए गंतव्यों को जोड़ने का प्रस्ताव किया है। इसके अलावा, बिहार में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट्स की योजना बनाई गई है, जिससे वहां की कनेक्टिविटी में सुधार होगा। इसके साथ ही, पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने शीर्ष 50 पर्यटन स्थलों के विकास का ऐलान किया है। इससे देशभर में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

सामाजिक कल्याण योजनाओं में भी बड़े बदलाव किए गए हैं। गरीबों और महिलाओं के लिए कई राहत योजनाएं तैयार की गई हैं। सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए विशेष कदम उठाए हैं और हर वर्ग के लिए जन कल्याण योजनाओं को लागू किया है। इसमें महिलाओं के लिए योजनाओं का खास ध्यान रखा गया है, ताकि उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके।

बजट में राष्ट्रीय भू-स्थानिक मिशन की भी घोषणा की गई है, जिसका उद्देश्य भविष्य में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही, दूसरा जीन बैंक स्थापित किया जाएगा, जो कृषि और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में अहम भूमिका निभाएगा। इस कदम से भारत को भविष्य में खाद्य संकट से निपटने में मदद मिलेगी और कृषि में और अधिक विकास होगा।

फाइनेंशियल इन्क्लूजन (आर्थिक समावेशन) के तहत, सरकार ने छोटे और मझोले व्यवसायों के लिए टैक्स संबंधित बाधाओं को कम करने का प्रस्ताव किया है। इसमें 100 प्रावधानों को अपराधमुक्त करने का प्रस्ताव किया गया है, जिससे लोगों को व्यवसाय में आसानी होगी और किसी भी प्रकार के कानूनी उलझनों से बचा जा सकेगा। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय लेन-देन में निर्धारण के लिए एक नई योजना की घोषणा की गई है, जिससे कंपनियों के लिए व्यापार में पारदर्शिता बढ़ेगी।

इस बजट में कुल ?47.16 लाख करोड़ का व्यय अनुमानित किया गया है, जिसमें ?10.18 लाख करोड़ का पूंजीगत व्यय शामिल है। सरकार ने इस साल के लिए ?31.47 लाख करोड़ के कुल प्राप्ति का अनुमान लगाया है, जिसमें ?25.57 लाख करोड़ की टैक्स प्राप्ति है। इस बजट में सरकार ने फिस्कल डेफिसिट को 4.8: तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है, और अगले साल 4.4: तक इसे कम करने का लक्ष्य रखा है। यह दर्शाता है कि सरकार आर्थिक प्रगति के साथ-साथ वित्तीय अनुशासन बनाए रखने के प्रति प्रतिबद्ध है।

कुल मिलाकर, बजट 2025-26 भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने के साथ-साथ हर वर्ग के लिए राहत और अवसरों का विस्तार करने वाला है। गरीब, युवा और महिलाओं के लिए कई योजनाओं के जरिए सरकार ने यह संकेत दिया है कि उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में यह बजट एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। यह बजट विशेष रूप से मध्यम वर्ग, किसान, छोटे व्यवसाय और छात्रों के लिए आशा की किरण है, जो इसे अपनी उम्मीदों को पूरा करने का एक अवसर मान रहे हैं।

इस बजट ने भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास की दिशा में कई ठोस कदम उठाए हैं, जो खासकर आम नागरिक, किसानों, युवाओं और छोटे व्यवसायों के लिए सकारात्मक बदलाव लाएंगे। वित्त मंत्री ने जिस तरह से सामाजिक कल्याण, बुनियादी ढांचा और आर्थिक समावेशन पर जोर दिया है, उससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार का उद्देश्य केवल आर्थिक वृद्धि नहीं, बल्कि समग्र समृद्धि है। आयकर में सुधार, कृषि क्षेत्र में निवेश, और स्वास्थ्य-शिक्षा जैसी योजनाओं के जरिए सरकार ने आम आदमी की उम्मीदों को नई दिशा दी है। इस बजट के जरिए भारत अपनी दीर्घकालिक विकास की यात्रा में और मजबूत कदम उठाएगा।

आज का इतिहास

1922 वाशिंगटन में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हथियारों को नियंत्रित और कम करने के लिए पंचमुखी समझौता हुआ।
1922 ब्रिटेन, फ्रांस, जापान, इटली और अमेरिका ने नौसेना हथियारों की दौड़ से बचने के लिए वाशिंगटन नेवल ट्रीटी पर हस्ताक्षर किए।
1928 अभिनेत्री मे क्लार्क ने शिकागो के नर्तक और हास्य अभिनेता लेव ब्रूस से शादी की।
1935 स्विट्जरलैंड, जर्मनी और आस्ट्रिया में हिमस्खलन में 14 लोग मारे गए।
1936 खोजियों के एक दल ने चार वर्ष के गहन प्रयास के बाद विश्व के सबसे ठंडे क्षेत्र का पता लगाया।
1937 के. एलिजाबेथ ओही प्रथम जापानी-अमेरिकी महिला वकील बनी।
1941 बेदा फॉम की लड़ाई लीबिया में शुरू हुई।
1951 अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।
1952 एलिजाबेथ द्वितीय ने इंग्लैंड की महारानी की गद्दी संभाली। वह उस समय महज 26 साल की थी।
1952 एलिजाबेथ द्वितीय यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और तीन अन्य राष्ट्रमंडल देशों के सिंहासन के लिए अपने पिता, जॉर्ज VI की मृत्यु पर पहुंच गई।
1958 मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब और कुछ प्रशंसकों और पत्रकारों को ले जाने वाला विमान पश्चिम जर्मनी के म्यूनिख में म्यूनिख-रीम हवाई अड्डे से उड़ान भरने के प्रयास में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें आठ खिलाड़ी और 15 अन्य मारे गए।
1976 अमेरिकी सीनेट की उपसमिति के समक्ष गवाही में, लॉकहीडप्रिडेंट कार्ल कोटचियन ने स्वीकार किया कि कंपनी ने जापानी प्राइमिनिस्टर काकूए तनाका के कार्यालय को रिश्वत के रूप में 3 मिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया था।
1981 बकिंघम पैलेस में प्रिंस ऑफ वेल्स ने लेडी डायना स्पेन्सर से विवाह का प्रस्ताव रखा।
1987 मैरी गौडरॉन को ऑस्ट्रेलिया की हाई कोर्ट की पहली महिला न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था।
1998 प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, बिल क्लिंटन, राष्ट्रपति का कहना है कि 'वह कभी भी इस देश से नहीं चलेंगे और जिस जोर से उन्होंने मुझे रखा है, उससे दूर चले जाएंगे।
2000 तारा हेलोनन फिनलैंड के पहली महिला अध्यक्ष चुनी गयी।
2000 द्वितीय चेचन युद्ध: रूस ने चेचन्या की राजधानी ग्रोज़नी पर कब्जा कर लिया, जिससे अलगाववादी चेचन सरकार निर्वासित हो गई।

राष्ट्रपति मुर्मू पर बेचारी लेडी का कटाक्ष दुर्भाग्यपूर्ण

ललित गर्ग

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर सोनिया गांधी की टिप्पणी को भारतीय जनता पार्टी एवं अन्य राजनीतिक दलों ने ही नहीं, बल्कि आम लोगों ने भी आपत्तिजनक, अशालीन एवं स्तरहीन बताया है। राष्ट्रपति भवन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। यह बयान न केवल गलत है, बल्कि राष्ट्रपति पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला है। संसद के बजट सत्र के पहले राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सोनिया गांधी ने जिस तरह एवं जिन शब्दों में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की, उस पर विवाद खड़ा हो जाना इसलिये स्वाभाविक है क्योंकि यह बयान दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण होने के साथ पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से ग्रस्त है। सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी भाषा और आरोपों को लेकर सतर्क, शालीन एवं शिष्ट रहे। विशेषत: कांग्रेस के नेता अक्सर अपने बोल, बयान एवं भाषा की शिष्टता से चुकते रहे हैं। भारत की लोकतांत्रिक और संवैधानिक व्यवस्था में सबसे प्रतिष्ठित पद राष्ट्रपति का है। लेकिन, सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जिस तरह से राजनीति प्रेरित होकर विचार एवं नीतियों की आलोचना करने की बजाय सीधा राष्ट्रपति पर कटाक्ष किया है, उससे इस पद की गरिमा को गहरा आघात लगा है।

राष्ट्रपति का अभिभाषण सरकार की नीतियों एवं योजनाओं को रेखांकित करता है, इसमें राष्ट्रपति की अपनी कोई विशिष्ट विचारधारा नहीं होती, इसलिए विपक्ष चाहे तो नीतियों एवं योजनाओं की आलोचना कर सकता है, यह उसका अधिकार होता है। वह इस अधिकार का उपयोग करता है और उसे करना भी चाहिए, लेकिन इस लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग राष्ट्रपति के व्यक्तित्व का छिद्रान्वेशन करना कैसे हो सकता है? यह अच्छा नहीं हुआ कि सोनिया गांधी ने अभिभाषण में व्यक्त विचारों के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी करने के स्थान पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पर ही कटाक्ष एवं तंज कस दिया। उन्हें यह कहने की आवश्यकता नहीं थी कि अभिभाषण के आखिर तक आते-आते राष्ट्रपति बहुत थक गई थीं। कठिनाई से बोल पा रही थीं। बेचारी महिला। पता नहीं सोनिया गांधी ने यह निष्कर्ष कैसे निकाल लिया और यदि निकाल भी लिया तो उन्हें उसे बेचारी महिला जैसे शब्दों में व्यक्त नहीं करना चाहिए था, यह उनकी राजनीति अशिष्टता, अशालीनता, अहंकार एवं अपरिपक्वता का ही द्योतक है। ऐसा लगता है कांग्रेस एवं उनके शीर्ष नेताओं की चेतना में स्वस्थ समालोचना के बजाय विरोध की चेतना मुखर रहती है। ऐसे अमर्यादित एवं अशोभनीय आलोचना ने राष्ट्रपति पद की अस्मिता एवं अस्तित्व पर सीधा एवं तीखा आक्रमण कर दिया है।

यह आश्चर्य का नहीं बल्कि सर्तकता, समयज्ञता एवं जागरूकता विषय है कि राष्ट्रपति भवन को सोनिया गांधी की टिप्पणी पर अपनी अप्रसन्नता व्यक्त करनी पड़ी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर सोनिया गांधी की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया देनी पड़ी है और कांग्रेस के बयान को न केवल गलत कहा, बल्कि इसे राष्ट्रपति पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला भी बताया। राष्ट्रपति ने हिंदी जो उनकी मातृभाषा नहीं है, फिर भी उन्होंने बहुत ही बेहतरीन एवं प्रभावी भाषण दिया, लेकिन कांग्रेस का शाही परिवार उनके अपमान पर उतर आया है। राष्ट्रपति भवन ने अपने बयान में कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने संबोधन के दौरान किसी भी पल थकी नहीं थीं, उन्होंने पूरे आत्मविश्वास और ऊर्जा के साथ संसद को संबोधित किया। विशेष रूप से जब वे हाशिए पर खड़े समुदायों, महिलाओं और किसानों के अधिकारों की बात कर रही थीं, तब वे और भी ज्यादा संकल्पित एवं ऊर्जा

से भरी हुए थीं। राष्ट्रपति को विश्वास है कि इन वर्गों की आवाज उठाना कभी भी थकावट का कारण नहीं बन सकता, बल्कि यह उनके कर्तव्य का एक अहम हिस्सा है। इसके अलावा, राष्ट्रपति भवन ने कांग्रेस नेताओं की हिंदी भाषा की समझ पर भी सवाल उठाए। बयान में कहा गया कि संभवत: ये नेता हिंदी भाषा की लोकोक्तियों और मुहावरों से भली-भांति परिचित नहीं हैं, जिसके कारण उन्होंने राष्ट्रपति के भाषण की गलत व्याख्या कर ली। राष्ट्रपति भवन ने कहा कि ऐसे भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण बयानों से बचा जाना चाहिए, जो न केवल अनावश्यक विवाद खड़ा करते हैं, बल्कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद की गरिमा को भी ठेस पहुंचाते हैं। राष्ट्रपति भवन ने कांग्रेस नेताओं के बयानों को खराब और दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए यह भी कहा कि इस तरह की टिप्पणियां पूरी तरह से अनुचित हैं और इन्हें टाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी भाषा और आरोपों को लेकर सतर्क रहें। राष्ट्रपति भवन की यह कठोर प्रतिक्रिया कांग्रेस नेताओं के लिये सबक एवं सीख बननी चाहिए।

स्वाभाविक रूप से कांग्रेस नेताओं और खुद प्रियंका गांधी ने सोनिया गांधी का बचाव किया, लेकिन यह समझा जा सके तो बेहतर होता कि उन्हें अपने शब्दों के चयन में सावधानी बरतनी चाहिए थी। ऐसे बयान ने न केवल गैरजिम्मेदाराना एवं विध्वंसात्मक इरादों को ही नहीं, छल-कपट की राजनीति को भी बेनकाब किया है। कांग्रेस न जाने क्यों मानसिक दुर्बलता की शिकार है कि उसे अंधेरे सायों से ही प्यार है। ऐसे राजनीतिक दलों एवं सोनिया गांधी जैसे राजनेताओं की आंखों में किरणें आंज दी जाएं तो भी वे यथार्थ को नहीं देख सकते। क्योंकि उन्हें उजालों के नाम से ही एलर्जी है। तरस आता है सोनिया जैसे राजनेताओं की बुद्धि पर, जो सूरज के उजाले पर कालिख पोतने का असफल प्रयास करते हैं, आकाश में पैबन्द लगाना चाहते हैं और सछिद्र नाव पर सवार होकर राजनीतिक सागर की यात्रा करना चाहते हैं। इसीलिये राष्ट्रपति भवन ने यह सही कहा कि सोनिया गांधी की ओर से जो टिप्पणी की गई, वह सर्वथा टालने योग्य थी। शीर्ष नेताओं को अपनी बात कहते समय पद की गरिमा के साथ अपने शब्द चयन में सावधानी बरतनी चाहिए। उस समय तो और भी जब टिप्पणी राष्ट्रपति के संदर्भ में की जा रही हो। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु जिस सामाजिक परिवेश और पृष्ठभूमि से आती हैं, उसे देखते हुए तो और भी संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। समस्या यह है कि सोनिया गांधी हों या राहुल गांधी, वे किसी की आलोचना करते समय शब्दों के सही चयन में प्राय: चूक कर जाते हैं। जब ऐसा होता है तो यही ध्वनित होता है कि गांधी परिवार के सदस्य अहंकार में डूब कर अपनी राजशाही मानसिकता का परित्याग नहीं कर पा रहे हैं।

सोनिया गांधी अपने आपको सक्षम राजनीतिज्ञ मानती होंगी, वे विरोध एवं व्यक्तिगत आलोचना की राजनीति की खिलाड़ी भी स्वयं को साबित करने में जुटी हो, भले ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरोध में सारी हदें लांघी हो, लेकिन भारत की राजनीति केवल विरोध पर जीवंत नहीं रह सकती। राजनीति में समालोचना नितांत अपेक्षित है, समालोचक होना और समालोचना करना बहुत बड़ी बात है, पर जब नेता सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्तित्व की गरिमा को ही खंडित करता है, अपने विवेक को गिरवी रखकर समालोचना करता है, उसे समालोचना नहीं, स्तरहीन विरोध ही कहा जायेगा। ऐसे विरोध के प्रति दया का भाव ही जताया जा सकता है, उसका उत्तर नहीं दिया जा सकता। आखिर निषेधात्मक भावों का उत्तर कब तक दिया जाए? कांग्रेस की इस श्रृंखला का कहीं अंत ही दिखाई नहीं देता। रचनात्मक समालोचना हो, तथ्यों के आधार पर हो, विवेकसम्मत हो तो उसके बारे में चिंतन भी किया जा सकता है। लोकतंत्र समालोचना का विरोधी नहीं है, बल्कि स्वस्थ एवं शालीन समालोचना का स्वागत ही होता है, इससे राजनीति परिपक्व एवं मजबूत होती है, किन्तु नमक की रोटी का क्या स्वागत किया जाए? कुछ आटा हो तो नमक की रोटी भी काम की हो सकती है। पर जिसमें कोरा नमक ही नमक हो, वह स्पृहणीय कैसे बन सकती है। प्रश्न है कि इस तरह की दूषित राजनीति एवं पूर्वाग्रहों के घनघोर परिवेश से लोकतंत्र एवं राष्ट्रपति जैसा सर्वोच्च पद कब तक आहत होता रहेगा? सोनियाजी राजनीति ही करनी है तो मूल्यों की राजनीति करो, देश सेवा की राजनीति करो, जनता के दिलों को जीतने की राजनीति करो। उजालों पर कालिख पोतने का प्रयास एवं चरित्र हनन के उद्देश्य से किया जाने वाला ऐसा राजनीतिक प्रयत्न कितना जघन्य होता है, समझने वाली जनता अच्छी तरह समझती है।

अमेरिका ने कनाडा-मेक्सिको चीन को दिखाए तेवर

दीपक कुमार शर्मा

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अपने संरक्षणवादी एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए कनाडा, मेक्सिको व चीन से आयात होने वाले सामान पर व्यापक टैरिफ लगाया जाना और बदले में तीनों देशों की तरफ से दिखी प्रतिशोधात्मक प्रतिक्रियाएं दुनिया में व्यापार युद्ध की शुरुआत की तरफ इशारा कर रही हैं, जिसके नतीजे भारत समेत दूसरी सभी अर्थव्यवस्थाओं को निश्चित ही प्रभावित कर सकते हैं। ट्रंप दरअसल, अपनी 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के तहत अमेरिका में औद्योगिक उत्पादन बढ़ाने और व्यापार घाटे को कम करने की कोशिश कर रहे हैं और उनका मानना है कि इन देशों के साथ असंतुलित व्यापार समझौते अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदेह हैं। इसके अतिरिक्त, जैसा व्हाइट हाउस पहले भी स्पष्ट कर चुका है कि अमेरिका में अवैध आप्रवासन और प्रतिबंधित दवाओं को रोकने के अपने वादों को पूरा करने के लिए ही ट्रंप ने मेक्सिको, कनाडा और चीन पर कार्रवाई स्वरूप टैरिफ लगाने का निर्णय लिया है। हालांकि इस तरह के टैरिफ, खासकर भोजन, ईंधन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ाएंगे, जिससे अमेरिका के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अमेरिका के शीर्ष आयातक और सबसे महत्वपूर्ण व्यापार भागीदारों में शामिल कनाडा ने जवाबी टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है, तो मेक्सिको ने भी ऐसे ही कदम उठाने की बात की है, और चीन ने इस मामले को विश्व व्यापार संगठन में ले जाने का इरादा जताया है, जिससे यह लड़ाई लंबी खिंचने की आशंका पैदा हो गई है। ट्रंप के फैसले की पहली लहर में भारत का नाम नहीं होने से वह फिलहाल राहत में है, जो अमेरिका के कुल व्यापार घाटे में महज 3.2 फीसदी का योगदान देता है और नौवां सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। फिर भी टैरिफ का खेल यदि आगे बढ़ता है, जैसी आशंका भी जताई जा रही है, तो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के प्रभावित होने से भारत पर भी असर पड़ सकता है। हालांकि शुक्रवार को जारी आर्थिक सर्वेक्षण स्पष्ट करता है कि व्यापक स्तर पर, भारत की टैरिफ नीति समय के साथ विकसित हुई है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था में एकीकृत होने की आवश्यकता के साथ घरेलू नीति लक्ष्यों को संतुलित करती है। इसके बावजूद आशंका है कि यदि व्यापार युद्ध गहराता है, तो अस्थिरता बढ़ेगी, जिससे रुपये पर दबाव बढ़ सकता है। इससे अगर वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो मुद्रास्फीति का संकट भी गहरा सकता है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी की इसी माह संभावित अमेरिका की यात्रा पर तो नजर रहेगी ही, बहुपक्षीय व्यापार समझौतों को मजबूत करने और नई व्यापारिक साझेदारियों पर सतर्कतापूर्वक ध्यान देने की रणनीति भी कारगर साबित हो सकती है।

अनिश्चितताओं के बीच अर्थव्यवस्था की फिक्र

अशोक कुमार लाहिड़ी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आठवीं बार पेश केंद्रीय बजट में भारतीय अर्थव्यवस्था की असंख्य जरूरतों को ध्यान में रखते हुए संतुलन बनाया गया है। इस संतुलन में कृषि के साथ-साथ विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देना, एक ही समय में निवेश और खपत को बढ़ावा देना, मध्यम वर्ग को कर में छूट देना, सरकारी व्यय को बढ़ाना और राजकोषीय समेकन करना शामिल है।

वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही यानी अप्रैल-सितंबर 2024 चुनौतीपूर्ण समय था। सरकारी खर्च में कुल मिलाकर कमी आई, असुरक्षित ऋण में कसावट आई, खपत मांग में कमी आई, मानसून में देरी हुई और मुद्रास्फीति बढ़ी। वर्ष 2024-25 में जीडीपी वृद्धि पिछले वर्ष के 8.2 प्रतिशत से घटकर लगभग 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

हालांकि भारत विश्व में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है, फिर भी 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पाने के लिए आठ प्रतिशत या उससे अधिक की दर से विकास करने की आवश्यकता है। वित्त मंत्री ने लोगों की दीर्घकालिक आकांक्षाओं के साथ-साथ उनकी वर्तमान जरूरतों और मांगों को ध्यान में रखते हुए अपना 2025-26 का बजट तैयार किया है। सुस्त अर्थव्यवस्था के कारण, 2024-25 में संशोधित अनुमान (आरई) में राजस्व बजट अनुमान (बीई) से 41,240 करोड़ रुपये कम हो गया है। संशोधित अनुमान में राजस्व व्यय बजट अनुमान से केवल 11,343 करोड़ रुपये कम होने के कारण संशोधित अनुमान में राजस्व घाटा बजट अनुमान से 29,897 करोड़ रुपये अधिक है। संशोधित अनुमान पर अन्य गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियां भी बजट अनुमान स्तर से कम होने तथा मुद्रास्फीति के खतरे के बावजूद, सरकार को उम्मीद है कि संशोधित अनुमान पर राजकोषीय घाटे को बजट अनुमान स्तर से 43,785 करोड़ रुपये कम 15,69,527 करोड़ रुपये पर रखा जा सकेगा। इसके लिए वह संशोधित अनुमान स्तर पर पूंजीगत व्यय को बजट अनुमान स्तर से 92,682 करोड़ रुपये कम करेगी। बजट में आपूर्ति और मांग पक्ष के उपायों का विवेकपूर्ण

मिश्रण किया गया है। मसलन, कृषि में, आपूर्ति पक्ष पर, कम उत्पादकता वाले 100 जिलों में कृषि उत्पादकता बढ़ाने, फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने, फसल कटाई के बाद भंडारण बढ़ाने, सिंचाई सुविधाओं में सुधार करने और दीर्घकालिक व अल्पकालिक ऋण उपलब्धता को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना है।

दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन का उद्देश्य दालों की आपूर्ति बढ़ाना है, जिसमें तूर, उड़द और मसूर पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। बिहार में मखाना बोर्ड के गठन की घोषणा से इसकी आपूर्ति को बढ़ावा देने का प्रस्ताव रखा गया है। भारतीय विशेष आर्थिक क्षेत्र और गहरे समुद्र से मत्स्य पालन को बढ़ावा देने, कपास उत्पादकता के लिए मिशन और स्वदेशी यूरिया उत्पादन बढ़ाने की योजना भी है। विनिर्माण क्षेत्र में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के विकास को प्रोत्साहित करने और आपूर्ति बढ़ाने के लिए उनके निवेश, टर्नओवर और ऋण सीमा को बढ़ाया गया है। फुटवियर और चमड़ा, खिलौना, जहाज निर्माण और परमाणु ऊर्जा उद्योगों के लिए विशेष योजनाएं हैं। बजट में निर्यात ऋण, सीमा पार बुरे ऋण के जोखिमों को खत्म करने के लिए सहायता और विदेशी बाजारों में गैर-टैरिफ उपायों से निपटने के लिए एमएसएमई को सहायता जैसे उपायों के जरिये निर्यात बढ़ाने का भी प्रस्ताव है, जिसमें व्यापार दस्तावेजीकरण और वित्तपोषण समाधान के लिए एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म 'भारत ट्रेडनेट' (बीटीएन) और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ बेहतर एकीकरण शामिल है।

भारत में बीमा की पहुंच बहुत कम है और स्थिति को सुधारने के लिए बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा को 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है। बजट 2025-26 में चिकित्सा पर्यटन सहित पर्यटन को बढ़ावा देने के उपाय भी शामिल हैं। इसके अलावा, बजट में व्यापार सुगमता के लिए कई कदम उठाए गए हैं, जिसमें 180 से ज्यादा दूसरे प्रावधानों को अपराधमुक्त करना, केवाईसी प्रक्रिया को आसान बनाना, कंपनियों के विलय और दूसरे नियामक सुधार शामिल हैं। वित्त मंत्री ने जिस नए सरलीकृत आयकर विधेयक का वादा किया है, उससे न सिर्फ कारोबार को आसान बनाने में मदद मिलेगी, बल्कि जीवन जीने में भी आसानी होगी।

मानव पूंजी निर्माण को बढ़ाने के लिए सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के तहत पोषण सहायता के लिए लागत मानदंडों को बढ़ाने, भारतनेट परियोजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सभी सरकारी माध्यमिक विद्यालयों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करने, आईआईटी की छात्र क्षमता को 6,500 तक बढ़ाने और अगले 5 वर्षों में 75,000 सीटें जोड़ने, मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में 10,000 यूजी और पीजी सीटें जोड़ने का प्रस्ताव है। वर्ष 2025-26 के बजट अनुमान में, सरकार ने 2024-25 (संशोधित अनुमान) से पूंजीगत व्यय को 1,02,661 करोड़ रुपये बढ़ाकर 11.21,090 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव रखा है। इसमें से अधिकांश खर्च बुनियादी ढांचे पर होगा। उम्मीद है कि इससे प्रतिदिन सड़क निर्माण में फिर से तेजी आएगी।

सरकार ने सालाना 12.75 लाख रुपये से कम आय वाले लोगों को छूट देने का प्रस्ताव रखा है, उन्हें कोई व्यक्तिगत आयकर नहीं देना होगा। मूल छूट सीमा में बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन कर स्लैब में संशोधन किया गया है। जबकि स्ट्रीट वेंडरों के लिए पीएम स्वनिधि और ग्रामीण परिवारों के लिए जल जीवन मिशन जैसी कई नई कल्याणकारी योजनाएं हैं।

आखिरी शॉट में भाजपा को 36 वाली बाउंड्री पार करा पाएंगे नड्डा?

अभिनय आकाश

दिल्ली में 5 फरवरी को वोट डाले जाने हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ढाई दशक के सामने भारतीय जनता पार्टी का राजनीतिक वनवास खत्म करवाने की चुनौती है। पिछले ढाई दशक में जब जब विधानसभा के चुनाव हुए हैं तो बीजेपी को यहां शिकस्त ही मिली है। कहा जाता है कि देश ही नहीं दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी के लिए दिल्ली सबसे कमजोर कड़ी साबित होती रही है। जेपी नड्डा का कार्यकाल पिछले साल फरवरी 2024 में ही पूरा हो गया था लेकिन लोकसभा चुनाव और फिर राज्यों के विधानसभा चुनाव के मध्य नजर इसे बढ़ाया जाता रहा। बीजेपी के संविधान के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले 50% राज्य इकाई का संगठन आत्मक चुनाव होना अनिवार्य है। अब राजनीतिक पंडित यही सवाल उठा रहे हैं कि क्या कार्यकाल के आखिरी बॉल पर नड्डा बीजेपी को बहुमत के 36 वाले आंकड़े को पार करा पाएंगे?

कुशल रणनीतिकार होने के साथ ही नड्डा पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह के विश्वासपात्र भी माने जाते रहे हैं। कठिन से कठिन कामों को सूझबूझ और सरलता से सुलझाने में माहिर नड्डा भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए। पीएम मोदी और अमित शाह दोनों के साथ जेपी नड्डा के रिश्ते काफी अच्छे रहे हैं। बता दें कि नरेंद्र मोदी जब हिमाचल प्रदेश के प्रभारी थे उस वक्त जेपी नड्डा और मोदी साथ में काम किया करते थे। दिल्ली के अशोक रोड स्थित भाजपा के पुराने मुख्यालय के आउट हाउस में दोनों एक साथ रहा करते थे। भाजपा के अध्यक्ष अमित शाह से भी नड्डा की करीबी काफी पुरानी है। शाह जब जनता युवा मोर्चा के कोषाध्यक्ष थे तो नड्डा भाजयुमो के अध्यक्ष थे।

जय प्रकाश आंदोलन से प्रभावित होकर छात्र राजनीति की ओर कदम बढ़ाने वाले नड्डा ने वैसे तो बीजेपी की छात्र ईकाई एवीबीपी से राजनीति में एंट्री ली। फिर 1993 में बिलासपुर के विधायक के रूप में पहली बार विधानसभा पहुंचे। लेकिन अगर बाद

साल 2019 के अप्रैल महीने की करें तो नरेंद्र मोदी सरकार पार्ट 2 के शपथ ग्रहण सामरोह में एक नाम ऐसा था जिस पर हर किसी निगाहें टिकी थी, वो नाम था मोदी के सिपहसालार अमित शाह का। यह कयास लगाए जा रहे थे कि शाह मंत्री पद संभालेंगे कि नहीं। लेकिन तमाम अटकलों पर विराम लगाते हुए अमित शाह ने मंत्री पद की शपथ भी ली और देश के गृह मंत्री भी बन गए। जिसके बाद अटकलों का बाजार देश की सबसे बड़ी पार्टी के नए अध्यक्ष को लेकर गर्म हो गया। पिछले मोदी सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे जगत प्रकाश नड्डा के इस बार मंत्री नहीं बनने के बाद से ही उनका नाम भाजपा के अध्यक्ष पद के लिए सबसे आगे चल रहा था। नड्डा को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। उसके तुरंत बाद जनवरी के महीने में जगत प्रकाश नड्डा भारतीय जनता पार्टी के नए अध्यक्ष चुन लिए गए। उन्हें तीन वर्षों के लिए भाजपा का अध्यक्ष चुना गया। बिहार के विधानसभा चुनाव व उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक आदि राज्यों में अभी हाल ही में संपन्न हुए कुछ विधानसभा सीटों के उपचुनावों में भाजपा को मिली जबरदस्त सफलता ने देश के अधिकांश राजनीतिक विश्लेषकों के आकलन को जहां एक तरफ न सिर्फ धता बताया बल्कि सभी को चौकांया क्योंकि अधिकांश राजनीतिक विश्लेषकों व बहुत सारे राजनेताओं का चुनाव से पहले व चुनाव के दौरान मत था कि देश में कोरोना महामारी की वजह से जगह-जगह उत्पन्न हुई विभिन्न प्रकार की बेहद गंभीर समस्याओं के चलते, भाजपा को इन चुनावों में जनता का सामना करने में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ेगा, जिसके परिणामस्वरूप चुनाव परिणामों में हार के चलते भाजपा को जबरदस्त निराश हाथ लगेगी। लेकिन जब बिहार व अन्य राज्यों के चुनाव परिणाम सभी के सामने आये तो भाजपा ने जीत का सेहरा अपने सिर बांधकर सभी चुनावी विश्लेषकों व चुनावों में परास्त हुए राजनीतिक दलों को गहन आत्ममंथन करने पर मजबूर कर दिया है।

पूरा कार्यकाल पार्टी के लिए मिले-जुले परिणाम वाला रहा है। 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को लगातार दूसरी बार बहुमत मिलने पर तत्कालीन अध्यक्ष अमित शाह को केंद्रीय गृह मंत्री बनाए जाने के बाद नड्डा को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। उसके तुरंत बाद हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली में विधानसभा चुनाव हुए। हरियाणा में बहुमत से वंचित बीजेपी को नई बनी क्षेत्रीय पार्टी जेजेपी से गठबंधन कर सरकार बनानी पड़ी, लेकिन पांच साल बाद 2024 के चुनाव में सत्ता की %हैट्रिक% से पार्टी ने सारी भरपाई कर ली। महाराष्ट्र में बीजेपी और शिवसेना में तकरार के चलते सरकार बनने-बिगड़ने का खेल लंबा चला। लेकिन 2024 में हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन की एकतरफा जीत ने उसके तमाम प्रयोगों पर कामयाबी की मुहर लगा दी।

कहा जाता है कि देश की सत्ता का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर जाता है। जब लोकसभा चुनाव अपने चरम पर था और उत्तर प्रदेश में बसपा-सपा-रालोद की तिकड़ी महागठबंधन के जरिए चमत्कार के सपने संजो रही थी और सभी राजनीतिक पंडित इस चुनाव में भाजपा के यूपी में खराब प्रदर्शन करने की भविष्यवाणी करते दिख रहे थे। उस वक्त एक शख्स बूथ लेवल से लेकर प्रदेश की सियासी गलियों को भापंने व नांपने में लगे था। वो नाम था हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश के प्रभारी जेपी नड्डा। परिणाम जब सामने आए महागठबंधन का कुनबा ही बिखड़ गया और भाजपा ने सूबे की 62 सीटें अपने नाम कर ली। वहीं विधानसभा चुनाव के परिणाम ने तो इतिहास बदला नहीं बल्कि पहली बार दोबारा जीत के साथ इतिहास बना दिया। क्या राजस्थान, क्या मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ नड्डा के कार्यकाल में एक एक कर सियासी सफलता दर्ज होते चले गए। याद कीजिए 2018 का वो साल लोकसभा चुनाव से ठीक पहले बीजेपी के हाथों से कांग्रेस ने तीन अहम राज्यों को छीन जैसे संजीवनी पा लिया था। लेकिन ज्योतिरादित्य सिंधिया के दल बदल से मध्य प्रदेश में तो बीजेपी सरकार बनाने में कामयाब हो गई। बाकी दो राज्यों के लिए उसे पांच साल इंतजार करना पड़ा।

दो लोकसभा चुनावों में एकतरफा जीत हासिल करने वाली बीजेपी के लिए विधानसभा पर कब्जा ख्वाब ही रहा। पार्टी को 2013 में 33% तो 2015 में 32.3% वोट हासिल हुए। 2020 में बीजेपी के वोट प्रतिशत में 6% की बढ़ोतरी हुई। लेकिन वह जीत से कोसों दूर रही। दिल्ली के वोटरों ने केंद्रीय राजनीति के लिए प्रधानमंत्री मोदी पर भरोसा तो जताया, लेकिन दिल्ली के लिए केजरीवाल उसकी पसंद बने रहे। शायद यही वजह है कि आप बार-बार बीजेपी के मुख्यमंत्री के चेहरे का सवाल उछाल रही है। इसके जरिए केजरीवाल खुद को भावी मुख्यमंत्री के रूप में स्थापित भी कर रहे हैं।

बीजेपी की कामयाबी तीसरे दल की ताकत पर ज्यादा निर्भर करती है। 1993 में हुए विधानसभा चुनाव में जनता दल को 12% से कुछ ज्यादा वोट मिले थे, जिसने पार्टी की जीत में भूमिका निभाई थी। अगले चुनाव में जनता दल अपने अंतर्विरोधों के चलते खत्म हो गया तो कांग्रेस को बढ़ने का मौका मिला। इस बार कांग्रेस पूरा दमखम लगा रही है। अगर वह जनता दल की तरह 12-15% तक वोट हासिल करने में सफल हुई तो भाजपा की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। बहरहाल, नड्डा की ख्वाहिश होगी की अध्यक्ष पद से उनकी विदाई दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत के साथ हो। हालांकि यह इतना भी आसान नहीं होगा लेकिन असंभव तो कतई नहीं है।

दिल्ली के छतरपुर सीट पर तंवर बनाब तंवर

अनन्या मिश्रा

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में छतरपुर विधानसभा सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी के बीच दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल रहा है। तो वहीं कांग्रेस पार्टी भी अपने पूरे

दमखम के साथ चुनाव मैदान में उतरी है। दिल्ली में कुल 70 विधानसभा सीटें और इन सभी सीटों पर 05 फरवरी को मतदान हुआ। वहीं चुनावी नतीजे 08 फरवरी घोषित किए जाएंगे। बता दें कि छतरपुर विधानसभा सीट पर इस बार भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच मुख्य मुकाबला है। इस सीट पर वर्तमान समय में आम आदमी पार्टी का कब्जा है। आप ने इस बार भाजपा का दामन छोड़कर पार्टी में शामिल हुए ब्रह्म सिंह तंवर को अपना प्रत्याशी बनाया है। तो वहीं भाजपा ने आप के पूर्व विधायक करतार सिंह को चुनावी मैदान में उतारा है। कांग्रेस पार्टी की तरफ से राजेंद्र सिंग तंवर चुनाव मैदान में उतरे हैं। इस सीट के इतिहास की बात करें, तो यह साल 2008 में परिसीमन के बाद अस्तित्व में आई थी। साल 2011 के अनुसार, छतरपुर की आबादी करीब 99,519 थीं। इसमे पुरुष 53 प्रतिशत और महिलाओं की आबादी 47 प्रतिशत थी। यहां पर साक्षरता दर 69 प्रतिशत है। जिसमे पुरुष साक्षरता 75 प्रतिशत और महिला साक्षरता 62 प्रतिशत है। इससे पहले साल 2008 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने इस सीट पर पहली बार जीत हासिल की थी। कांग्रेस प्रत्याशी बलराम तंवर ने भाजपा के उम्मीदवार को करीब 5 हजार वोट से हराया था। 2008 के बाद इस सीट पर कांग्रेस जीत नहीं हासिल कर सकी। साल 2013 के चुनाव में छतरपुर विधानसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी ब्रह्म सिंह तंवर विधायक चुने गए थे। वहीं कांग्रेस के बलराम तंवर करीब 34 हजार वोटों के साथ दूसरे नंबर पर थे। इसके साथ ही आप प्रत्याशी ऋषि पाल को 22 हजार वोट मिले थे। साल 2015 के विधानसभा चुनाव में आप पार्टी ने छतरपुर विधानसभा सीट पर बाजी मारी थी। आप प्रत्याशी करतार सिंह तंवर ने 67,644 वोट हासिल कर जीत दर्ज की थी। करतार सिंह ने भाजपा के ब्रह्म सिंह तंवर को 22 हजार से अधिक वोटों से हराया था। भाजपा के ब्रह्म सिंह तंवर को कुल 45,405 वोट मिले थे।

चाइल्ड काउंसलर बनकर संवारें अपना भविष्य

एक चाइल्ड काउंसलर के पास संभावनाओं की कमी नहीं है। वह स्कूल से लेकर हॉस्पिटल्स तक में काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न एनजीओ व बच्चों के लिए काम कर रही संस्थाओं में उनकी आवश्यकता होती है। वहीं आप स्पेशल स्कूल्स या बाल सुधार गृह में भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आज के तनावपूर्ण जीवन में सिर्फ बड़े ही नहीं, बल्कि बच्चे भी कई तरह की परेशानियों जैसे माता-पिता व अन्य लोगों से रिश्ते, एग्जाम प्रेशर व पीयर प्रेशर आदि से दो-चार होते हैं। यहां सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि वह अपनी परेशानी किसी से शेयर नहीं करते और कई बार तो अपनी परेशानियों को मन में ही रखने के कारण वह अवसादग्रस्त हो जाते हैं। ऐसे में उनकी परेशानियों को समझकर उन्हें अंधेरे से निकालकर उजाले में लाने का काम करते है चाइल्ड काउंसलर। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां पर व्यक्ति को दूसरों की सहायता करके एक अजीब सी संतुष्टि का अनुभव होता है।

क्या होता है काम

एक चाइल्ड काउंसलर बच्चों के व्यवहार और भावनात्मक मुद्दों पर उनकी सहायता प्रदान करते हैं। साथ ही वह बच्चों के डेवलपमेंट मुद्दों जैसे चिंता, नींद, पर्सनैलिटी डिसआर्डर व ईटिंग डिसआर्डर को भी दूर करते हैं। उनका मुख्य काम पहले बच्चों के साथ एक रिश्ता विकसित करना होता है ताकि वह अपने मन की उन बातों को भी साझा करें, जिसे वह किसी से भी नहीं कह पाते। इसके बाद वह उनकी बातों को सुनकर व उसके हाव-भावों के जरिए उसके मन की परेशानी को गहराई से समझते हैं। वह न सिर्फ बच्चों को काउंसिल करता है, बल्कि समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए पैरेंट्स को भी काउंसिल करते हैं। जिससे माता-पिता बच्चों के मन की बात समझकर उनके लिए सपोर्ट सिस्टम बन सकें।

स्किल्स

जो लोग एक सफल चाइल्ड काउंसलर बनना चाहते हैं, उनमें कम्युनिकेशन स्किल्स व इंटरपर्सनल स्किल्स काफी अच्छे होने चाहिए। इसके अतिरिक्त उसमें बच्चे को आसानी से सहज करने व बेहतरीन तालमेल बिठाने की भी क्षमता होनी चाहिए। अगर आप सच में एक बेहतरीन चाइल्ड काउंसलर बनने की इच्छा रखते हैं तो आपको तटस्थ व निष्पक्ष होकर बच्चे की बातों को सुनना व समझना चाहिए। अधिकतर बच्चे अपने दोस्तों या माता-पिता को महज इसलिए अपनी बात नहीं बताते क्योंकि उन्हें लगता है कि वह उनकी बात नहीं समझेंगे या फिर उन्हें गलत समझेंगे। ऐसा अनुभव उन्हें चाइल्ड काउंसलर की बातों से नहीं होना चाहिए। आपके भीतर यह क्षमता होनी चाहिए कि आप बच्चों को यह विश्वास दिला सके कि आप उनकी बातों को सुनेंगे, जज नहीं करेंगे।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए 12वीं के बाद साइकोलॉजी में बैचलर डिग्री कर सकते हैं। साइकोलॉजी में ग्रेजुएशन करने के बाद आप साइकोलॉजी में मास्टर डिग्री या पीजी डिप्लोमा इन गाइंडेस व काउंसिलिंग कर सकते है। इसके बाद एमफिल या पीएचडी भी की जा सकती है।

संभावनाएं

एक चाइल्ड काउंसलर के पास संभावनाओं की कमी नहीं है। वह स्कूल से लेकर हॉस्पिटल्स तक में काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न एनजीओ व बच्चों के लिए काम कर रही संस्थाओं में उनकी आवश्यकता होती है। वहीं आप स्पेशल स्कूल्स या बाल सुधार गृह में भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं। वहीं आप खुद का सेंटर भी खोलकर काम कर सकते हैं।

आमदनी

अगर वेतन की बात की जाए तो इसमें सैलरी से अधिक मानसिक संतुष्टि को महत्व दिया जाता है। वहीं एक स्कूल में नियुक्त काउंसलर 15000 से 20000 रूपए प्रतिमाह कमा सकता है। वहीं एक अनुभवी चाइल्ड काउंसलर की सैलरी एक बड़े स्कूल में 25000 से 30000 तक हो सकती है। इसके अतिरिक्त अगर आप किसी प्रतिष्ठित प्राइवेट हॉस्पिटल में काम कर रहे हैं तो आपकी सैलरी 30000 या उससे अधिक हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- अंबेडकर यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- पंजाब यूनिवर्सिटी, पंजाब
- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ काउंसिलिंग, नई दिल्ली

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नौकरी के अवसर और स्कोप

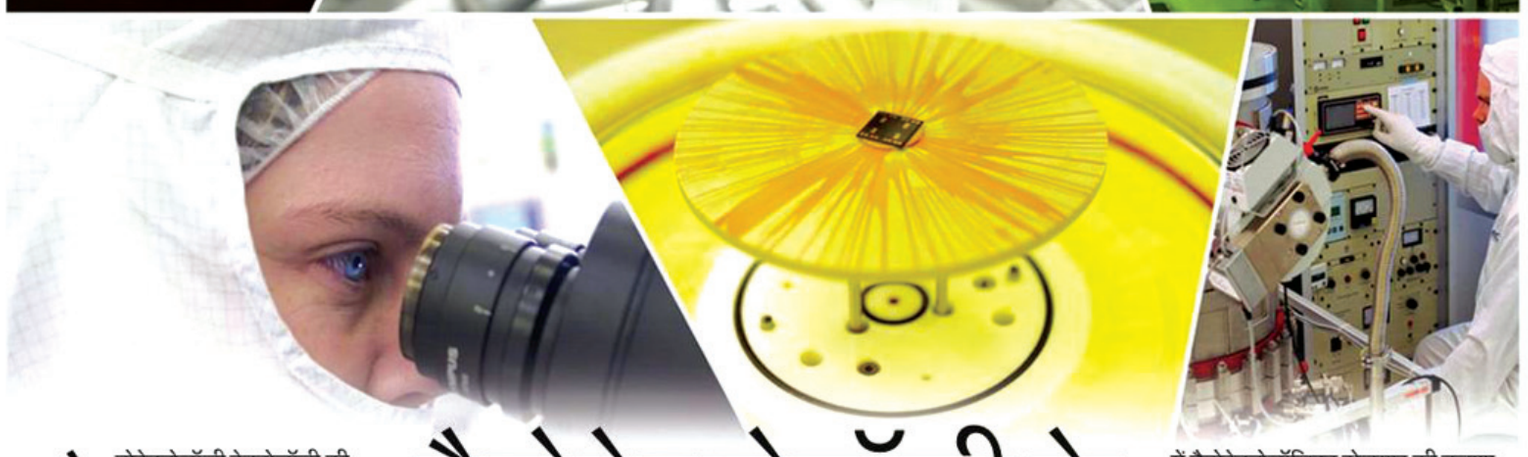

नैनोटेक्नोलॉजी टेक्नोलॉजी की एक ब्रांच होती है। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है।

नैनोटेक्नोलॉजी क्या होती है?

नैनोटेक्नोलॉजी विज्ञान और प्रौद्योगिकी का वह फील्ड है जिसमें नैनोकणों और सामग्रियों को विकसित किया जाता है, जिनका आकार नैनोमीटर की सीमा के भीतर होता है। नैनोटेक्नोलॉजी एक उभरता हुआ क्षेत्र है जो लगभग हर तकनीकी अनुशासन - रसायन विज्ञान से लेकर कंप्यूटर विज्ञान तक - अत्यंत सूक्ष्म सामग्रियों के अध्ययन और अनुप्रयोग में संलग्न है। यह अकादमिक और शोध से संबंधित शीर्ष रैंक वाले विषयों में से एक है। नैनोटेक्नोलॉजी टेक्नोलॉजी की एक ब्रांच होती है। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है। यह हमारे जीवन में क्रांति लाने और कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण और चिकित्सा में हमारी समस्याओं के तकनीकी समाधान प्रदान करने की विशाल क्षमता के साथ अनुसंधान के क्षेत्र का तेजी से विस्तार कर रहा है।

मास्टर पाठ्यक्रम

- नैनोटेक्नोलॉजी में एमएससी
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एमएससी
- नैनोटेक्नोलॉजी में एमटेक
- सामग्री विज्ञान और नैनो प्रौद्योगिकी में एमटेक
- नैनो प्रौद्योगिकी और नैनो सामग्री में एमटेक

डॉक्टरेट पाठ्यक्रम

- नैनोटेक्नोलॉजी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी

नैनोटेक्नोलॉजी डिग्री क्या है?

यह भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और आणविक जीव विज्ञान के साथ एक बहु-विषयक प्राकृतिक विज्ञान पाठ्यक्रम है।

पाठ्यक्रम और पात्रता

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में शिक्षा स्नातकोत्तर स्तर और डॉक्टरेट स्तर पर प्रदान की जाती है। भारत में कोई भी संस्थान नैनोटेक्नोलॉजी में स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान नहीं करता है। मैटेरियल साइंस, मैकेनिकल, बायोमेडिकल, केमिकल, बायोटेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर साइंस में बीटेक डिग्री या भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बीएससी रखने वाले उम्मीदवार नैनो टेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकते हैं। नैनोटेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बीएससी या सामग्री विज्ञान / यांत्रिक / जैव चिकित्सा / रसायन / जैव प्रौद्योगिकी / इलेक्ट्रॉनिक्स / कंप्यूटर विज्ञान में बीटेक उत्तीर्ण होना चाहिए।
पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को मैकेनिकल, केमिकल, इलेक्ट्रॉनिक, बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस आदि में एमटेक या फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैटेरियल साइंस, बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस आदि में एम.एससी पास होना चाहिए। उम्मीदवार 5 साल की अवधि के लिए नैनो टेक्नोलॉजी (डुअल डिग्री) में बीटेक + एमटेक भी चुन सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी का स्कोप क्या है?

आने वाली पीढ़ियों में इसका बहुत बड़ा स्कोप है। आईटी और इंटरनेट की तुलना में यह तीसरा सबसे अधिक फलता-फूलता क्षेत्र है। भारत में बैंगलोर और चेन्नई आईटी और मेडिसिन के विनिर्माण केंद्र हैं। भारत सरकार ने पहले ही नैनोसाइंस और नैनो टेक्नोलॉजी और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग जैसी विभिन्न फंडिंग एजेंसियों को शुरू कर दिया है।

नैनोटेक्नोलॉजी के लिए करियर विकल्प क्या हैं?

नैनोटेक्नोलॉजी में विशेषज्ञ या वैज्ञानिकके के रूप में नौकरी मिल सकती है। जिन क्षेत्रों में नैनोटेक्नोलॉजिस्ट रोजगार की तलाश कर सकते हैं उनमें जैव प्रौद्योगिकी, कृषि, भोजन, आनुवंशिकी, अंतरिक्ष अनुसंधान, चिकित्सा आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान आदि में भी नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं। पीएचडी वाले उम्मीदवार विश्वविद्यालयों और कॉलेजों या अनुसंधान क्षेत्रों में संकाय सदस्यों के रूप में भी शामिल हो सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी में जॉब रोल्स क्या हैं?

- नैनोटेक्नोलॉजिस्ट
- वैज्ञानिक
- शोधकर्ता
- प्रोफेसर
- खाद्य वैज्ञानिक
- इंजीनियर चिकित्सा वैज्ञानिक

उद्योग / कंपनियां / जो इन पेशेवरों को नियुक्त करते हैं :

- इलेक्ट्रॉनिक्स / सेमीकंडक्टर उद्योग
- विनिर्माण उदयोग
- जैव प्रौद्योगिकी
- दवाइयों
- चिकित्सा क्षेत्र
- पर्यावरण
- विश्वविद्यालयों
- उत्पाद आधारित कंपनियां (खाद्य)
- अनुसंधान प्रयोगशाला

वेतन

फ्रेशर के लिए लगभग 20,000/- से 30,000 रुपये प्रति माह और अनुभवी उम्मीदवारों के लिए 1 लाख रुपये प्रति माह के वेतन की उम्मीद की जा सकती है।

नैनोटेक्नोलॉजी ऑफर करने वाले भारत के शीर्ष कॉलेज:

- भौतिकी विभाग, आईआईएससी, बैंगलोर
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी स्कूल, एनआईटी, कालीकट
- एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो-टेक्नोलॉजी, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा

सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस सेक्रेटरी से मैनेजर तक

सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और पर्सनल सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस कोर्स करके आप महत्वपूर्ण पदों पर बैठे अधिकारियों के पर्सनल सेक्रेटरी बनने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए अनेक शॉर्ट टर्म और डिग्री कोर्स उपलब्ध हैं।

वैश्वीकरण के बाद जिस तेजी से ऑफिस की कार्यप्रणाली और स्वरूप बदला है, ऑफिस सेकेट्ररी और पर्सनल सेक्रेटरी की भूमिका भी अहम होती जा रही है। सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और पर्सनल सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस कोर्स में दाखिला लेकर आप ऑफिस सेकेट्ररी या पर्सनल सेकेट्ररी बन कर एक अच्छा करियर बना सकते हैं। ऑफिस सेकेट्ररी किसी ऑफिस में प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रमों को मैनेज करने में अहम भूमिका निभाता है। महत्त्वपूर्ण पदों पर बैठे व्यक्तियों के पर्सनल सेक्रेटरी बन कर आप उनके डेली रूटीन तथा ऑफिस शड्यूल को मैनेज करते हैं। देश के विभिन्न विश्वविद्यालय और प्राइवेट संस्थान सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा तथा डिग्री कोर्स ऑफर करते हैं।

योग्यता तथा पढ़ाई

शॉर्ट टर्म कोर्स में प्रवेश लेने के लिए दसवीं तथा कुछ संस्थानों के लिए बारहवीं पास होना आवश्यक है। इस क्षेत्र में आगे की पढ़ाई मसलन डिग्री तथा डिप्लोमा कोर्स करने के लिए बारहवीं पास होना अनिवार्य योग्यता है। इन कोर्सों के लिए अच्छी कम्युनिकेशन स्किल का होना अतिआवश्यक है। इन कोर्सों का मुख्य उद्देश्य छात्र को सेक्रेटरी के उत्तरदायित्वों को समझाना, सेक्रेटेरियल कार्यों के लिए गुणों का विकास करना, संगठन या ऑफिस की कार्यप्रणाली को समझाना तथा कंप्यूटर, इंटरनेट, फैक्स आदि ऑफिस में प्रयोग होने वाले उपकरणों को ऑपरेट करना सिखाया जाता है। शॉर्ट टर्म कोर्स में शॉर्ट हैंड, टाइपराइटिंग, कंप्यूटर बेसिक्स, बिजनेस कम्युनिकेशन तथा पर्सनेलिटी डेवलपमेंट विषय पढ़ाए जाते हैं। लेकिन डिप्लोमा तथा डिग्री कोर्सों में इन विषयों के अलावा मैनेजमेंट, अकाउंट, कंपनी लॉ और बैंकिंग सर्विसेज विषयों के बारे में जानकारी दी जाती है।

संभावनाएं

कोर्स करने के बाद सरकारी तथा प्राइवेट क्षेत्रों में सभी तरह के दफ्तरों में सेक्रेटरी की जॉब मिलती है। लेकिन हाल में मल्टीनेशनल, पब्लिक सेक्टर कंपनियों तथा होटल्स में स्किल्ड सेकेट्ररी और ऑफिस सेकेट्ररी के जॉब की अपार संभावनाएं हैं। बैकों, वित्तीय संस्थानों, लॉजिस्टिक फर्म तथा ट्रैवल एजेंसी में भी सेक्रेटरी के रूप में जॉब कर सकते हैं। अपनी योग्यता तथा अनुभव से आप सेक्रेटरी से जॉब शुरू करके ऑफिस मैनेजर बन सकते हैं।

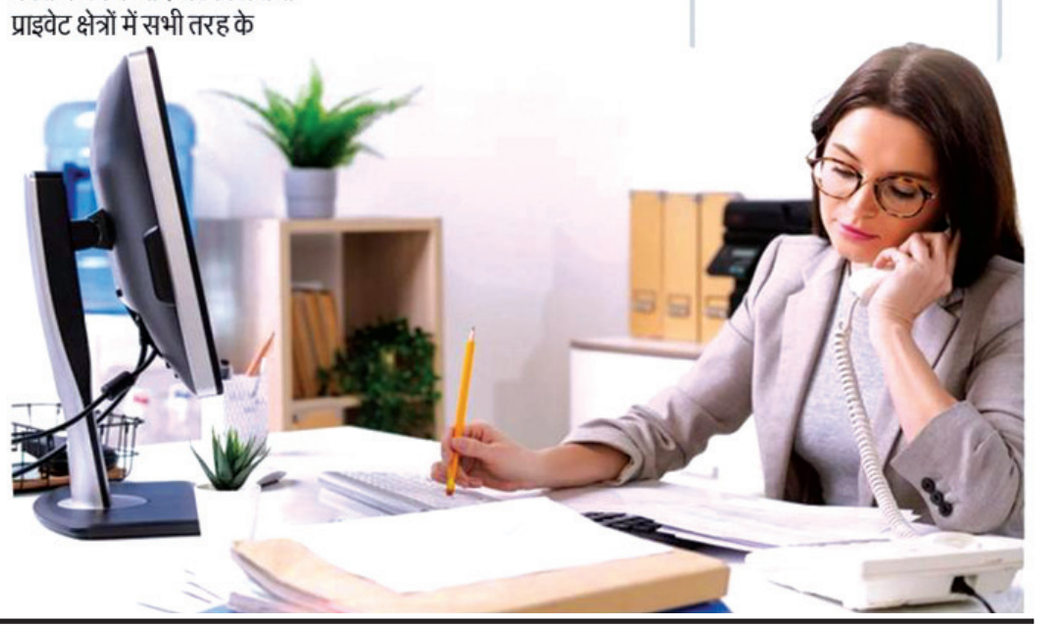

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

प्रधानमंत्री ने त्रिवेणी संगम में लगाई आस्था की डुबकी

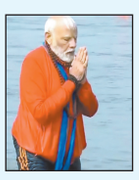

लखनऊ। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ 2025 में त्रिवेणी संगम पर पूजा की और संगम में पवित्र स्नान किया। इसके बाद मोदी ने एक्स पर अपने विचार व्यक्त किए हैं। मोदी ने लिखा कि प्रयागराज में महाकुंभ में आकर धन्य हुआ। संगम पर स्नान दिव्य जुड़ाव का एक क्षण है और इसमें भाग लेने वाले करोड़ों अन्य लोगों की तरह, मैं भी भक्ति की भावना से भर गया था। माँ गंगा सभी को शांति, ज्ञान, अच्छे स्वास्थ्य और सद्भाव का आशीर्वाद दें। प्रयागराज पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ यमुना नदी में नाव से सैर की। उन्हें चमकीले केसरिया रंग का जैकेट और नीला ट्रैकपैंट पहने देखा गया। पौष पूर्णिमा (13 जनवरी, 2025) को शुरू हुआ महाकुंभ 2025 दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन है, जो दुनिया भर से भक्तों को आकर्षित करता है। महाकुंभ 26 फरवरी महाशिवरात्रि तक चलेगा।

हम जीतने और सरकार बनाने के लिए चुनाव लड़ रहेः कांग्रेस

नईदिल्ली। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में पार्टी के रुख पर बात करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार बनाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकताएँ अलग हैं क्योंकि मैं एक राजनीतिक व्यक्ति हूँ। लेकिन मैं दिल्ली में जो महसूस कर सकता हूं वह यह है कि लोग न केवल नई दिल्ली क्षेत्र में बल्कि पूरी दिल्ली में शीला दीक्षित को श्रद्धांजलि देना चाहते हैं। लोग एक बार फिर कांग्रेस वाली दिल्ली की ओर, शीला दीक्षित की दिल्ली की ओर जाना चाहते हैं। खेड़ा ने कहा कि मतदाताओं ने देखा है कि कांग्रेस ने 15 साल में क्या किया। इसलिए, उन्हें कांग्रेस से उम्मीदें हैं कि यह एकमात्र पार्टी है जिसके दिल में दिल्ली है। हम जीतने और सरकार बनाने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि हम 40 सीटों पर बहुत मजबूती से चुनाव लड़ रहे हैं। हमें सरकार बनने की पूरी उम्मीद है. दिल्ली निर्णायक जनादेश देने जा रही है।

ये चुनाव सिर्फ चुनाव नहीं धर्मयुद्ध है : सीएम आतिशी

नईदिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपना वोट डालने से पहले, मुख्यमंत्री और कालकाजी विधानसभा सीट से आप उम्मीदवार आतिशी ने बुधवार को चुनाव को सच्चाई बनाम झूठ की लड़ाई करार दिया और पार्टी की जीत की उम्मीद करते हुए कहा कि दिल्ली के लोग सच्चाई के साथ खड़े होंगे और गुंडागर्दी को हराएंगे। मुख्यमंत्री आतिशी ने भी अपने चुनावी मताधिकार का प्रयोग करने से पहले कालकाजी मंदिर में पूजा-अर्चना की। पत्रकारों से बात करते हुए आतिशी ने कहा कि सच्चाई बनाम झूठ की इस लड़ाई में मुझे उम्मीद है कि दिल्ली की जनता सच के साथ खड़ी होगी, काम करेगी और गुंडागर्दी को हरायेगी। उन्होंने आगे दिल्ली पुलिस पर भाजपा के लिए काम करने का आरोप लगाया। आतिशी ने अपना विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि लोग काम करने वालों को वोट देंगे न कि गुंडों को। आतिशी ने कहा कि दिल्ली का ये चुनाव सिर्फ चुनाव नहीं है, ये धर्मयुद्ध है। यह अच्छे और बुरे के बीच की लड़ाई है।

आप विधायक अमानतुल्लाह खान के खिलाफ मामला दर्ज

नईदिल्ली। दिल्ली पुलिस ने विधानसभा चुनाव के लिए लागू आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्लाह खान के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। मतदान शुरू होने से कुछ घंटे पहले यह मामला दर्ज किया गया। अमानतुल्लाह खान ओखला विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, एक वीडियो में अमानतुल्लाह खान को कथित तौर पर मंगलवार देर रात बाटला हाउस इलाके में चुनाव प्रचार की सामग्री बांटते हुए देखा गया। इस सिलसिले में जामिया नगर थाने में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। सूत्र ने बताया, वीडियो और प्रारंभिक जांच के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले में जांच जारी है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान सोमवार शाम को समाप्त हो गया था।

बुर्के की आड़ में फर्जी वोटिंग! सीलमपुर में जमकर हुआ बवाल

नईदिल्ली। दिल्ली में चुनाव के दिन सीलमपुर में एक मतदान केंद्र पर झड़प हो गई, जब भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया कि कुछ बुर्का पहने महिलाओं ने मौजूदा विधानसभा चुनावों में फर्जी वोट डाले। वहीं, कुछ महिला मतदाताओं ने दावा किया कि उनकी जगह कोई और पहले ही वोट डाल चुका है, जिससे भारी हंगामा हुआ। इसके बाद दिल्ली पुलिस के जवानों ने यह सुनिश्चित करने के लिए गहन जांच शुरू कर दी कि फर्जी मतदान न हो। भाजपा ने आप पर फर्जी वोटिंग कराने का आरोप लगाया है। भाजपा ने आरोप लगाया कि सीलमपुर सीट पर फर्जी वोटिंग कराने के लिए आप ने बाहर से महिलाओं को बुलाया। आरोप लगने के बाद पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी और झड़प हो गई। एक भाजपा कार्यकर्ता ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने पुरुषों और महिलाओं को वास्तविक मतदाताओं के बजाय वोट देने के लिए भेजा था, जो नकाब और बुर्का पहनकर आए थे।

दिल्ली में परिवर्तन की लहर : वीरेंद्र सचदेवा

नईदिल्ली। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आप पर हार के डर से चुनावी कदाचार का सहारा लेने का आरोप लगाया। सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल और उनकी पार्टी फर्जी मतदाताओं का इस्तेमाल कर रही है। पुलिस ने उनमें से कुछ को पकड़ भी लिया है। मैं दिल्लीवासियों से बड़ी संख्या में मतदान करने और आप की धोखेबाज रणनीति को खारिज करने का आग्रह करता हूं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में परिवर्तन की लहर है। लोग भ्रष्ट सरकार के खिलाफ वोट कर रहे हैं। अब, यह आप-दा - फर्जी सरकार इस हद तक आ गई है कि वह फर्जी वोटिंग की सुविधा दे रही है।

सचदेवा ने कहा कि हमारे पास जो जानकारी है वह यह है कि कस्तूरबा नगर निर्वाचन क्षेत्र में लोगों को फर्जी वोट डालते हुए पकड़ा गया था। मैं दिल्ली के लोगों से अपील करता हूं कि वे उनकी (आप) रणनीति के प्रति सतर्क रहें और पीएम मोदी के विकसित भारत और विकसित दिल्ली के संकल्प को पूरा करने के लिए बड़ी संख्या में मतदान करें। दिल्ली विधानसभा चुनाव के तहत बुधवार को जारी मतदान के बीच सीलमपुर और कस्तूरबा नगर सहित राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में फर्जी मतदान के आरोप सामने आए।

व्हीलचेयर पर बैठे माता-पिता को पोलिंग बूथ तक ले गए अरविंद केजरीवाल

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल और माता-पिता गोबिंद राम केजरीवाल और गीता देवी के साथ बुधवार को नई दिल्ली के लेडी इरविन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें वह मतदान केंद्र पर व्हीलचेयर पर बैठे अपने माता-पिता के साथ नजर आ रहे हैं। वीडियो में केजरीवाल अपने मां की व्हीलचेयर को पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि उनका बेटा व्हीलचेयर पर बैठे अपने दादा की मदद कर रहा है।

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के मतदाताओं से अपील की कि वे राष्ट्रीय राजधानी के भविष्य को आकार देने में अपने वोट के महत्व को पहचानें। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किए गए संदेश में केजरीवाल ने कहा, ''आपका वोट सिर्फ एक बटन नहीं है, यह आपके बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। यह हर परिवार को अच्छे स्कूल, बेहतरीन अस्पताल और सम्मानजनक जीवन प्रदान करने का अवसर है।'' केजरीवाल का यह संदेश दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मतदान शुरू होने के समय आया। दिल्ली में लगभग 1.56 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए पात्र हैं। इस चुनाव पर सबकी नजर है, क्योंकि यह दिल्ली के शासन की भविष्य की दिशा निर्धारित करेगी।

अपनी अपील में केजरीवाल ने चुनाव के नैतिक और राजनीतिक महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने दिल्लीवासियों से ''झूठ, नफरत और डर की राजनीति'' के बजाय ''सत्य, विकास और ईमानदारी'' को चुनने का आग्रह किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने मतदाताओं से आह्वान किया कि वे न केवल स्वयं वोट करें, बल्कि अपने दोस्तों, परिवारों और पड़ोसियों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें। केजरीवाल ने कहा, ''गुंडागर्दी हारेगी, दिल्ली जीतेगी।'' मतदाताओं को चुनाव में भागीदारी करने का आह्वान करते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि चुनाव अच्छाई और बुराई के बीच की लड़ाई है। उन्होंने कहा, ''यह काम और गुंडागर्दी के बीच की लड़ाई है।''

मनीष सिसोदिया ने पैसे बांटने का लगाया आरोप, पुलिस ने किया खारिज

दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए बुधवार को सुस्त मतदान के बीच, सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) और भाजपा के बीच तनाव बढ़ गया क्योंकि उन्होंने मतदान केंद्रों पर नकदी वितरण और मतदाता धोखाधड़ी के आरोप लगाए। दिल्ली में आम आदमी पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है। वहीं, मौजूदा सरकार को सत्ता से हटाने का लक्ष्य लेकर चल रही भाजपा और राष्ट्रीय राजधानी में राजनीतिक पुनरुत्थान की उम्मीद कर रही कांग्रेस के बीच तीन-तरफा कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र से आप उम्मीदवार मनीष सिसोदिया के ट्वीट पर कहा कि भाजपा खुलेआम मतदाताओं को एक इमारत में ले जा रही थी और पैसे बांट रही थी। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इसे खारिज कर दिया है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि पैसे बांटने के आरोप प्रमाणित नहीं हो सके। स्थिति नियंत्रण में है और भ्रम दूर हो गया है। मनीष सिसोदिया की पुलिस के बहस भी हो गई। इस दौरान सिसोदिया के सामने ही मोदी-मोदा के नारे लगने लगे। हालांकि, पुलिस में माहौल को शांत कराने की कोशिश की।

मतदान केंद्र पर लोगों को वोट डालने से रोकने की हो रही कोशिश : सौरभ भारद्वाज

ग्रेटर कैलाश विधानसभा सीट से आप उम्मीदवार सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस चिराग दिल्ली के एक मतदान केंद्र पर लोगों को वोट डालने से रोकने की कोशिश कर रही है। भारद्वाज ने कहा कि आप चुनाव को प्रभावित करने के लिए सुबह से यहां खड़े हैं। यहां बैरिकेड्स क्यों लगाए गए हैं? दिल्ली पुलिस के किस वरिष्ठ अधिकारी ने उनसे बैरिकेड लगाने के लिए कहा है? यह सब गरीब ग्रामीणों को परेशान करने के लिए किया जा रहा है। जहां-जहां आम आदमी पार्टी का गढ़ है, वहां-वहां मालवीय नगर एसीपी और एसएचओ ये सब खुलेआम कर रहे हैं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि एसएचओ ने मंगलवार रात हमारे निजी परिसर पर भी छापेमारी की। यहां 21,000 लोगों ने वोट डाले। पुलिस चिराग दिल्ली के सभी 17-18 पोलिंग बूथों पर ऐसा कर रही है।

राहुल गांधी ने फिर उठाई जातीय जनगणना की मांग

पटना में प्रधानमंत्री और आरएसएस पर लगाए बड़े आरोप

पटना। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पटना में आरोप लगाया कि भारत के वर्तमान सत्ता तंत्र और संस्थाओं में दलितों तथा वंचितों की कोई भागीदारी नहीं है। उन्होंने कहा कि दलितों, अल्पसंख्यकों, समाज के कमजोर वर्गों की सटीक संख्या पता लगाने के लिए पूरे भारत में जाति आधारित जनगणना की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज भारत की सत्ता संरचना में, चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, कॉर्पोरेट हो, व्यापार हो, न्यायपालिका हो, आपकी भागीदारी कितनी है?

राहुल ने कहा कि दलितों को प्रतिनिधित्व तो दिया गया है लेकिन अगर सत्ता संरचना में भागीदारी नहीं है तो इसका कोई मतलब नहीं है। अगर मंच के पीछे से निर्णय लिए जाएं तो मंच पर बैठाने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि आज अलग-अलग जाति के लोगों को टिकट देना एक फैशन बन गया है, ये बात पीएम मोदी भी कहते हैं। लेकिन फिर, आपने (पीएम मोदी) विधायकों की शक्तियां छीन लीं। यहां तक ??कि लोकसभा सांसदों के पास भी कोई निर्णय लेने की शक्ति नहीं है। आपने मंत्री बनाया लेकिन ओएसडी आरएसएस से है। सवाल नियंत्रण और भागीदारी का है। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम अंबेडकर जी और जगलाल चौधरी जी के विचार और उसूलों की बात करते हैं। लेकिन सवाल है कि अंबेडकर जी और जगलाल चौधरी जी के जो विचार थे, वे कहां से आते थे? सच्चाई ये है कि.. दलितों के दिल में जो दुख और दर्द था, अंबेडकर जी और जगलाल चौधरी जी ने उस आवाज को उठाया था। उन्होंने कहा कि आज भारत के पॉवर स्ट्रक्चर-शिक्षा, स्वास्थ्य, कार्पोरेट या ज्यूडिशरी में दलित वर्ग की कितनी भागीदारी है? क्ष्छ्क्ष रिप्रेजेंटेशन की बात करती है, लेकिन भागीदारी के बिना रिप्रेजेंटेशन का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि ये बिलकुल ऐसा ही है- जैसे मैंने आपके बीच में से पांच लोगों को स्टेज पर बैठा दिया, लेकिन उनके फैसले कहीं और से लिए जा रहे हैं। ऐसे में उन्हें स्टेज पर बैठाने का कोई मतलब नहीं है। मोदी सरकार में भी यही हो रहा है- आप लोगों को मंत्री बना देते हैं, लेकिन ओएसडी तो आरएसएस का होता है। उन्होंने कहा कि देश के बड़े मीडिया हाउस के मालिकों और मैनेजमेंट की लिस्ट निकालिए। उस लिस्ट में आपको एक भी दलित वर्ग का व्यक्ति नहीं मिलेगा, इसीलिए मीडिया में आपके मुद्दे नहीं दिखते हैं।

तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाएंगे : लालू

नालंदा। विधानसभा चुनाव की तैयारी सभी राजनीतिक दल जुट गए हैं। राष्ट्रीय जनता दल भी इसमें कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लगातार यात्रा कर रहे। इधर, उनके पिता और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा में सभा को संबोधित किया। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार के गढ़ में बड़ा एलान करते हुए कहा कि हमलोग हर हाल में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाएंगे। उन्होंने कहा कि हम लोगों इकट्ठा होकर इस देश में अपनी सरकार बनानी है। आपलोग कहीं किसी के सामने सिर नहीं झुकाना और ना हमने झुकाया है और न आपलोग किसी के सामने झुकना। नालंदा के इस्लामपुर विधानसभा के पूर्व विधायक स्वर्गीय कृष्ण बल्लभ प्रसाद की 24वीं पुण्यतिथि पर पहुंचे लालू प्रसाद ने कहा कि मैं आप लोगों ने अपील करता हूं कि आपलोग इस देश की रक्षा के लिए हम सब एक साथ खड़ा रहे। हम सरकार बनाएंगे। तेजस्वी यादव को हर हाल में हम लोग मुख्यमंत्री बनाएंगे।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत और इंग्लैंड के बीच पहला वनडे मैच आज

नागपुर। भारतीय टीम गुरुवार से यहां इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैच की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उचित टीम संयोजन तैयार करना चाहेगा जिसमें कुछ शीर्ष खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस पर भी नजर रहेगी।

कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ी पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं और उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाह रहेगी। यह दोनों स्टार खिलाड़ी पिछले महीने रणजी ट्रॉफी में भी खेले थे लेकिन उसमें भी असफलता ही उनके हाथ लगी थी। अब वह उस प्रारूप में वापसी करेंगे जिसमें उन्होंने वर्षों तक अपना दबदबा बनाए रखा था। इन दोनों खिलाड़ियों ने वनडे विश्व कप 2023 में अच्छा प्रदर्शन किया था।

भारत और इंग्लैंड के बीच एकदिवसीय सीरीज दोनों ही टीमों के लिए काफी अहम है। टीम इंडिया के सीनियर प्लेयर्स वापस आ गए हैं और इससे टीम को मजबूती भी मिलेगी। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों इस सीरीज में खेलने वाले हैं।

टीम इस प्रकार हैं-

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रवींद्र जड़ेजा, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती।

इंग्लैंड : जोस बटलर (कप्तान), हैरी ब्रूक, बेन डकेट, जो रूट, फिलिप साल्ट, जेमी स्मिथ, जैकब बेथेल, ब्रायडन कार्स, लियाम लिविंगस्टोन, जेमी ओवरटन, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, साकिब महमूद, आदिल राशिद, मार्क वुड।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 300 अंक गिरा निफ्टी 23,700 के नीचे

नईदिल्ली। भारतीय इक्विटी बाजार 5 फरवरी को लाल निशान के साथ बंद हुए, जहां निफ्टी 23,700 के नीचे आ गया, वहीं सेंसेक्स 313 अंक तक गिर गया। बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी बुधवार के उतार-चढ़ाव भरे सत्र के बाद लाल निशान में बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स 312.53 अंकों या 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 78,271.28 पर बंद हुआ। दिनभर के कारोबार में सेंसेक्स ने 78,735.41 के उच्चतम स्तर और 78,226.26 के निचले स्तर को छुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई निफ्टी50 भी गिरावट के साथ बंद हुआ। यह 42.95 अंक या 0.18 प्रतिशत गिरकर 23,696.30 पर बंद हुआ। निफ्टी50 ने दिन का उच्चतम स्तर 23,807.30, जबकि न्यूनतम स्तर 23,680.45 दर्ज किया। निफ्टी50 के 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए। इनमें एशियन पेंट्स, टाइटन कंपनी, नेस्ले इंडिया, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज और टाटा कंज्यूमर शामिल रहे।

ईस्ट कोस्ट रेलवे से 404 करोड़ रू. का मिला आर्डर

नईदिल्ली। सरकारी पीएयूसी कंपनी रेल विकास निगम (आरवीएनएल) के शेयर बुधवार को शुरुआती कारोबार में 4% तक उछल गए। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर आरवीएनएल के शेयर 4.04 प्रतिशत उछलकर 416.30 रुपये पर पहुंच गए। आरवीएनएल के शेयरों में यह तेजी कंपनी को ईस्ट कोस्ट रेलवे से 404.40 करोड़ रुपये का 'लेटर ऑफ़ एक्सेप्टेंस' मिलने की घोषणा के बाद आई है। आरवीएनएल ने रेगुलटरी फाईलिंग में कहा, कोरापुट-सिंगापुर रोड डबलिंग प्रोजेक्ट के लिए ईस्ट कोस्ट रेलवे से लेटर ऑफ एक्सेप्टेंस मिला है। इसके तहत 27 प्रमुख पल (22 प्रमुख पुलों और पांच आरओबी) का एग्जीक्यूशन और वाल्टेयर डिवीजन, ईस्ट कोस्ट रेलवे के कोरापुट-सिंगापुर रोड डबलिंग प्रोजेक्ट के संबंध में टिकिरी और भालूमास्का स्टेशनों के बीच कनेक्शन, सुरक्षा कार्यों और मिट्टी का काम शामिल हैं।

सर्विस सेक्टर ने जनवरी में खोई ग्रोथ की रफ्तार

नईदिल्ली। भारत के सर्विस सेक्टर की ग्रोथ रेट बिक्री व उत्पादन में धीमी वृद्धि के कारण सुस्त रही। जनवरी में सर्विस सेक्टर का पीएमआई घटकर दो वर्षों के निचले स्तर पर आ गई। बुधवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था सुस्त होती खपत से जूझ रही है। खर्च को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 1 फरवरी को पेश आम बजट में मिडिल क्लास को टैक्स में कुछ राहत दी, लेकिन बड़े सुधारों की घोषणा करने से बची। यह ग्रोथ को समर्थन देने के लिए बेहद जरूरी हैं। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा कारोबारी गतिविधि सूचकांक दिसंबर के 59.3 से घटकर जनवरी में 56.5 पर आ गया, जो नवंबर के बाद से इसका सबसे निचला स्तर है। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम का आशय संकुचन से होता है।

एक साल में 50% रिटर्न दे चुकी है इन्फो एज कंपनी

नईदिल्ली। इन्फो एज (इंडिया) लिमिटेड के शेयर बुधवार (5 फरवरी) को इंट्राडे में 4% तक चढ़ गए। कंपनी के शेयरों में यह उछाल बोर्ड के स्टॉक स्प्लिट को मंजूरी देने के बाद आया है। कंपनी के बोर्ड ने 1:5 के रेश्यो में स्टॉक स्प्लिट को मंजूरी दी है। इसके तहत हर एक इक्विटी शेयर को 5 टुकड़ों में बांटा जाएगा। स्टॉक स्प्लिट के तहत कंपनी 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले हर इक्विटी शेयर को 2 रुपये के फेस वैल्यू वाले पांच इक्विटी शेयरों में बांटेगी। इन्फो एज के प्रत्येक शेयर का फेस वैल्यू करेंट में 10 रुपये है। कंपनी ने पहली बार अपने स्टॉक को बांटने का ऐलान किया है। इन्फो एज ने रेगुलटरी फाईलिंग में कहा, स्टॉक स्प्लिट की रिकॉर्ड डेट का ऐलान कंपनी के शेयरहोल्डर्स से प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद ही किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि स्टॉक स्प्लिट से कंपनी के इक्विटी शेयरों की लिक्विडिटी बढ़ेगी।

क्या डॉलर के दम पर चीन जैसे भस्मासुर से निबटेगा अमेरिका?

(गतांक से आगे...)

कमलेश पांडे

साल 2022 में 14वें ब्रिक्स समिट के दौरान रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि सदस्य देश नई रिजर्व करेंसी शुरू करने की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने भी डॉलर के दबदबे को कम करने के लिए ब्रिक्स करेंसी बनाने का सुझाव दिया था। क्योंकि आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक मुद्रा भंडार के रूप में डॉलर का हिस्सा 59 प्रतिशत है, जबकि दुनिया के कुल कर्ज में 64 प्रतिशत का लेनदेन डॉलर में होता है। वहीं, अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन में भी डॉलर की 58 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

खास बात यह है कि यूरोपीय संघ बनने और उसकी मुद्रा यूरो के अस्तित्व में आने के बाद से डॉलर के दबदबे में कमी आई है, लेकिन अभी भी यह सबसे अधिक चलन वाली मुद्रा बनी हुई है। ऐसे में यदि ब्रिक्स देश भी कोई नई मुद्रा ले आते हैं तो इससे डॉलर का मूल्य घटेगा। शायद इसलिए अमेरिका अब चौकन्ना हो चुका है और इस नए सम्भावित संकट से निबटने के लिए साम-दाम-दंड-भेद की नीति अख्तियार कर लिया है। उसकी ताजा धमकियां इसी बात की चुगली कर रही हैं। ब्रिक्स देशों के बीच भारत के परिवर्तित स्टैंड से भी उसे राहत मिली है। उल्लेखनीय है कि ब्रिक्स देश दुनिया के उन दस महत्वपूर्ण देशों का संगठन है, जो पश्चिमी देशों के जी-7 और नाटो जैसे दबंग देशों से समान प्रतिस्पर्धा करने के लिए खुद को एकजुट किये हुए हैं। वर्ष 2009 में स्थापित ब्रिक्स समूह में भारत, ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिश्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) नामक देश शामिल हैं। चूंकि यह

एक ऐसा अंतरराष्ट्रीय समूह है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका यानी यूएसए को शामिल नहीं किया गया है। इसी वजह से वह इस पर बिफरा रहता है।

बता दें कि ब्रिक्स के सदस्य देशों की अर्थव्यवस्था 25.5 ट्रिलियन से अधिक है जो वैश्विक अर्थव्यवस्था का 28 प्रतिशत है। विश्व बैंक के 2023 के आंकड़ों के मुताबिक, ब्रिक्स देशों की जीडीपी, ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर में इस प्रकार है- चीन- 17.79, भारत- 3.55, ब्राजील- 2.17, रूस- 2.02, यूएई- 0.5, मिश्र- 0.4, ईरान- 0.4, दक्षिण अफ्रीका- 0.37 और इथियोपिया- 0.16. वहीं, यूएन ट्रेड डाटाबेस के 2023 के आंकड़ों से पता चलता है कि ब्रिक्स देशों के साथ अमेरिका का व्यापार अरब यूएस डॉलर में इस प्रकार है- भारत से निर्यात- 40.1, आयात- 87.3, चीन से निर्यात- 147.8, आयात- 448, ब्राजील से निर्यात-44.8, आयात- 41, यूएई से निर्यात- 24, आयात- 00, इंडोनेशिया से निर्यात- 00, आयात- 28.1, सऊदी अरब से निर्यात- 13.9 और आयात- 16.5, अन्य सदस्य देश से निर्यात- 23.5 और आयात- 29.

इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि जहां जीडीपी के मामले में ब्रिक्स देशों में भारत का चीन के बाद दूसरा स्थान है, वहीं अमेरिका से होने वाले कारोबार में भी उसकी एक महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। इसलिए न तो ब्रिक्स देश भारत की अवहेलना करने की सोच पाएंगे और न ही अमेरिका उसकी उपेक्षा कर पाएगा। वही, यह भी स्वाभाविक है कि इतने बड़े कारोबारी फायदे को अमेरिका गंवाना नहीं चाहेगा। क्योंकि इसे गंवाने का सीधा असर उसकी वैश्विक थानेदारी पर पड़ेगा। यही वजह है कि समय रहते ही अमेरिका ने ब्रिक्स देशों की मुखालफत शुरू कर दी है, जिससे ब्रिक्स देशों की परेशानी निकट भविष्य में बढ़ सकती है। वहीं, यह सवाल भी मौजूं है कि क्या डॉलर के दम पर चीन जैसे भस्मासुर से निबटेगा अमेरिका? या फिर कुछ अन्य चिरपरिचित युक्तियों का सहारा लेगा, जो कि वह यत्र-तत्र-सर्वत्र आजमाया आया है। जिसमें कभी पास हुआ है तो कभी फेल। चीन के मामले में भी यदि वह रणनीतिक रूप से पिट जाए तो किसी को हैरत नहीं होगी। क्योंकि अमेरिकी लोकतंत्र खोखला हो चुका है, जबकि चीनी साम्यवादी तानाशाह दिन-प्रतिदिन खुद को मजबूती पूर्वक पेश करने में सफल प्रतीत होता है।

मुख्यमंत्री ने कोरबा से किया नगरीय निकाय चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत

अटल विश्वास पत्र का एक-एक वादा पूरा करेंगे: सीएम साय

रायपुर। नगरीय निकायों के लिए भारतीय जनता पार्टी के घोषणा पत्र अटल विश्वास पत्र में हमने नगरीय निकाय क्षेत्रों के विकास के लिए जो घोषणाएं की हैं, वह विकास की गारंटी है। जिस तरह मोदी की गारंटी मतलब गारंटी पूरी होने की गारंटी है, ठीक उसी तरह हम अटल विश्वास पत्र का एक-एक वादा पूरा करेंगे, ये हमारी गारंटी है। इसलिए कोरबा सहित प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में ट्रिपल इंजन की सरकार बनाना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ऊर्जानगरी कोरबा के घण्टाघर मैदान में आयोजित विशाल आमसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। अपने नगरीय निकाय चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए उन्होंने जनता से कोरबा शहर के चहुंमुखी और निर्बाध विकास के लिए नगर निगम कोरबा की महापौर प्रत्याशी संजू देवी राजपूत और सभी 67 वार्डों के पार्षद पद हेतु भाजपा प्रत्याशियों को भारी मतों से जिताने का आह्वान किया।

सीएम साय ने कहा कि नगरीय निकायों में कई पीढ़ियों से नजूल भूमि में मकान बनाकर रह रहे लोगों को उनके जमीन का मालिक बनाना है, इसके लिए नया कानून लाएंगे। शहरी क्षेत्रों में आने वाले समय में तीन लाख से अधिक पीएम आवास बनाएंगे। नगरीय क्षेत्र में रहने वाले, जो बिजली बिल, संपत्ति कर समय में पटाते हैं, उनको भी पीएम आवास का लाभ दिलाएंगे, 15 हजार मासिक आमदनी वाले, 5 एकड़ सिंचित और ढाई एकड़ असिंचित जमीन एवं दोपहिया वाहन वालों को पीएम आवास दिलाएंगे। महिलाओं के नाम से संपत्ति कर में 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी और जो 7 तारीख से पहले पटाते हैं उन्हें दस प्रतिशत की और छूट मिलेगी। नगरीय निकायों में आने वाले प्रत्येक बाजारों में माता-बहनों के सम्मान के लिए पिंक टॉयलेट बनाएंगे। अटल विश्वास पत्र के इन सभी वादों को हमारी सरकार पूरा करेगी।

किसानों को खुशखबरी देते हुए कहा कि इस वर्ष हमारी सरकार ने धान खरीदी के पिछले सारे रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 149.25 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की है। 25.49 लाख से अधिक किसानों ने धान बेचा है। दो से तीन दिन के अंदर धान बेचने वाले सभी 25.49 किसानों को धान की अंतर की राशि जारी करेंगे। राशि सीधे उनके खातों में पहुंचेगी। साय ने कहा कि उनका सौभाग्य है कि वे कोरबा से नगरीय निकाय चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत कर रहे हैं। वे जब भी ऊर्जानगरी कोरबा आते हैं, शरीर में नई ऊर्जा का संचार होता है। पिछले तेरह महीने में हमने कोरबा निगम क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए चार सौ करोड़ की राशि दी है। उन्होंने कोरबा निगम के वार्ड क्रमांक 18 में भाजपा पार्षद प्रत्याशी नरेंद्र देवांगन को निर्विरोध पार्षद बनाने पर वार्ड के मतदाताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए नगरीय निकाय चुनाव की शुरुआत बहुत अच्छी हुई है, अब तक प्रदेश के अलग-अलग नगरीय निकायों में भाजपा के 30 निर्विरोध पार्षद निर्वाचित हुए हैं। बसना में भाजपा की नगर पंचायत अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं। आगे भी नगरीय निकाय और त्रि-स्तरीय पंचायत के चुनाव में हमारी पार्टी को अभूतपूर्व सफलता मिलेगी।कांग्रेस को घेरते हुए सीएम साय ने कहा कि कांग्रेस सरकार में छत्तीसगढ़ में हर तरफ भ्रष्टाचार था। शराब, कोयला, बालू, डीएमएफ, महादेव एप घोटाला ये सब कांग्रेस ने किया। छत्तीसगढ़ के युवाओं के भविष्य को खराब किया, पीएससी जैसी संस्था को बदनाम किया। जिससे जनता का विश्वास कांग्रेस सरकार से उठ गया था। आज पीएससी घोटाले की जांच सीबीआई कर रही है, जिसके दोषी जेल के अंदर है, उनका बेल नहीं हो रहा। कोयला और शराब के घोटालेबाज भी जेल के अंदर हैं।

प्रदेश में भाजपा की सरकार बनते ही हमने मात्र 13 महीने में इतने काम किये हैं, जिससे 3 करोड़ छत्तीसगढ़ियों का विश्वास हमारी भाजपा की सरकार पर बढ़ा है। मोदी की गारंटी के सभी वादे पूरे किये हैं। 18 लाख परिवारों के लिए पीएम आवास की स्वीकृति, किसानों के धान की कीमत 3100 रूपये प्रति क्विंटल, प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी, किसानों को दो वर्ष का बकाया बोनस, 70 लाख माता-बहनों महतारी वंदन योजना का लाभ, तेंदूपत्ता का दाम 5500 रुपया प्रति मानक बोरा, ये सब उनकी सरकार ने किया है।

दिल्ली में परिवर्तन की लहर, आप दा सरकार की विदाई तय: साव

रायपुर । उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने रायपुर में कहा कि, कांग्रेस का घोषणा पत्र झूठ का पुलिंदा होता है, ये झूठे सपने दिखाते हैं। ये जनता को धोखा देने के लिए घोषणा पत्र लाती है। विधानसभा चुनाव 2018 में इन्होंने 36 वादे किए थे, जिसमें से एक भी वादे पूरे नहीं किए और जनता जनार्दन ने इसका बदला ले लिया। अब नगरीय निकाय चुनाव में भी सबक सिखाएगी। साव ने कहा कि, कांग्रेस देश और राज्य के हितों के विपरीत कार्य करती है, इसलिए जनता इससे दूर जा चुकी है।

उप मुख्यमंत्री साव ने गरीबों को पट्टा देने की योजना पर कहा कि, कांग्रेस झूठ बोलना बंद करें। सरकार कानून में परिवर्तन करके नजूल भूमि के पट्टाधारक को भू-स्वामित्व का अधिकार देगी। वहीं निकायों में समेकित कर और बिजली बिल पटाने वालों को प्रधानमंत्री आवास देने की योजना बनाई है। हमने अटल विश्वास पत्र में गरीबों को पीएम आवास देने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि, आदरणीय प्रधानमंत्री ने हर गरीब को पक्का मकान दिलाने की योजना बनाई है। हमारी सरकार गांव और शहरों में प्रत्येक गरीब को पीएम आवास देने के लिए संकल्पित है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग जारी है। इस पर साव ने कहा कि, दिल्ली में परिवर्तन की लहर है, आप दा की सरकार जाने वाली है। जनता आखिरी किल ठोकने वाली है। दिल्ली में कमल खिलेगा, डबल इंजन की सरकार बनेगी।दिल्ली तेज गति से आगे बढ़ेगा।

भाजपा का थीम सॉन्ग केवल एक गीत नहीं है; यह हमारे मिशन और विजन का प्रतीक है : श्रीवास्तव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा है कि प्रदेश में अब नगरीय निकाय और त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव होने जा रहे हैं। विधानसभा और लोकसभा चुनाव में इस प्रदेश की जनता ने भाजपा को भरपूर आशीर्वाद दिया। कांग्रेस की पिछली भूपेश सरकार के भ्रष्टाचार, अन्याय और अत्याचार के कारण प्रदेश की जनता ने भाजपा पर भरोसा जताया। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि आम जनता के लिए नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव इस मायने में ज्यादा महत्वपूर्ण होते हैं क्योंकि इन नगर व ग्राम सरकारों से उनका सीधा सरोकार होता है। श्री श्रीवास्तव बुधवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आहूत थीम सॉन्ग लॉन्चिंग कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री श्रीवास्तव ने कहा कि भाजपा जनता के बीच अपनी सरकार की उपलब्धियों को अच्छी तरह पहुँचा सके, इसलिए हम विभिन्न प्रकार की योजनाएँ लेकर आते हैं। हमारा घोषणा पत्र जारी हो गया। जब कांग्रेस आरोप पत्र ला रही थी, तब भाजपा घोषणा पत्र जारी किया कि हम जनता के बीच क्या करने जा रहे हैं? हमारी अन्य तैयारियाँ पिछले दो महीने से हो गई हैं। भाजपा के प्रचार अभियान में गीतों के माध्यम से प्रचार हमारा एक सशक्त माध्यम रहा है। हमारा प्रचार करने का तरीका ही अलग है। हम आम आदमी तक अपनी बातों को भाषण, डिजिटल माध्यमों, गीत-संगीत, कला के माध्यम से पहुँचाते हैं। यह भाजपा के प्रचार का अपना एक अलग तरीका है। आज हमारे सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की टीम और मीडिया के साथियों ने मिलकर थीम सॉन्ग तैयार किया है, जिसके माध्यम से भाजपा सरकार की उपलब्धियों और नगर व ग्रामों के विकास के अपने विजन को हम सभी के सामने रखेंगे। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि थीम सॉन्ग केवल एक गीत-संगीत या कोई मनोरंजन का विषय नहीं है, बल्कि इन गीतों के माध्यम से हम अपने मिशन और विजन को रखने जा रहे हैं।

कांग्रेस का घोषणा पत्र आधा भाजपा का कॉपी पेस्ट बाकी टोटल वेस्ट : केदार

एक दिवालिया हो चुके बैंक का पोस्ट डेटेड चेक है कथित जन घोषणा पत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार में मंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस के घोषणा पत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र आधा कॉपी पेस्ट है और बाकी वेस्ट है। उन्होंने कहा कि भाजपा के घोषणा पत्र में पहले से ही मौजूद कुछ वादों को कांग्रेस ने हूबहू कॉपी किया है जिससे उन्होंने अपनी वैचारिक दीवालिएपन का प्रमाण एक बार फिर जनता के सामने रख दिया। श्री कश्यप ने कहा कि वैसे भी कांग्रेस के पास भ्रष्टाचार के अलावा और किसी बात का विजन नहीं है।

केदार कश्यप ने कांग्रेस के घोषणा पत्र के हर एक वादे पर विस्तार से चर्चा कर कांग्रेस के घोषणा पत्र की हवा निकाली। उन्होंने कहा कि तालाबों का संरक्षण व सौदर्यीकरण की बात हो या वाय-फाय, सीसीटीवी आदि की सम्पति कर, समेकित कर एवं जल उपभोक्ता शुल्क आदि की, सैनिटरी नैपकिन या अन्य, सारे वादे या तो भाजपा के घोषणा पत्र की हू ब हू नकल है या फिर वे वादे हैं जो कांग्रेस ने 2019 के घोषणा पत्र में भी किये थे, जिसे सभी निकायों पर जबरन कब्जे के बाद भी नहीं कर पायी थी। श्री कश्यप ने कहा कि इन दोनों कॉपी पेस्ट के अलावा शेष सभी वेस्ट है, जिसका नगर के विकास से कोई लेना देना नहीं है।

श्री कश्यप ने कटाक्ष करते हुए कहा कि जो पार्टी दस पेज का एक मौलिक विजन नहीं दे सकती, उससे हम किसी विकास आदि की क्या उम्मीद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वैसे भी केंद्र और राज्य दोनों जगह भाजपा की सरकार है, विकास के सारे कार्य करने की नीयत और क्षमता दोनों भाजपा के पास ही है। कांग्रेस का घोषणा पत्र वास्तव में ढकोसला पत्र है। वह एक दिवालिया हो चुकी बैंक का पोस्ट डेटेड चेक है।

असफलता से डरे नहीं : आर प्रसन्ना

शासकीय दू ब महिला महाविद्यालय में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

रायपुर। शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नाकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में बुधवार को नगर के प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अकादमिक एवं अन्य क्षेत्रों में सर्वाधिक सफल छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, आर प्रसन्ना ने कहा कि भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं द्वारा महाविद्यालयों को अनुदान प्रदान कर प्रोत्साहन दिया जा रहा है। यह महाविद्यालय अपने प्रयासों से निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने पुरस्कार प्राप्त करने वाली छात्राओं को शुभकामनाएं दी साथ ही असफलता से डरे नही बल्कि असफलता से सीख लेने की बात कही। लक्ष्य निर्धारित कर उस दिशा में कड़ी मेहनत हेतु प्रोत्साहित किया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. किरण गजपाल ने कहा कि सचिव महोदय के प्रयासों से उच्च शिक्षा विभाग के लंबित कार्यों में तेजी आयी है। विभिन्न समस्याओं का निराकरण समय पर संभव हो रहा है। महाविद्यालय के संदर्भ में प्राचार्य ने बताया कि क्यूरी परियोजना अंतर्गत महाविद्यालय को एक करोड़ की राशि शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए प्राप्त हुई । इस परियोजना से महाविद्यालय में शोध के क्षेत्र में सहयोग प्राप्त होगा। महाविद्यालय अपने प्राध्यापकों को लघु शोध परियोजनाओं हेतु राशि उपलब्ध कराता है। महाविद्यालय की जिन छात्राओं ने अकादमिक, खेल ,कला एवं संगीत, विभिन्न प्रतियोगिताओं, एनसीसी एवं एनएसएस आदि के क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया उन्हें पुरस्कृत किया गया। छात्र संघ प्रभारी डॉक्टर वैभव आचार्य ने कार्यक्रम का संयोजन किया । विशिष्ट अतिथि के रूप में इंदिरा देवी चंपा देवी चैरिटेबल ट्रस्ट के श्री रत्नेश जैन जी ने छात्राओं को पुरस्कार वितरण किया। कला संकाय से एम.ए अंतिम अंग्रेजी में प्रेमलता सिन्हा हिंदी में धनेश्वरी नायक, राजनीति शास्त्र में नेहा जैन, भूगोल में योगिता डहरिया, मनोविज्ञान में बरखा जैन, इतिहास में लता महिलांग, अर्थशास्त्र में संस्कृति अंनत, बी ए अंतिम में एकता तिवारी, बीपीएड में पायल माहेश्वरी, डिप्लोमा इन योगा में धारा वर्मा, विज्ञान संकाय में एमएससी वनस्पति शास्त्र में अंकिता सिंह रही।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

जनता की समस्याओं को दूर करने वाला घोषणा पत्र : शुक्ला

रायपुर। कांग्रेस का घोषणा पत्र प्रदेश की शहरी जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि जनता को कांग्रेस के घोषणा पत्र पर पूरा भरोसा है। कांग्रेस का घोषणा पत्र मौलिक है तथा जनता की समस्या को दूर करने वाला है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में 34 बिंदुओं में जनता से वादा किया है। भाजपा का घोषणा पत्र मात्र 20 बिंदुओं का और कल्पनाओं पर आधारित है। कांग्रेस जो कहती है वह पूरा करती है। भाजपा ने जनता को ठगने अटल विश्वास पत्र लाया है। मोदी की गारंटी पूरी नहीं कर पाये, इसलिये भाजपा के नये वादों पर जनता भरोसा नहीं करेगी। जनता को कांग्रेस के द्वारा किये गये वादों पर पूरा भरोसा है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में शहरी क्षेत्र में रहने वाले हर नागरिक का पूरा ध्यान रखा है। महिलाओं, युवाओं, व्यापारियों, पत्रकारों सभी के लिये कांग्रेस के घोषणा पत्र में कुछ न कुछ हैं। कांग्रेस के घोषणा पत्र में महिलाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। इसीलिए प्रदेश के सभी निकायों के मतदाता चुनाव में कांग्रेस के पक्ष में मतदान करेंगे। विधानसभा चुनाव के समय भाजपा ने जनता से जो वादा किया था, एक साल में उसको पूरा नहीं किया है। म

कांग्रेस जो कहती है वो पूरा करती है : दीप्ति प्रमोद दुबे

रायपुर। कांग्रेस महापौर प्रत्याशी दीप्ति प्रमोद दुबे ने जनसंपर्क के दौरान अनेक स्थानों पर रोड शो की एवं नुक्कड़ सभा को संबोधित की। दीप्ति दुबे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने जनता की मांगों के अनुरूप जन घोषणा पत्र जारी कर नगरीय निकाय क्षेत्रों के विकास योजनाओं को सामने रखा है। कांग्रेस की निगम परिषद बनेगी तो तालाबों का संरक्षण, सौंदर्यीकरण के साथ घाट और तालाब में महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम बनवाने,निगमों में अनियमित कर्मचारियों को नियमित करने की दिशा में कार्य किया जायेगा। अनियमित कर्मचारियों की जो समस्या है उसका समाधान किया जायेगा। कांग्रेस पार्टी खोखले वादे नहीं करती जो कहती है वह करती है। हम श्रद्धांजलि राशि योजना के तहत बीपीएल कार्ड धारकों को 2000 रु. से बढ़ाकर 5000 रु. की सहायता देंगे। युवाओं के लिए यूथ हब बनाने, आवासहीनों को पात्रतानुसार मकान देने, शहर को आवारा पशुओं से मुक्ति दिलाने, जन्म-मृत्यु और मैरेज सर्टिफिकेट को घर पहुंच सुविधा प्रदान करने, संपत्ति कर नियमित समय पर भुगतान करने वाले को विशेष छूट देने, चौक-चौराहे पर सीसी कैमरा लगाने, महिला सुरक्षा हेतु टीम गठित करने, विद्यार्थियों के लिए नि:शुल्क सर्वसुविधा युक्त लाइब्रेरी खोलने सहित जो वादा किया गया है।

महंत को बेवकूफ बोलना चाहते हैं क्या अमरजीत भगत: ठाकुर

रायपुर। कांग्रेस नेता अमरजीत भगत द्वारा नेता प्रतिपक्ष महंत को नसीहत देने पर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता श्री देवलाल ठाकुर ने पूछा कि क्या वो उन्हें बेवकूफ समझते है? अमरजीत भगत ने भूपेश के साथ मिलकर क्या राशन घोटाले का अंजाम दिया है? ऐसे में भगत को अब भूपेश को कांग्रेस पार्टी द्वारा नाकारे जाने पर पीड़ा हो रही है।

देवलाल ने कहा जब भूपेश सरकार पूरे 5 साल तक प्रदेश को लूटने और भ्रष्टाचार करने में लगी थी तो उस समय भगत जी की नैतिकता और दिमाग क्या घास चरने चली गई थी। कांग्रेस की लुटिया डुबाने वाले भूपेश ने ढाई-ढाई साल के सीएम बनने के समझौते पर प्रियंका गांधी के एटीएम बन गए और अपने विधायक और नेताओं को दरकिनार कर दलाल और भ्रष्ट अधिकारियों के साथ मिलकर प्रदेश के राजकोष को लूटने में लग गए थे। बार-बार अपने ही पार्टी के नेताओं का अपमान कराने की साजिश रचने लगे। इसमें भगत जी बताएं इनकी क्या भागीदारी थी। भूपेश ने अलीबाबा चालीस चोर की तर्ज पर भ्रष्टाचारियों का गोल गिरोह बना लिया था, जिसमें अमरजीत भगत भी एक किरदार हैं। कांग्रेस के नेता विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष का ही सम्मान नहीं कर रहे और उन्हें नसीहत दे रहे हैं।

थीम सॉन्ग में जनता की भावना सुनाई देगी : अनुज शर्मा

रायपुर। भाजपा विधायक अनुज शर्मा ने कार्यक्रमे को संबोधित करते हुए कहा कि निकाय चुनाव-प्रचार के लिए जिन गीतों को तैयार समर्पित किया जा रहा है, उनमें सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन गीतों में आपको छत्तीसगढ़ की जनता की भावना सुनाई देगी। उनके मन की जो बात है, वह इन गीतों के माध्यम से रखने का प्रयास किया गया है। श्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने भाजपा, जो अपने वादों को निभाने में यकीन करती है और निभाकर दिखाती है, पर भरोसा व्यक्त किया है। जनता के इस भरोसे का स्वर इन गानों में सुनाई देगा। थीम सॉन्ग में जो हमारे मुख्य गीत हैं, उसमें जनता की भावना है कि जिसने बनाया था वही सँवारेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटलजी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार थी, छत्तीसगढ़ राज्य का उपहार दिया था। इसके बाद छत्तीसगढ़ ने पूरे देश में अपनी अलग पहचान बनाई, क्योंकि यहां 15 सालों तक डॉ. रमन सिंह के मुख्यमंत्रित्व में भाजपा की सरकार थी। तबसे लोगों का यह भरोसा है कि जो प्रसव पीड़ा को अनुभव करते हैं, वह पालन-पोषण भी अच्छी तरह करते हैं। भाजपा छत्तीसगढ़ को बनाने वाली पार्टी है तो सँवारने का काम भी भाजपा ही भावना और लगाव के साथ कर सकती है।

महतारी वंदन योजना की 12वीं किश्त की राशि हुई जारी

रायपुर। राज्य शासन द्वारा महतारी वंदन योजना की 12वीं किश्त की राशि जारी कर दी गई है, जिसके अंतर्गत 69 लाख 53 हजार 994 महिला हितग्राहियों के बैंक खातों में 650.32 करोड़ रुपए की राशि का अंतरण किया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार महतारी वंदना योजना के तहत फरवरी माह में बालोद जिले में 2,50,768 हितग्राहियों को 23.10 करोड़ रुपए, बलौदा बाजार जिले में 3,27,476 हितग्राहियों को 30.97 करोड़ रुपए और बलरामपुर जिले में 2,13,300 हितग्राहियों को 19.79 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की गई। इसी प्रकार बस्तर जिले में 1,91,609 हितग्राहियों को 18 करोड़ 87 हजार रुपए, बेमेतरा जिले में 2,52,906 हितग्राहियों को 23.96 करोड़ रुपए और बीजापुर जिले में 38,273 हितग्राहियों को 3.67 करोड़ रुपए की राशि का वितरण किया गया। बिलासपुर जिले में 4,22,741 हितग्राहियों को 39.54 करोड़ रुपए, दंतेवाड़ा जिले में 54,579 हितग्राहियों को 5.16 करोड़ रुपए और धमतरी जिले में 2,34,046 हितग्राहियों को 21.76 करोड़ रुपए की सहायता दी गई। दुर्ग जिले में 4,02,211 हितग्राहियों को 38.33 करोड़ रुपए और गरियाबंद जिले में 1,81,791 हितग्राहियों को 16.75 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में 95,401 हितग्राहियों को 8.72 करोड़ रुपए की सहायता राशि मिली।

सुरक्षा के साथ खदान संचालन में पॉवर कंपनी अव्वल

गारे पेलमा के पांच ईनाम श्रेष्ठ कार्यों के प्रतीक : सुबोध सिंह

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड को गारे पेलमा खदान के संचालन में सुरक्षा संबंधी मापदण्डों के पालन हेतु वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा में केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अधीनस्थ महानिदेशालय खान सुरक्षा द्वारा पांच महत्वपूर्ण पुरस्कारों से नवाजा गया है। इस उपलब्धि के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह ने उत्पादन कंपनी के अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा है कि यह हमारी टीम की प्रतिबद्धता और सुरक्षा के प्रति जागरूकता का प्रतीक है।

केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अधीनस्थ महानिदेशालय खान सुरक्षा द्वारा वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर खदानों के रखरखाव और कार्य-निष्पादन का आकलन किया जाता है।

वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा 2024 के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन विश्रामपुर में किया गया, जिसमें विभिन्न श्रेणियों में गारे पेलमा सेक्टर तीन, कोयला खदान को विविध पुरस्कार प्राप्त हुए। ओवरऑल ग्रुप ई (उत्पादन क्षमता 3 मिलियन टन से 5 मिलियन टन तक) में प्रथम, इंजीनियरिंग एक्सेवेशन में प्रथम, सेफ्टी मैनेजमेंट प्लान में प्रथम, डस्ट सप्रेशन में द्वितीय, इल्यूमिनेशन (मांइस में लाइट की व्यवस्था) में द्वितीय, एक्सप्लोसिव (विस्फोटक) में द्वितीय, गारे पेलमा सेक्टर तीन कोयला खदान द्वारा प्रदर्शित एक्सीबिशन एवं स्टॉल हेतु द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। ओवरऑल ग्रुप ई (उत्पादन क्षमता 3 मिलियन टन से 5 मिलियन टन तक) की श्रेणी में गारे पेलमा सेक्टर तीन कोयला खदान को विगत चार वर्षों से प्रथम पुरस्कार प्राप्त हो रहा है, जो कि सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एस. के. कटियार, कार्यपालक निदेशक श्री एम. आर. बागड़े द्वारा ये पुरस्कार पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह को सौंपे गये। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी परिवार के लिए गौरव का विषय है। हमारी टीम की मेहनत, प्रतिबद्धता और सुरक्षा के प्रति जागरूकता ने हमें इस सम्मान तक पहुंचाया है। सुरक्षा हमारे संचालन की प्राथमिकता है और हम हमेशा अपने खनिकों के सुरक्षित कार्य वातावरण को सुनिश्चित करने के लिये प्रयासरत रहेंगे। श्री सिंह ने पूरी टीम को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिये बधाई दी और भविष्य में इसी समर्पण के साथ आगे बढ़ने की आशा व्यक्त की है। वहीं श्री कटियार ने कहा है कि सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता उच्च कोटि की है। इसे बनाये रखने के लिए उत्पादन कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समर्पित प्रयास जारी रहेंगे।

500 तीर्थयात्री महाकुम्भ में शामिल होने रवाना

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूज्य शदाणी दरबार तीर्थ के पीठाधीश और आचार्य सभा के सदस्य डॉ. युधिष्ठिर लाल महाराज जी के नेतृत्व में रायपुर से 500 तीर्थयात्रियों का एक दल मंगलवार को प्रयागराज में चल रहे महाकुम्भ में गंगा स्नान करने के लिए रवाना हुआ। प्रयागराज में 144 साल बाद आयोजित सदी के इस महाकुम्भ में इस वर्ष देश-विदेश से लगभग 40 से 45 करोड़ सनातनी हिन्दू श्रद्धालुओं के पहुँचने का अनुमान है। अब तक महाकुम्भ में लगभग 37 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा-स्नान का पुण्यलाभ अर्जित किया है। मौनी अमाश्या के दिन प्रयागराज विश्व का सबसे बड़ा शहर बन गया था। इस दिन लगभग 12 करोड़ श्रद्धालुओं गंगा के पवित्र संगम में स्नान का लाभ लिया था। विश्व के अनेक देशों की कुल आबादी से भी दुगुनी-तिगुनी संख्या में श्रद्धालु इस दिन प्रयागराज में जुटे थे। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के सिंध प्रांत के भी हिन्दू तीर्थयात्री, जिनकी संख्या लगभग 100 है, भी महाकुम्भ में सिंध से चलकर गंगा-स्नान करने आ रहे हैं।

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा, भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी ने झंडी दिखाकर तीर्थयात्रियों के दल को रवाना किया। इनमें से अनेक यात्रियों के रहने व भोजन की व्यवस्था प्रयागराज में छत्तीसगढ़ सरकार के बनाए गए पेवेलियन में होगी। प्रयागराज में छत्तीसगढ़ के तीर्थयात्रियों को लगातार छत्तीसगढ़ सरकार के पेवेलियन का लाभ मिल रहा

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.